बागेश्वर धाम एवं मेहंदीपुर बालाजी के चरणों में समर्पित

दैनिक हिन्दी समाचार पत्र

संस्कार उजाला

संस्कार उजाला
www.sanskarujala.com
SANSKAR UJALA
सच की हुंकार

sanskarujala@gmail.com

संस्थापक स्व० सुखराम शर्मा एवम शिवकुमार शर्मा, श्री प्रकाशवीर

सच की हुंकार

संस्थापक
स्व. श्री आर. के. शर्मा

गाजियाबाद से प्रकाशित, दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, हरियाणा, सहारनपुर, मेरठ, मुरादाबाद, बरेली, हापुड, बुलंदशहर, मथुरा आगरा, इटावा, कानपुर एंव लखनऊ से प्रसारित

वर्ष : 12 अंक : 177 | शुक्रवार 18 अक्टूबर 2024, गाजियाबाद | RNI No-UPHIN / 2013 / 50466 | पेज: 8 मूल्य : 2 रुपया

[सुविचार]

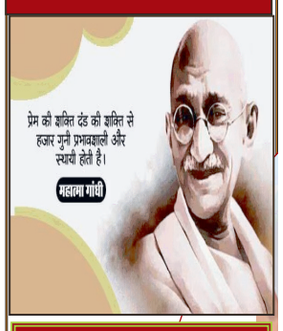

संक्षिप्त समाचार

मध्यप्रदेश के बेटी निकिता ने जीता फेमिना मिस इंडिया 2024 का खिताब

भोपाल। मध्य प्रदेश की निकिता पोरवाल ने फेमिना मिस इंडिया 2024 का खिताब जीता लिया है। दूसरे स्थान पर रेखा पांडे और तीसरे स्थान पर गुजरात की आयुषी ढोलकिया रहीं। 18 साल की निकिता ने अपने करियर की शुरुआत टीवी एंकर के रूप में की थी। उन्हें पिछले साल की विजेता नंदिनी गुप्ता ने ताज पहनाया, और नेहा धूपिया ने मिस इंडिया का सैश दिया। निकिता ने राजस्थान की नंदिनी की जगह ली, जिन्होंने 2023 में फेमिना मिस इंडिया का खिताब जीता था।

भीषण सड़क हादसे में दो दुधमुंही बच्चियों समेत चार की मौत, चार घायल

मथुरा। यूपी के मथुरा जिले के कोसीकलां क्षेत्र में गुरुवार सुबह हुयी एक सड़क हादसे में दो दुधमुंही बच्चियों समेत चार लोगों की मौत हो गई जबकि चार अन्य घायल हो गए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे पर गहरा दुख जताते हुये घायलों के समुचित उपचार के निर्देश दिये हैं। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शैलेष कुमार पाण्डे ने बताया कि हरियाणा के पलवल जिले के होडल कस्बे की ओर जा रही पिकप गाड़ी कोसी शेरगढ़ मार्ग पर नगला सातबिसा के पास एक बिजली के खंभे से टकरा गई जिससे बिजली का तार टूट गया। इससे घबड़ाकर सभी अपने बच्चों को लेकर पिकप के नीचे कूद पड़े। इसी बीच पिकप चालक ने दुर्घटना बचाने के लिए गाड़ी को पीछे की ओर चला दिया जिससे आठ लोग मैक्स पिकप से घायल हो गए तथा कुछ समय बाद चार की मौत हो गई। उन्होंने बताया कि हादसे में गौरीदेवी (35), कोमल (2), कुंतीदेवी (28), प्रियंका (2) की मौके पर ही मौत हो गयी जबकि घायल काजल (17), जीरा (19), माना (21), गगन (3) को गंभीर हालत में सीएचसी कोसीकलां में भर्ती कराया जहां प्राथमिक उपचार के बाद सभी को जिला अस्पताल भेज दिया गया। पुलिस के अनुसार सभी हताहत बिहार के गया जिले से रेलगाड़ी से चलकर अलीगढ़ तक आए थे। वे किराये की एक मैक्स पिकप गाड़ी कर होडल जिला पलवल, हरियाणा के एक भट्ठे में मजदूरी करने के लिए जा रहे थे।

जम्मू-कश्मीर में बिना राज्य के दर्जे के सरकार गठन अधूरा : राहुल गांधी

नई दिल्ली (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर में नई सरकार का गठन हो गया है। उमर अब्दुल्ला ने सीएम पद पर विरामान हो गए हैं। राहुल गांधी और प्रियंका गांधी समेत कई बड़े नेता उनके शपथ ग्रहण समारोह में मौजूद थे। कांग्रेस सरकार में शामिल नहीं हुई है। कांग्रेस का कहना है कि जब तक जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा नहीं मिल जाता, तब तक वह सरकार में शामिल नहीं होगी।

जम्मू-कश्मीर में उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व में 2019 में धारा 370 हटाए जाने के बाद पहली निर्वाचित सरकार है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने उमर अब्दुल्ला को सीएम बनने पर बधाई दी। राहुल गांधी ने कहा कि बिना राज्य के दर्जे के सरकार गठन अधूरा लगता है। उन्होंने दोहराया कि जम्मू-कश्मीर के लोगों से लोकतंत्र छीन लिया गया था। उन्होंने वादा किया कि जब तक जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा नहीं मिल जाता, तब तक वह लड़ते रहेंगे। राहुल गांधी ने अपने पोस्ट में लिखा-आज हम पूर्ण राज्य का दर्जा बहाल होने तक अपनी लड़ाई जारी रखने का संकल्प दोहराते हैं।

उमर अब्दुल्ला ने राहुल गांधी को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि प्रियंका गांधी के साथ राहुल गांधी की मौजूदगी से उन्हें और उनके परिवार को बहुत प्रोत्साहन मिला। उमर अब्दुल्ला ने एक्स पर लिखा-जम्मू-कश्मीर के लोग आपकी ओर देख रहे हैं। हमें अपना राज्य का दर्जा वापस पाने के लिए आपके समर्थन की जरूरत है। प्रियंका गांधी के साथ आपकी उपस्थिति ने हमें बहुत प्रोत्साहन दिया और परिवार को

वास्तव में आप दोनों के साथ कुछ समय बिताकर खुशी हुई। कांग्रेस के जम्मू-कश्मीर अध्यक्ष तारिक हमीद करां ने कहा कि कांग्रेस इस बात से नाखुश है कि जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा नहीं दिया गया है। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा नहीं दिया गया है। हम नाखुश हैं, इसलिए हम फिलहाल सरकार में शामिल नहीं हो रहे हैं।

प्रियंका गांधी ने भी एक्स पर उमर अब्दुल्ला और उनके मंत्रिमंडल के सदस्यों को बधाई दी। उन्होंने एक्स पर लिखा-जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और उनके मंत्रिमंडल के सभी सदस्यों को बहुत-बहुत बधाई। जम्मू-कश्मीर की जनता को आपके वोट की ताकत से न्याय और लोकतंत्र की आवाज बुलंद करने के लिए धन्यवाद। भविष्य के लिए शुभकामनाएं। उन्होंने आगे लिखा, इंडिया गठबंधन सरकार लोगों के लंबित अधिकारों को बहाल करने के साथ-साथ अपने सभी वादों और लोगों की आकांक्षाओं को पूरा करने के लिए पूरी लगन से काम करेगी।

दैनिक संस्कार उजाला
न्यूज एवं विज्ञापन के लिए संपर्क करें

संस्कार उजाला समाचार पत्र में रिपोर्टर, ब्यूरोचीफ, मार्केटिंग करने वालों लोगों की जरुरत है। तुरंत संपर्क करें।

महेश शर्मा
प्रबंध संपादक
मो.नं:-9911733939

तेजस्वी का आरोप, बिहार में कहें कि शराबबंदी... लेकिन हर चौक-चौराहों पर उपलब्ध

—नीतिश को कुछ खिलाया जा रहा, वे बिहार चलाने लायक नहीं रह गए

पटना (एजेंसी)। जहरीली शराब के सेवन से सीवान में 20 और छपरा में 4 लोगों की दुखद मौत के बाद बिहार के पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर हमला कर कहा कि मुख्यमंत्री और उनका किचन कैबिनेट अनैतिक और सिद्धांतहीन राजनीति के प्रणेता बने हैं। तेजस्वी ने लिखा कि सत्ता संरक्षण में जहरीली शराब के कारण 27 लोगों की हत्या की गई है। दर्जनों की आँखों की रोशनी चली गई। बिहार में कथित शराबबंदी है, लेकिन सत्ताधारी नेताओं-पुलिस और माफिया के गठजोड़ के कारण हर चौक-चौराहों पर शराब उपलब्ध है।

राजद नेता ने कहा कि इतने लोग मारे गए

लेकिन मुख्यमंत्री नीतीश ने शोक-संवेदना तक व्यक्त नहीं की। जहरीली शराब से, अपराध से प्रतिदिन सैकड़ों बिहारवासी मारे जाते है लेकिन मुख्यमंत्री और उनकी किचन कैबिनेट के लिए यह सामान्य बात है। उन्होंने कहा कि कितने भी लोग मारे जाए लेकिन मजाल है किसी वरीय अधिकारी पर कोई कारवाई हो? इसके विपरीत उन्हें पुरस्कृत किया जाएगा?

तेजस्वी ने कहा कि अगर शराबबंदी के बावजूद बिहार के हर चौक-चौराहे व नुक्कड़ पर शराब उपलब्ध है, तब क्या यह गृह विभाग और मुख्यमंत्री की विफलता नहीं है? क्या मुख्यमंत्री जी होशमंद है? इन हत्याओं का दोषी कौन? उन्होंने कहा कि समीक्षा बैठक के नाम पर ढोंग होता है। नीतीश को लेकर तेजस्वी ने बड़ा दावा किया कि उन्हें कुछ खिलाया-पिलाया जा रहा है। अब वह बिहार चलाने लायक नहीं रह गए।

गुरुवार को नीतीश ने सीवान और सारण जिले में हुए जहरीली शराब कांड की उच्चस्तरीय समीक्षा की। समीक्षा के बाद सीएम ने मद्य निषेध, उत्पाद एवं निबंधन विभाग के सचिव को मौके पर जाकर पूरी स्थिति की जानकारी लेने और सभी बिंदुओं पर गहन जांच करने का निर्देश दिया। इसके साथ ही उन्होंने इसमें शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का भी निर्देश दिया।

यह सिर्फ भाजपा-आरएसएस का प्रचार, सुप्रीम कोर्ट में न्याय की देवी की आंखों से काली पट्टी उतरी ,संजय राउत ने जताया ऐतराज

मुंबई (एजेंसी)। औपनिवेशिक विरासत को त्यागने और अधिक समकालीन न्याय को अपनाने और न्याय के भारतीयकरण को देखने के प्रयास में भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने अपने पुस्तकालय के लिए लेडी जस्टिस की एक पुनः डिज़ाइन की गई प्रतिमा का अनावरण किया। प्रतिमा में लेडी जस्टिस की तलवार को संविधान के साथ प्रतिस्थापित किया गया है, उनकी आंखों से पट्टी हटा दी गई है और वह एक साड़ी में हैं। हालाँकि, शिव सेना (यूबीटी) नेता संजय राउत नई प्रतिमा को लेकर आक्रामक रुख अपनाए हुए हैं। परिवर्तन की निंदा करते हुएराउत ने इसे भाजपा-आरएसएस का प्रचार करार दिया है।

इस प्रतिमा का अनावरण 2023 में सीजेआई चंद्रचूड़ ने किया था, जिसके बाद से ही ये तस्वीर वायरल हो गई। आंखों पर पट्टी बांधने का मतलब कानून के समक्ष समानता का प्रतिनिधित्व करना था, जिसका अर्थ था कि अदालतें अपने सामने आने वाले लोगों की संपत्ति, शक्ति या स्थिति के अन्य मार्करों को नहीं देख सकती हैं, जबकि तलवार अधिकार और अन्याय को दंडित करने की शक्ति का प्रतीक है। सुप्रीम कोर्ट में न्यायाधीशों की लाइब्रेरी में मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ के आदेश पर स्थापित की गई नई प्रतिमा में आंखें खुली हैं और बाएं हाथ में तलवार की जगह संविधान है।

नई प्रतिमा के पीछे स्पष्ट और प्रगतिशील इरादे के बावजूद, शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने इस बदलाव पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि यह परिवर्तन भाजपा और आरएसएस का एक प्रचार और एक अभियान है। फिर उन्होंने सुप्रीम कोर्ट पर निशाना साधते हुए पूछा कि न्याय की मूर्ति के हाथ में तलवार की जगह संविधान देकर वे क्या साबित करना चाह रहे हैं? वे पहले से ही संविधान की

हत्या कर रहे हैं और प्रतिमा से आंखों की पट्टी हटाकर वे चाहते हैं कि हर कोई भ्रष्टाचार और संविधान की हत्या को खुलेआम देखे।

मेरे परिवार को न्याय चाहिए ! बाबा सिद्दीकी की हत्या पर बेटे जीशान ने की मांग

मुंबई (एजेंसी)। विधायक जीशान सिद्दीकी ने अपने पिता बाबा सिद्दीकी की हत्या के लिए न्याय की मांग की है, उनका कहना है कि मेरे पिता ने गरीब निर्दोष लोगों के जीवन और घरों की रक्षा करते हुए अपनी जान गंवा दी। आज, मेरा परिवार टूट गया है लेकिन उनकी मौत का राजनीतिकरण नहीं किया जाना चाहिए और निश्चित रूप से मुझे न्याय चाहिए, मेरे परिवार को न्याय चाहिए ! एनसीपी अजित पवार गुट के नेता बाबा सिद्दकी की 12 अक्टूबर की रात गोली मारकर हत्या कर दी गई। पकड़े गए आरोपियों ने पूछताछ में बताया है कि उन्हें निर्देश मिले थे कि बाबा सिद्दीकी ही नहीं उनके बेटे जिशान भी उनके निशाने पर थे। खबर के अनुसार शूटर्स को निर्देश मिले हुए थे कि जो भी मिले उसे मार डालो। पूछताछ में आरोपियों ने अपने प्लान के बारे में भी बताया है।

खबरों के अनुसार आरोपियों ने पहले बाबा सिद्दीकी और फिर उनके बेटे की आंखों पर काली मिर्च वाला स्प्रे मारना चाहते थे उनका सोचना था कि

ऐसे सिद्दीकी परिवार के लोगों को दिखना बंद हो जाएगा। लेकिन ये प्लान पूरा नहीं हो पाया क्योंकि इस केस के आरोपी शिव कुमार गौतम ने सारे प्लान छोड़ते हुए फायर प्लान खोल दिया। जिससे अन्य आरोपियों को भी पहले ही फायर करना पड़ा। बाबा सिद्दीकी के साथ एक और व्यक्ति को गोली लगी थी। जिस समय गोली जीशान सिद्दीकीचली वो मौका-ए-वारदात से गुजर रहा था। उसी समय व्यक्ति को गोली लग गई। उसे उपचार के लिए भाभा अस्पताल भर्ती कराया गया।

सूत्रों ने बताया कि जीशान खाना खाने के लिए पहले ही निकल चुके थे। सूत्रों ने बताया कि अगर जीशान सिद्दीकी खाने के लिए निकले नहीं होते, तो उनकी भी हत्या हो सकती थी। जीशान बांद्रा से ही कांग्रेस विधायक हैं। उनके विधानसभा क्षेत्र में स्क्रू री-डेवलपमेंट को लेकर विवाद चल रहा था।

सीबीआई, ईडी और आयकर को निष्पक्ष होकर काम करना चाहिए

—मुख्यमंत्री सिद्धारमैया का केंद्र पर हमला

नई दिल्ली (एजेंसी)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने सीबीआई, ईडी और आयकर विभाग जैसी जांच एजेंसियों के बहाने केंद्र की मोदी सरकार पर निशाना साधा है। सीएम सिद्धारमैया ने कहा कि सीबीआई, ईडी और आयकर जैसी केंद्रीय एजेंसियों को निष्पक्ष होकर काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस राज्य में तीन विधानसभा क्षेत्रों में 13 नवंबर को होने वाले उपचुनाव में जीतने को तैयार है।

सिद्धारमैया ने कहा कि प्रदेश में नवंबर में होने वाले उपचुनाव का कांग्रेस पार्टी प्रभावी ढंग से मुकाबला करेगी और सभी तैयारियां की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र के अधीन आने वाले सीबीआई, ईडी और आईटी सहित सभी संगठनों को निष्पक्ष रूप से काम करना चाहिए और किसी राजनीतिक दल के पक्ष में काम नहीं करना चाहिए। उन्होंने दावा किया कि नागेंद्र (पूर्व मंत्री बी नागेंद्र) ने कहा है कि उन पर ईडी ने दबाव डाला था। उन्होंने बताया कि उन पर मेरा और

डी के शिवकुमार (उपमुख्यमंत्री) का नाम लेने का दबाव डाला गया था।

पूर्व कैबिनेट मंत्री बी नागेंद्र ने जेल से बाहर आने पर आरोप लगाया कि कर्नाटक महर्षि वाल्मीकि एसटी विकास निगम (केएमवीएसटीडीसी) में करोड़ों रूपये के कथित घोटाले में मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और उप मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार का नाम लेने के लिए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उन पर दबाव डाला था।

मैरिटल रेप मामले की सुप्रीम कोर्ट में हुई सुनवाई: एनल सेक्स रेप नहीं... हम इसी को चुनौती दे रहे

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट मैरिटल रेप को अपराध घोषित करने से जुड़ी याचिकाओं पर गुरुवार को सुनवाई की है। याचिकाओं में कहा गया है कि क्या किसी व्यक्ति को अपनी पत्नी को संबंध बनाने के लिए मजबूर करने के लिए कानूनी संरक्षण मिलना चाहिए। मामले की सुनवाई सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच कर रही है। सीजेआई ने सुनवाई करते हुए कहा, अपवाद 2 कहता है कि पत्नी के साथ एनल सेक्स रेप नहीं है। इस पर याचिकाकर्ता के वकील ने कहा, हम इसी को चुनौती दे रहे हैं।

सुनवाई के दौरान सीजेआई ने कहा कि, जब पत्नी 18 साल से कम की होती है, तब यह रेप है और जब यह 18 साल से अधिक की होती है, तब यह नहीं है। यही बीएनएस और आईपीसी में अंतर है। इस पर वकील नंदी ने कहा, यदि पति एनल सेक्स करता है, तब पत्नी को अपवाद 2 के तहत छूट दी जाती है, जबकि यह यौन क्रिया नहीं है। इस पर जबाव देकर सीजेआई ने कहा कि कानून कहता है कि चाहे वजाइनल सेक्स हो या एनल सेक्स। जब तक यह विवाह के भीतर किया जाता है, तब तक यह बलात्कार नहीं होगा। वकील नंदी की जिहर, धारा 63 ए यह भी कहती है कि यदि कोई पुरुष किसी अन्य पुरुष का लिंग किसी महिला की योनि, मुंह आदि में इंसर्ट कराता है तब वह भी बलात्कार होगा। इस पर सीजेआई, लेकिन यह अपवाद के अंतर्गत नहीं आएगा। सुनवाई में हिस्से लेते हुए जस्टिस पारदीवाला ने कहा कि यौन क्रिया शब्द को सही तरीके से परिभाषित नहीं किया गया है? मान लीजिए कि कोई पति पत्नी को किसी अन्य पुरुष के साथ संबंध बनाने के लिए मजबूर करता है तब क्या वह अपवाद 2 के अंतर्गत आएगा? नहीं, वह नहीं आएगा। वकील नंदी अपनी बात रखते हुए, वह आएगा। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि नहीं, यह गलत व्याख्या है। वकील नंदी ने कहा कि यदि किसी महिला के साथ पति, अजनबी या तलाकशुदा पति द्वारा जबरन संबंध बनाया जाता है, तब यह रेप ही है। अगर लिव इन रिलेशनशिप में रह रही महिला के साथ बिना सहमति सेक्स किया जाता है तब यह भी रेप है, लेकिन अगर किसी विवाहित महिला के साथ ऐसा होता है तब यह रेप क्यों नहीं? इस दलील पर सीजेआई ने कहा कि केंद्र सरकार ने अपने जवाब में कहा कि, पति-पत्नी के बीच बिना इजाजत के संबंध बनाने को अपराध घोषित करने विवाह संस्था अस्थिर होगी। इस पर आपका क्या कहना है? इस पर वकील नंदी ने बताया कि एक पुराने केस (केएस पुट्टुस्वामी मामले) में यह माना गया कि निजता की आड़ में महिलाओं के अधिकारों का हनन या लिंग आधारित हिंसा नहीं की जा सकती।

न्याय की गांन्धारी की आँखों से पट्टी का हटना सुखद

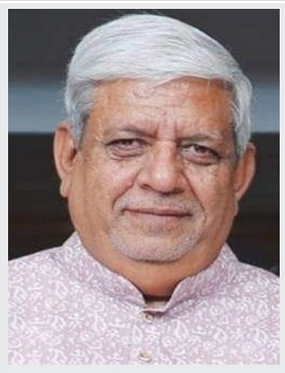

राकेश अचल

न्याय की देवी की वास्तव में यूनान की प्राचीन देवी हैं, जिन्हें न्याय का प्रतीक कहा जाता है. इनका नाम जस्टिया है. इनके नाम से जस्टिस शब्द बना था। इनके आंखों पर जो पट्टी बंधी रहती है, उसका मतलब है कि न्याय की देवी हमेशा निष्पक्ष होकर न्याय करेंगी। किसी को देखकर न्याय करना एक पक्ष में जा सकता है। इसलिए इन्होंने आंखों पर पट्टी बांधी थी।

कहते हैं की जो होता है सो अच्छा ही होता है। भारत में न्यायपालिका का प्रतीक चिन्ह आँखों पर पट्टी बंधे हाथ में तलवार लिए एक स्त्री का चित्र था । इसे न्याय की देवी कहा और माना जाता है ,क्योंकि न्याय देने का काम शायद देवता नहीं कर पाते हैं। न्याय की देवी की आँखों पर पट्टी शायद इसलिए बंधी गयी होगी ताकि वो नीर-क्षीर विवेक से न्याय कर सके,हाथ में तलवार शायद इसीलिए दी गयी होगी ताकि वो निर्ममता से दंड दे सके,लेकिन अब उसकी आँखों से पट्टी भी हटा दी गयी है और हाथ से तलवार भी छीन ली गयी है । न्याय की देवी के हाथों में उस संविधान की प्रति पकड़ा दी गयी है जो हाल के आम चुनाव में काग्रेस के नेता राहुल गाँधी और बाकी का विपक्ष लेकर घूम रहा था।

कहते हैं कि न्याय के प्रतीक को बदलने की सारी कवायद के पीछे देश के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ हैं। उनके निदेर्शों पर न्याय की देवी में बदलाव कर दिया गया है। न्याय कि देवी कि नयी प्रतिमा सुप्रीम कोर्ट में जजों की लाइब्रेरी में लगाई गई है। पहले जो न्याय की देवी की मूर्ति होती थी. उसमें उनकी दोनों आंखों पर पट्टी बंधी होती थी. साथ ही एक हाथ में तराजू जबकि दूसरे में सजा देने की प्रतीक तलवार होती थी। ये बदलाव हालाँकि सांकेतिक ही है लेकिन है अच्छा। इस फैसले पर मौजूदा सरकार की सोच भी परिलक्षित होती है। आपको याद होगा कि हमारी मौजूदा सरकार को आजकल सब कुछ बदलने का भूत सवार है । शहरों,स्टेशनों के नाम ही नहीं बल्कि अंग्रेजों के जमाने के तमाम कानून भी बदले गए हैं। ऐसे में न्यायपालिका क्यों पीछे रहे ? इसीलिए अब भारतीय न्यायपालिका ने भी ब्रिटिश काल को पीछे छोड़ते हुए नया रंगरूप अपनाना शुरू कर दिया है। सुप्रीम कोर्ट का ना केवल प्रतीक बदला है बल्कि सालों से न्याय की देवी की आंखों पर बंधी पट्टी भी हट गई है। जाहिर है कि सुप्रीम कोर्ट ने देश को संदेश दिया है कि अब कानून अंधा नहीं ह। कानून को अंधा होना भी नहीं चाहिए ।दुर्भाग्य से देश में आज भी तमाम कानून अंधे हैं।

मुझे लगता है कि सुप्रीम कोर्ट के मुख्य नयायधीश को ये विचार या प्रेरणा पिछले दिनों गणेशोत्सव पर प्रधानमंत्री जी के साथ गणेश पूजन के बाद मिली। शुरूआत अच्छी है।

हम सब इसका स्वागत करते है । इस समय जिस भी व्यवस्था की आँखों पर पट्टी बंधी हो उसे हटाने की जरूरत है। आँखों पर पट्टी का बंधा होना जहाँ नीर-क्षीर विवेक का प्रतीक माना जाता रहा है वहीं इसे जानबूझकर आआंखें बंद करने का प्रतीक भी माना जाता है। द्वापर में गांधारी ने अपनी आँखों पर पट्टी अपने पति प्रेम के चलते बाँधी थी ,लेकिन उसका क्या परिणाम हुआ ,पूरी दुनिया जानती है । दुनिया न भी जानती हो , लेकिन भारत का बच्चा -बच्चा जानता है। सुप्रीम कोर्ट के इस नवाचार का हम दिल खोलकर स्वागत करते हैं और चाहते हैं कि अब देश में न्यायप्रणाली की आँखें न सिर्फ खुलीं हों बल्कि गंगाजल से धुली भी हो। अभी तक भारतीय न्यायपालिका में देश का भरोसा कायम है यद्दिप न्यायपालिका तमाम आधे-अधूरे फैसलों की वजह से संदिग्ध हुई है तथापि उसे अनेक फैसलों की वजह से पूरा सम्मान भी हासिल है।

दुर्भाग्य ये है कि इस समय देश में कार्यपालिका हो या विधायिका,सभी की आँखों पार पट्टी और हाथों में तलवार है । पक्षपात की तलवार । अदावत की तलवार। हमारी सरकार के नियनत्रण में सब कुछ है । न्यायपालिका भी ,क्योंकि इस अंग की नियुक्ति,वेतन-भत्तों तक की व्यवस्था सरकार करती है। सरकार भी अपनी आँखों पर पट्टी बांधकर काम करती है । वो जिस मंजर को नहीं देखना चाहती उसे नहीं देखती । वो जहाँ तलवार चलाने की जरूरत होती है वहां तलवार को हाथ भी नहीं लगाती और जहाँ तलवार नहीं चलना होती वहां तलवार भी चलाती है और आँखों पर बंधी पट्टी भी हटा लेती है। इस बात के उदाहरण नहीं दूंगा,इसका विश्लेषण आपको भी करना चाहिए।

मुख्य न्यायाधीश माननीय चंद्रचूड़ का मानना है कि अंग्रेजी विरासत से अब आगे निकलना चाहिए। कानून कभी अंधा नहीं होता। वो सबको समान रूप से देखता है। इसलिए न्याय की देवी का स्वरूप बदला जाना चाहिए। साथ ही देवी के एक हाथ में तलवार नहीं, बल्कि संविधान होना चाहिए; जिससे समाज में ये संदेश जाए कि वो संविधान के अनुसार न्याय करती हैं। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ साहब का मानना है कि तलवार हिंसा का प्रतीक है। जबकि, अदालतें हिंसा नहीं, बल्कि संवैधानिक कानूनों के तहत इंसाफ करती हैं। दूसरे हाथ में तराजू सही है कि जो समान रूप से सबको न्याय देती है।

हमें उम्मीद करना चाहिए की जिस तरह से माननीय मुख्य नयायधीश ने अपनी सेवा निवृत्ति से कुछ दिन पहले न्यायपालिका के प्रतीक को बदला है उसी तरह वे जाते-जाते उन सभी संवैधानिक संस्थाओं की आँखों पर बंधी पट्टी और हाथों में ली गयी दृश्य और अदृश्य तलवारों को हटवाने का भी इंतजाम कर जायेंगे। ईडी हो,सीबीआई हो या केंद्रीय चुनाव आयोग हो सबकी आँखों पर पट्टी और हाथों में तलवार है । आज का युग आँखों पर पट्टी बांधकर काम करने का है भी नही। आज के युग में तलवार हाथ में लेकर दुनिया को नहीं चलाया जाता । आज कीदुनिया के हाथों में तलवार की जगह विनाशकारी बम आ गए हैं, मिसाइलें आ गयीं हैं ,जो सामूहिक नरसंहार कर रहे हैं।

हमारे कानून के शिक्षक स्वर्गीय गोविंद अग्रवाल साहब हमें पढ़ते वक्त बताया करते थे कि -न्याय की देवी की वास्तव में यूनान की प्राचीन देवी हैं, जिन्हें न्याय का प्रतीक कहा जाता है. इनका नाम जस्टिया है. इनके नाम से जस्टिस शब्द बना था। इनके आंखों पर जो पट्टी बंधी रहती है, उसका मतलब है कि न्याय की देवी हमेशा निष्पक्ष होकर न्याय करेंगी। किसी को देखकर न्याय करना एक पक्ष में जा सकता है। इसलिए इन्होंने आंखों पर पट्टी बांधी थी। वैसे आपको भी पता है और मुझे भी पता है कि आँखों पर पट्टी बांधकर मोटर साइकल चलाना और चित्र बनाना जादूगरों का काम है,न्यायधीश ये नहीं कर सकते । नेता जरूर कर सकते हैं,कर भी रहे हैं। । बहरहाल मुख्य न्यायाधीश को इस तब्दीली के लिए तहेदिल से बधाई। कम से कम सेवनिवृर्ति से पहले वे भी एक नया इतिहास लिखकर जो जाने वाले हैं। अब पुरानी हिंदी फिल्मों में दिखाए जाने वाले अदालतों के इस प्रतीक चिन्ह का क्या होग। राम जाने ?

संपादकीय

सकारात्मक पहल

दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रों के हित में 'अर्न व्हाहिल लर्न' योजना शुरू कर रहा है जिसमें वे अपनी नियमित पढ़ाई के दौरान कमाई भी कर सकेंगे। विश्वविद्यालय छात्रों को विभिन्न माध्यमों मसलन इंटरर्नशिप, रिसर्च असिस्टेंटशिप आदि से कमाने का मौका देग। इसके लिए ड़ीयू का प्रत्येक विभाग उद्योग आदि की मदद से कॉर्पस फंड़ जनरेट करेगा। विभाग विभिन्न एजेंसियों के साथ करार करेगा ताकि छात्रों को इनमें इंटरर्नशिप मिल सके। पार्ट टाइम जॉब के लिए स्थानीय व्यापार संगठनों को भी जोड़ेग़ा। प्रिंसिपल इंटर्नशिप योजना के अंतर्गत छात्रों को मानदेय दिया जाएगा। जरूरतमंद छात्रों को टीचर असिस्टेंटशिप दिए जाने की योजना पर भी जोर रहेगा। योजना का प्रारूप निश्चित रूप से बेहद सकारात्मक प्रतीत हो रहा है। देश भर से छात्र बेहतर भविष्य की कल्पना के साथ दिविवि में दाखिला लेते हैं जिसमें ढ़ेरों मेधावी और परिश्रमी छात्र ऐसे होते हैं, जिनकी पृष्ठभूमि कमजोर वर्ग से होती है। बीते सालों में विभिन्न केंद्रीय विश्वविद्यालयों की तरह ड़ीयू ने भी विभिन्न पाठ्यक्रमों का शुल्क काफी बढ़ा दिया है। ऐसे में घर-परिवार से दूर रहकर पढ़ाई करने वालों पर अतिरिक्त बोझ पड़ता है। इस मंहगे महानगर में खाने और आवास की व्यवस्था कर पाना उनके लिए बेहद संघर्षपूर्ण होता है। निर्धन देशों में ही नहीं दुनिया भर के अति समृद्ध देशों में भी छात्रों के लिए ऐसी सुविधा होती है जिसमें वे पार्टटाइम काम कर-के कुछ पैसा स्वयं कमा सकते हैं। इससे न सिर्फ छात्र आर्थिक रूप से स्वावलंबी होंगे, बल्कि उन्हें मिलने वाले इस अनुभव का अतिरिक्त लाभ नौकरियां प्राप्त करने के दौरान में भी मिल सकेगा। हालांकि अपने यहां पार्टटाइम काम करने के न तो बहुत अवसर हैं, न ही प्रचलन। क्योंकि काम से ज्यादा उन्हें करने वाले मौजूद हैं, वह भी बेहद कम मेहनताने पर परंतु ये छात्र प्रशिक्षित होने के साथ ही उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे होंगे, इसलिए नियोक्ता को भरपूर मदद मिल सकती है। चूंकि यह काम उन्हें विश्वविद्यालय परिसर या आसपास मिलने की सुविधा होगी तो वे पढ़ाई में अपना वक्त ज्यादा दे सकेंगे। बढ़ती बेरोजगारी और मंहगाई के मद्देनजर यह कदम छात्रों के हित में प्रतीत हो रहा है, हालांकि इससे उनकी पढ़ाई बाधित हाने की आशंका से इंकार नहीं किया जा सकता। जितनी संख्या में छात्र हैं, उस अनुपात में जरूरतमंदों को उतना रोजगार दिलाना भी विश्वविद्यालय के लिए कम चुनौतीपूर्ण नहीं होगा।

चिंतन-मनन

दया करने वालों की जय-जयकार होती है

हर व्यक्ति अधिक से अधिक धन कमाने के पीछे व्यवहारिकता एवं मानवीय मूल्यों को भूलता जा रहा है। रास्ते में अगर कोई मजबूर व्यक्ति दिख जाए तो कोई बेबसी प्रकट करने के लिए दो पल रूक जाए यही बड़ी बात होती है। बहुत से लोग ऐसे भी हैं जो किसी के लिए अपना एक पल और एक रुपए तक खर्च करने में कंजूसी करते हैं। शायद इसलिए कि उन्हें लगता है, भला पीड़ित व्यक्ति उनका क्या नाता है। लेकिन ऐसा सोचने से पहले यह शब्द जरूर याद करना चाहिए कि वसुधैव कुटुम्बकम् का मंत्र इस देश ने संसार को दिया है जिसका अर्थ है वसुधा यानी धरती पर रहने वाला हर व्यक्ति हमारा कुटुम्ब है। अगर विष्णु पुराण, श्रीमद्भागवत पुराण अथवा अन्य कोई भी पुराण उठाकर देखेंगे तो पता चलेगा कि हम सभी मनुष्य मनु की संतान हैं। इस नाते हम सभी मनुष्य एक दूसरे के रिश्तेदार हैं।

इस नाते हम सभी को अपने रिश्तेदारों की सहायता करनी चाहिए यही हमारा धर्म है। धर्म ग्रंथों में कहा भी गया है कि दया धर्म का मूल है। इसलिए हर व्यक्ति को बिना किसी लालच और स्वार्थ के जरूरत के समय आगे बढ़कर लोगों की मदद करनी चाहिए। जो ऐसा करते हैं उनका जयजयकार समाज ही नहीं ईश्वर भी करता है। दया करने वाला व्यक्ति कठिन समय आने पर भी अपना गुण नहीं त्यागता है। इसी का उदाहरण है मुगल बादशाह दारा। दारा को औरंगजेब ने बंदी बना लिया। बंदी बना दारा जब शहर के बीच से गुजर रहा था तो उसकी स्थिति देखकर लोग तरस खा रहे थे लेकिन कोई मदद के लिए आगे नहीं आ रहा था। एक फकीर ने दारा की स्थिति को देखकर कहा कि, दारा तू जब भी हाथी पर बैठकर इस रास्ते जाता था तो मेरी झोली भरता था। आज क्या फकीर की झोली खाली रहेगी।

दारा ने नजर उठाकर उस फकीर की ओर देखा और अपने शरीर पर पड़ा दुशाला उठाकर फकीर की ओर फेंक दिया। दारा की बेबसी पर जो लोग सिर झुकाए खड़े थे सभी दारा की उदारता और दयालुता को देखकर जयजयकार करने लगे। दारा का झुका हुआ सिर गर्व से ऊपर उठ गया और औरंगजेब के सैनिकों का सिर शर्म से झुक गया। भले ही आप कभी तीर्थ स्थल न जाएं लेकिन जरूरत के समय लोगों की सहायता कर दें तो कई तीर्थ यात्रा का फल आपको घर बैठे मिल जाता है।

जम्मू - कश्मीर में अब्दुल्ला सरकार की राहें बड़ी कठिन

धारा 370 खत्म होने के बाद नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला जम्मू-कश्मीर के नए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ ले ली है, उमर अब्दुल्ला केंद्र शासित बने जम्मू-कश्मीर के पहले मुख्यमंत्री होंगे. हालांकि, उमर अब्दुल्ला के लिए राह उतनी आसान नहीं होगी, क्योंकि अनुच्छेद 370 हटने और केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद जम्मू-कश्मीर का पावर गेम बहुत बदल गया है.. और जम्मू - कश्मीर की राजनीति के लिए यह सबसे अहम पहलू है. उमर अब्दुल्ला पहले भी जनवरी 2009 से जनवरी 2014 तक जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री रह चुके हैं. उन्हें मुख्यमंत्री होने का तजुर्बा भी है, लेकिन तब और अब में बहुत फर्क है. उमर अब्दुल्ला को एक स्वतंत्र राज्य का सीएम होने का अनुभव है, लेकिन केंद्र शासित प्रदेश का सीएम होने का तजुर्बा नहीं है. जब उमर अब्दुल्ला मुख्यमंत्री हुआ करते थे तब जम्मू-कश्मीर पूर्ण राज्य हुआ करता था और अब ये केंद्र शासित प्रदेश है. तब जम्मू-कश्मीर विधानसभा का कार्यकाल 6 साल का था, अब बाकी राज्यों की तरह ही 5 साल होगा. तब राज्य से जुड़े फैसले लेने की सारी शक्तियां विधानसभा और मुख्यमंत्री के पास होती थीं, सारे के सारे कानून बनाने की शक्तियां सीएम के पास होती थीं, लेकिन अब काफी हद तक सारा कंट्रोल उपराज्यपाल के हाथ में होगा. और प्रमुख बात सारा का सारा कंट्रोल केंद्र सरकर के पास होगा, जो उमर अब्दुल्ला के लिए परेशानी का सबब बनने वाला है. मोदी सरकार का स्वभाव वैसे भी राज्यों में दखल देने का रहा है. जम्मू - कश्मीर को पूर्ण राज्य का दर्जा देने का वायदा करने वाली मोदी सरकार ने आजतक बहाल नहीं किया है, जबकि यह निर्णय केंद्र सरकार के अधीन होता है. देखना दिलचस्प होने वाला है कि मोदी सरकार पूर्ण राज्य का दर्जा देती है या लटकाए रहती है, क्योंकि जम्मू - कश्मीर में हालात कैसे रहेंगे इस नव गठित सरकर के हाथ में भी रहने वाला है.

2019 में धारा 370 खत्म होने के बाद अब जब जम्मू-कश्मीर की स्थिति काफी बदल चुकी है, लेकिन यह भी तय है कि राजनीतिक मतभेदों के बावजूद दिल्ली में आम आदमी पार्टी सरकार और उपराज्यपाल के बीच तनातनी होती रहती है, उसी तरह की तनातनी जम्मू-कश्मीर में भी देखने को मिल सकती है. तभी तो कुछ दिन पहले दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने राजनीतिक कटाक्ष किया था अगर हाफ स्टेट में सरकार चलाने में दिक्कत आए तो उमर अब्दुल्ला मुझसे सलाह ले सकते हैं. क्योंकि अरविंद केजरीवाल पिछले दस सालों से केंद्र शासित प्रदेश दिल्ली के मुख्यमंत्री हैं, सीएम केजरीवाल के कटाक्ष के मायने इसलिए भी हैं क्योंकि कोर्ट से कुछ शक्तियां मुख्यमंत्री को मिली थीं, लेकिन मोदी सरकार उसके विरुद्ध अध्यादेश ले आई थी. ऐसे ही 2019 के बाद जम्मू-कश्मीर की संवैधानिक संरचना भी पूरी तरह से बदल गई है और अब वहां सरकार से ज्यादा बड़ी भूमिका उपराज्यपाल की हो गई है. 2019 का कानून कहता है कि पुलिस और कानून व्यवस्था को छोड़कर जम्मू-कश्मीर विधानसभा बाकी सभी मामलों पर कानून बना सकती है. लेकिन एक पेच भी है. अगर राज्य सरकार राज्य सूची में शामिल किसी विषय पर कानून बनाती है तो उसे इस बात का ध्यान रखना होगा कि इससे केंद्रीय कानून पर कोई असर न पड़े. इसके अलावा, इस कानून में ये भी प्रावधान किया गया है कि कोई भी बिल या संशोधन विधानसभा में तब तक पेश नहीं किया जाएगा, जब तक उपराज्यपाल ने उसे मंजूरी न दे दी हो. अब जम्मू-कश्मीर में उपराज्यपाल ही एक तरह से सबकुछ है. सरकार को भले ही पुलिस और कानून व्यवस्था को छोड़कर बाकी मामलों में कानून बनाने का अधिकार है, लेकिन उसके लिए उपराज्यपाल की मंजूरी जरूरी होगी. इतना ही नहीं, उपराज्यपाल का नौकरशाही और एंटी-करप्शन ब्यूरो पर भी नियंत्रण होगा. इसका मतलब हुआ कि उपराज्यपाल सरकारी अफसरों का ट्रांसफर और पोस्टिंग उपराज्यपाल की मंजूरी से होगा. इसके अलावा, उपराज्यपाल के किसी भी काम की वैधता पर इस आधार पर सवाल नहीं उठाया जा सकता कि उन्हें ऐसा करते वक्त अपने विवेक का इस्तेमाल करना चाहिए था या उन्होंने विवेक का इस्तेमाल नहीं किया था. उनके किसी फैसले को अदालत में इस आधार पर चुनौती नहीं दी जा सकती कि उन्होंने फैसला लेते वक्त मंत्री परिषद की सलाह ली थी या नहीं ली थी. अतः बदल चुके जम्मू - कश्मीर के मुख्यमंत्री की राहें आसान नहीं रहने वाली..

कांग्रेस की राजनीतिक चाल ने कश्मीर की नई सरकार के लिए चिंता की लकीरें खींच दी हैं. कांग्रेस ने उमर अब्दुल्ला सरकार को समर्थन तो दिया है लेकिन समर्थन बाहर से दिया है, बाहर से समर्थन देने का मतलब है कि कांग्रेस मंत्रिमण्डल में शामिल नहीं होगी. उमर अब्दुल्ला सरकार के शपथग्रहण में कांग्रेस के अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे सहित दिग्गज नेता राहुल गांधी - प्रियंका गांधी भी शामिल हुए हैं, लेकिन पार्टी ने अपने कोटे से सरकार में किसी को भी मंत्री नहीं बनवाया है. कांग्रेस से जुड़े सूत्रों के मुताबिक इसकी कई वजहें हो सकती हैं. जम्मू कश्मीर में इंडिया गठबंधन की सरकार बनने के बावजूद कांग्रेस उमर अब्दुल्ला की सरकार में शामिल नहीं हुई है. कांग्रेस की तरफ से अब्दुल्ला कैबिनेट में कोई भी मंत्री नहीं बना है. वो भी तब, जब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, राहुल गांधी और प्रियंका गांधी खुद श्रीनगर जाकर सरकार के शपथग्रहण में शामिल हुए हैं.कांग्रेस के इस फैसले की अब चर्चा हो रही है कि आखिर पार्टी ने उमर कैबिनेट में अपने कोटे से मंत्री क्यों नहीं दिए? कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक इसकी 4 बड़ी वजहें हैं- जम्मू कश्मीर के चुनावी इतिहास में पहली बार कांग्रेस का प्रदर्शन काफी खराब है. पार्टी 6 सीटों पर सिमट गई है. ऐसे में कहा जा रहा है कि कांग्रेस हाईकमान ने पार्टी के किसी विधायक को कैबिनेट में न शामिल कर स्थानीय नेताओं को जमीन पर मेहनत करने का संदेश दिया है. जम्मू कश्मीर में कांग्रेस कोटे से एक भी हिंदू विधायक नहीं जीता है. ऐसे में पार्टी के सियासी समीकरण सध नहीं रहे थे. कश्मीर का मुस्लिम वोटबैंक पीडीपी और नेशनल कॉन्फ्रेंस के पक्ष में रहा है. उमर अब्दुल्लाह और उनकी पार्टी 370 को वापस लाने के पक्ष में है. कांग्रेस

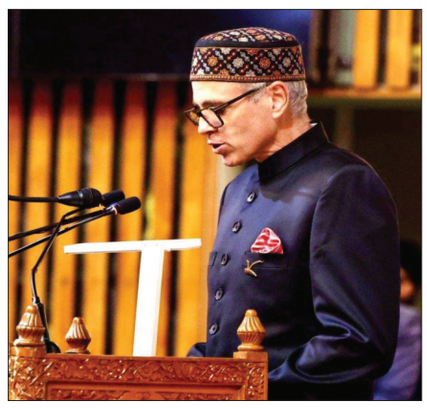

स्टेटहूड की सिर्फ मांग कर रही है. सरकार में पार्टी अगर शामिल होती तो अन्य राज्यों में उसके लिए सियासी बैकफायर कर जाता, इसलिए भी पार्टी ने सरकार में शामिल न होने का फैसला किया है नेशनल कॉन्फ्रेंस कांग्रेस के 1-2 मंत्री पद देना चाह रही थी. कांग्रेस के दिल्ली में बैठे नेता सांकेतिक भागीदारी नहीं चाहते थे. 6 विधायक जीते, इनमें 3 दिग्गज कांग्रेस की तरफ से इस बार जम्मू कश्मीर में 6 विधायकों ने जीत हासिल की है. इनमें पीरजादा मोहम्मद सईद, तारिक हामिद कर्रा, गुलाम अहमद मीर जैसे दिग्गज का नाम शामिल हैं. कर्रा घाटी में कांग्रेस के अध्यक्ष हैं. कांग्रेस ने गुलाम अहमद मीर को कांग्रेस विधायक दल का नेता चुना है.कांग्रेस ने घाटी में 37 उम्मीदवार उतारे थे, लेकिन जम्मू और चिनाब रीजन में पार्टी पूरी तरह साफ हो गई. अतः काँग्रेस रणनीति है कि इतना औसत प्रदर्शन के बावजूद नेताओं को मंत्री पद मिलना मतलब जमीन से दूर कर सकता है, इंडिया गठबंधन का धर्म निभाने के नाम पर कांग्रेस उमर अब्दुल्ला को समर्थन तो दे रही है, लेकिन सरकार में शामिल नहीं होना चाहती यह हैरान करने वाला है... बदल चुके जम्मू - कश्मीर के नए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की राहें आसान नहीं रहने वाली हैं.

-दिलीप कुमार पाठक

बेकाबू महंगाई का सितम झेलती जनता

भारत सहित हिमाचल में इन दिनों हरी सब्जियों के दाम आसमान छू रहे हैं और महंगी सब्जियां आम लोगों की पहुंच से पार हो चुकी हैं। टमाटर के दाम ने तो सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। हिमाचल में जहां टमाटर 140 रुपए प्रति किलो तक बिक रहा है, वहीं हरा मटर 200 रुपए की दर से बिक रहा है। दूसरी सब्जियां भी 80-90 पार ही बिक रही हैं और सब्जी विक्रेताओं, आढ़तियों को कोई पूछने वाला नहीं है। आलू, प्याज, शिमला मिर्च सोने के भाव बिक रहे हैं। एक तरफ शादियों का सीजन चल रहा है, तो दूसरी तरफ त्योहारों के चलते लोगों की जेबें खूब ढीली हो रही हैं। सरकार द्वारा खाद्य पदार्थों के दामों और एमआरपी पर कोई ठोस नियंत्रण न होने के कारण एक तरफ देश में गरीबों की हालत दयनीय होती जा रही है तो वहीं अमीरों की संख्या लगातार बढ़ रही है। भारत में हाल के वर्षों में खाद्यान्नों के दाम बहुत ज्यादा बढ़ चुके हैं।

ऊपर से, देश में रोजगार की स्थिति बेहद खराब है और लोगों की कमाई भी नहीं बढ़ रही है। इसलिए आम आदमी को पूरा आर्थिक परिदृश्य ही नकारात्मक नजर आ रहा है। हिमाचल प्रदेश के बाजारों में महंगाई बेलगाम होती जा रही है। ऐसे लगता है जैसे फल एवं सब्जियों के विक्रेताओं में नियम-कायदे और कानून का कोई खौफ नहीं है और वे मनमाने दामों पर सब्जियां और फल बेचकर मोटा मुनाफा कमाने में जुटे हुए हैं। ऊपर से तुर्रा यह है कि प्रशासनिक कार्रवाई, जुमार्ने तथा दंड अथवा लाइसेंस कैंसिल होने का कोई डर न रहने के चलते शायद ही कोई सब्जी, फल विक्रेता अपनी दुकान में इनके दामों को प्रदर्शित करने वाला बोर्ड लगाने की जहमत उठाता होगा। त्योहारी सीजन के बीच में राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक खुदरा मुद्रास्फीति सितंबर में बढकर 5.49 प्रतिशत हो गई, जो पिछले महीने 3.65 प्रतिशत थी। वहीं सितंबर में थोक महंगाई बढकर 1.84 फीसदी पर पहुंच गई है। महंगाई बढ? के पीछे खाद्य एवं सब्जियों की कीमतों में वृद्धि मुख्य वजह रही। रिटेल बाजार में खाद्य पदार्थों और सब्जियों के दाम चाहे कितने भी क्यों न बढ़ जाएं, लेकिन किसान वर्ग को इसका फायदा कभी भी नहीं मिलता है। इसके विपरीत जमाखोरों, स्टोरियों द्वारा जमकर खाद्य वस्तुओं की जमाखोरी की जाती है और बाजार में वस्तुओं का कृत्रिम अभाव पैदा कर महंगाई को बढ़ाकर चोखा मुनाफा कमाया जाता है। लिहाजा आप समझ सकते हैं कि बढ़ती महंगाई की सबसे ज्यादा मार गरीब एवं मध्यम वर्ग को झेलनी पड़ती है। आज संपन्न नागरिकों को भी चाहिए कि वे वस्तुओं के संग्रह की प्रवृत्ति से बचें और महंगाई को दूर करने में सरकार का सहयोग करें। पहले से ही कम वस्तुओं को बेकार और बर्बाद न करें, विशेषकर शादियों, घरेलू कार्यक्रमों और धार्मिक उत्सवों में अन्न और सब्जियों की बबार्दी न करें।

अधिकारियों से उम्मीद है कि वे खाद्य वस्तुओं, विशेषकर फल, सब्जियों की उपलब्धता पर नजर रखने के साथ-साथ उनके दामों को नियंत्रण में रखते हुए सब्जी विक्रेताओं को प्रतिदिन के भावों को लिखकर बोर्ड पर प्रदर्शित करने के लिए कहेंगे, ताकि गरीब एवं सामान्य जनता को उनके हाथों से लुटने से बचाया जा सके। इस बात से भी सभी भली-भांति परिचित ही हैं कि आम आदमी तक खाद्य सामग्री पहुंचने से पहले दलालों, बिचौलियों और आढ़तियों की जेबें गर्म हो चुकी होती हैं जबकि किसानों को कभी भी उनके उत्पादों के सही दाम नहीं मिलते हैं। ऐसा प्रतीत हो रहा है कि प्रशासन को यह पता ही नहीं है कि बाजारों में सब्जियों के दामों और अन्य खाद्य वस्तुओं का क्या हाल है। आज अधिकारी वर्ग अपनी कुर्सियों तक सीमित होकर रह गए हैं। आज से 30-35 वर्ष पूर्व जब कभी भी महंगाई का जिन्न अपना सिर उठाता था तो विपक्षी दलों द्वारा जरूर धरना-प्रदर्शन और विरोध प्रदर्शन की खबरें देखने-सुनने को मिलती थीं। लेकिन अब जैसे राजनीतिक दलों को आम जनता को होने वाली परेशानियों से कोई लेना-देना ही नहीं है। मूल्य सूची तो शायद ही कोई दुकानदार लगाता होगा, बिल देना तो दूर की कौड़ी समझिए। बाजारवाद की लूट में अधिकांश व्यापारियों की मौज लगी हुई है और वस्तुओं के मूल्यों पर सरकारी नियंत्रण कहीं नहीं दिखाई पड़ रहा है। आम ग्राहक सरेआम लुट रहा है। क्या आयकर विभाग ऐसे विक्रेताओं की कमाई तथा टैक्स देयता की भी जांच पड़ताल करेगा? प्रश्न यह भी उठता है कि जब देश में जीवनोपयोगी वस्तुओं की बहुलता है तो फिर मूल्यवृद्धि क्यों और किसान गरीब क्यों? यह सही है कि जनसंख्या में वृद्धि हो रही है, लेकिन वैश्विक सहयोग और कई अन्य उपायों से वस्तुओं की उपलब्धता में भी उसी अनुपात में बढ़ोतरी हो रही है, तो भी चीजें इतनी महंगी क्यों बिक रही हैं और महंगाई का बोलबाला क्यों है?

अच्छे मानसून और बेहतर पैदावार के बावजूद खाद्य

वस्तुओं का कृत्रिम अभाव कौन पैदा कर रहा है, क्यों सरकारें इन पर लगाम नहीं लगा पा रही हैं? लोकतंत्र में राजनीतिक दलों को भी तो अंततः जनता जनार्दन की कृपा से ही सरकारें बनाने का सुफल मिलता है, तो फिर क्यों वे आम जनता के हितों को नजरअंदाज करते हैं? सरकार को चाहिए कि वह आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 और कालाबाजारी निवारण एवं आवश्यक वस्तु आपूर्ति रखरखाव अधिनियम 1980 के प्रावधानों को सख्ती से लागू करे। अंततः सवाल उठता है कि क्या सरकार और अफसरशाही के पास इस लूटपाट को अंजाम देने वाले जमाखोरों, मुनाफाखोरों और कालाबाजारी करने वालों के खिलाफ किसी प्रकार की कोई कार्रवाई करने का जीवट है?

-अनुज आचार्य (स्वतंत्र लेखक)

विकास प्राधिकरणों के 50 वर्ष पूर्ण होने पर दो दिवसीय आयोजित ड्राइव इन सिनेमा फेस्टिवल का मंडलायुक्त सेल्वा कुमारी जे एवं डीएम ने फीता काटकर किया शुभारंभ

संस्कार उजाला

हापुड़/ उत्तर प्रदेश में प्राधिकरणों के 50 वर्ष पूर्ण होने पर एचपीडीए द्वारा दो दिवसीय ड्राइव इन सिनेमा फेस्टिवल कार्यक्रम का मंडल आयुक्त सेल्वा कुमारी जे एवं जिलाधिकारी प्रेरणा शर्मा ने विधि विधान के साथ फीता काटकर किया शुभारंभ। प्राधिकरणों के 50 वर्ष पूर्ण होने पर दो दिवसीय ड्राइव इन सिनेमा फेस्टिवल कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें जनपद के विकास संबंधित योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी। इस दो दिवसीय ड्राइव इन सिनेमा फेस्टेवल कार्यशाला में विशिष्ट उद्योग द्वारा उत्पादकों के स्टॉल लगाए गए हैं। कार्यशाला में लगाई गई विभिन्न उद्योगों की स्टालों का अतिथियों द्वारा भ्रमण कर धरातलीय जानकारी हासिल की गई। बता दें कि 17 अक्टूबर को आनंद विहार आवासीय कॉलोनी एच ब्लॉक में उत्तर प्रदेश नगर नियोजन एवं विकास अधिनियम 1973 के अंतर्गत विकास प्राधिकरण के 50 साल पूरे होने पर प्रदेश में पहली बार विकास प्राधिकरण द्वारा ड्राइव इन सिनेमा फेस्टिवल कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस फेस्ट का उद्घाटन मा0 अध्यक्ष श्रीमती रेखा नागर विधायक हापुड विजयपाल आढती ,धर्मेश सिंह तोमर, मंडल आयुक्त महोदया मेरठ श्रीमती सेल्वा कुमारी जे, जिलाधिकारी श्रीमती

प्रेरणा शर्मा, पुलिस अधीक्षक कुंवर ज्ञानंजय सिंह ,एच पी डी ए वीसी नितिन गौड ,मुख्य विकास अधिकारी हिमांशु गौतम, के कर कमलों द्वारा दीप प्रज्वलित एवं फीता काटकर किया गया। इसके उपरांत स्कूली बच्चों द्वारा राष्ट्रीय गान एवं स्वागत गीत के द्वारा कार्यक्रम को प्रारंभ किया गया। यह कार्यशाला दिनांक 17 अक्टूबर एवं 18 अक्टूबर 2024 दो दिवसीय हेतु आयोजित की गई है। ड्राइव इन सिनेमा फेस्ट में लोग फिल्म शो का आनंद अपनी गाड़ियों में बैठकर ले सकेंगे। जिसमें लोगों को ओपन एरिया में थिएटर जैसा माहौल देने के लिए बड़ी स्क्रीन और हाईटेक साउंड भी लगाए गए हैं। दो दिवसीय ड्राइव इन फेस्ट कार्यशाला में विशिष्ट उद्यमियों द्वारा अपने उत्पादकों के स्टाल के माध्यम से आम जनमानस को जिले के चहमुखी विकास और आगामी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। कार्यशाला में लगाई गई सभी स्टालों का अतिथियों द्वारा भ्रमण कर जानकारी प्राप्त की गई। माननीय विधायक हापुड़ विजयपाल आढती ने जानकारी दी की हापुड़ पिलखुवा विकास प्राधिकरण द्वारा जनपद में बहुत ही कम समय में विकास की नई उपलब्धियां हासिल की है। और आगे भी नई-नई योजनाएं आम जनमानस के लिए लाई जा रही है ।जिससे जनपद को विकास की ओर ले जाया जा सके। इसके उपरांत मंडल आयुक्त सेल्वा कुमारी जे ने जानकारी देते हुए बताया कि प्राधिकरण को जो भी शासन से बजट उपलब्ध कराया जा रहा है। उसको जनपद के विकास में खर्च किया जाए तथा जनपद को विकास की गति पर ले जाने के लिए नई-नई योजनाएं संचालित करें। कार्यक्रम के दौरान जिलाधिकारी हापुड़ प्रेरणा शर्मा ने बताया कि हापुड़ पिलखुवा विकास प्राधिकरण द्वारा जनपद में आम जनमानस एवं उद्योग को दृष्टिगत रखते हुए जो भी योजनाएं संचालित की गई है। उसमें जनपद के विकास को ध्यान में रखा गया है। उन्होंने बताया कि प्राधिकरण द्वारा जो भी आवासीय कालोनी विकसित की गई है ।उसमें प्लांटेशन का कार्य बहुत ही सुंदर किया गया है कॉलोनी के अंतर्गत चौड़ी सड़के, लाइट, अस्पताल,शिक्षा एवं आम जनमानस के लिए बहू आयामी सुविधाओं को दृष्टिगत रखते हुए कॉलोनी का विकास किया गया है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में पहली बार ड्राइव इन सिनेमा फेस्टिवल कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है ।जो की जनपद को विकास की नई गति प्रदान करने में बहुत ही महत्वपूर्ण साबित होगा। यह कार्यशाला दो दिवस के लिए आयोजित की गई है ।जिसमें विभिन्न उद्योगों के स्टोलों के माध्यम से आम जनमानस को जानकारी दी जाएगी की हापुड़ पिलखुवा विकास प्राधिकरण द्वारा कौन-कौन सी योजनाएं संचालित की जा रही है ।जिससे वह लाभान्वित हो सके। ड्राइव इन सिनेमा फर्स्ट के अंतर्गत एक उच्च गुणवत्ता ध्वनी के साथ बेहतरीन सिनेमा का अनुभव भी आपको इस कार्यशाला के अंतर्गत होगा। यह कार्यशाला सुबह 11:00 बजे से रात्रि 9:00 बजे तक आयोजित रहेगी। कार्यक्रम के दौरान माननीय नगर पालिका परिषद गढ़मुक्तेश्वर चेयरमैन राकेश बजरंगी,एचपीडीए के उपाध्यक्ष,अपर जिलाधिकारी वि/रा संदीप कुमार, जिला पंचायत प्राधिकरण बोर्ड मेंबर अशोक पाल महेश अग्रवाल एवं मुनेश त्यागी प्राधिकरण अधिकारियों व कर्मचारी,पुलिस क्षेत्राधिकारी सहित संबंधित अधिकारी /कर्मचारी,उद्यमी सहित आम जनमानस उपस्थित रहे।

डीएम के आदेश पर प्रत्येक बृहस्पतिवार को ग्राम पंचायतों में चौपाल का आयोजन कर जनता की शिकायतों को सुनकर किया गया समाधान

संस्कार उजाला

शाहजहांपुर जिलाधिकारी धर्मेंद्र प्रताप सिंह द्वारा प्रत्येक बृहस्पतिवार को ग्राम पंचायतों में जन-चौपाल का आयोजन किये जाने के निदेर्शों के क्रम में जनपद की 64 गावों में नोडल अधिकारियों द्वारा जन-चौपाल का आयोजन कर लोगों की समस्याओं को सुना गया। साथ ही ग्राम पंचायतो में किये गये विकास कार्यो का स्थलीय सत्यापन भी अधिकारियों द्वारा किया गया। ग्रामों चौपाल का उद्देश्य है कि ग्रामीण क्षेत्रों मे पहुंच कर जनता कि शिकायतों एवं समस्याओं का गुणवतापरक समाधान किया जा सके। जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास, कानून एवं शांति व्यवस्था एवं जनकल्याण के दृष्टिगत विभिन्न कार्यक्रम एवं योजनाओं का संचालन किया जा रहा है। सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं से जन-जन को जागरूक करने तथा पात्र व्यक्तियों तक उनका लाभ पहुंचाने हेतु ग्राम पंचायतों में जन चौपाल का आयोजन बृहस्पतिवार सांयकाल 04.00 बजे से 6:00 बजे किया गया। ग्राम चौपाल में राजस्व कार्यों, ग्राम में संचालित विकास कार्यों, जनकल्याणकारी योजनाओं, कानून एवं

शांति-व्यवस्था के संबध में ग्रामवासियों से जानकारी ली गई। ग्राम चौपाल में लोगों से शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, राशन, शुद्ध पेयजल, शौचालय, विद्युत व्यवस्था, सुरक्षा, मिशन शक्ति, नारी सशक्तिकरण, रोजगार, कौशल विकास, साफ-सफाई, जल निकासी, नाली, सड़क, खड़ण्जा, सी०सी०रोड एवं अन्य निर्माण कार्य इत्यादि के संबंध में जानकारी ली गई। जन-कल्याणकारी योजनाओं पेंशन, राशन, आवास, शौचालय एवं अन्य कल्याणकारी योजनाओं आदि का घर-घर जाकर सत्यापन किया गया। ग्राम चौपाल में प्राप्त प्रकरणों को प्राथमिकता के आधार पर गुणवत्तापूर्वक निराकरण सुनिश्चित कराया जाएगा।

संक्षिप्त डायरी

अनियंत्रित डंपर ने 62 सी रेलवे फाटक की बूम को किया क्षतिग्रस्त विद्युत लाइन भी हुई प्रभावित

संस्कार उजाला

रिपोर्टर भूपेंद्र वर्मा

हापुड़/बाबूगढ़ थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले कुचेसर रोड के रेलवे फाटक 62 सी की बूम को नेशनल हाईवे निमार्णाधीन कार्य को लेकर मिट्टी डालने वाले अनियंत्रित तेज रफ्तार डंपर ने किया क्षतिग्रस्त। बूम के क्षतिग्रस्त होने के चलते एच टीओ विद्युत लाइन के क्षतिग्रस्त होने से कई ट्रेन हुई प्रभावित ।एचटीओ लाइन को सही करने के लिए कर्मचारी जुटे हुए हैं। वहीं घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंचे रेलवे अधिकारीयों ने डंपर को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरू कर दी है।

गढ़मुक्तेश्वर पुलिस ने गंगा स्नान करने आए परिवार से बिछड़े 3 वर्षीय मासूम को ढूंढ कर चंद घंटे में पीड़ित परिवार से मिलाया

संस्कार उजाला

जिला प्रभारी अमित शर्मा

गढ़मुक्तेश्वर/जनपद की तीर्थ नगरी ब्रजघाट में मोक्षदायिनी पतित पावनी गंगा मैया में आस्था की डुबकी लगाने को लेकर दिल्ली से आए दंपति परिवार का 3 वर्षीय मासूम बच्चा आदित्य भीड़ के चलते परिवार से बिछड़ गया था। जिसको लेकर रोते बिलखते पीड़ित दंपति ने बृजघाट पुलिस चौकी पर सूचना दी। सूचना मिलते ही ब्रजघाट चौकी प्रभारी ने अपनी पुलिस टीम के साथ चंद घंटे में परिवार से बिछड़े मासूम आदित्य को पीड़ित दंपति परिवार से मिलाया। पीड़ित दंपति की बिछड़े बेटे को देखते ही आंखें भर आई और ब्रजघाट पुलिस के द्वारा किए गए। इस सराहनीय कार्य का आभार व्यक्त करते हुए पीड़ित दंपति ने गढ़मुक्तेश्वर पुलिस की सराहना की।

समाजसेवी डॉ राजेंद्र सिंह औलख ने उत्तर प्रदेश गन्ना संघ निदेशक पद के लिए किया नामांकन

संस्कार उजाला

गढ़मुक्तेश्वर/क्षेत्र के जनप्रिय समाजसेवी एवं जिला वॉलीबॉल संघ के अध्यक्ष डॉ राजेंद्र सिंह औलख के द्वारा क्षेत्र के गणमान्य लोगों के सानिध्य सहयोग के चलते उत्तर प्रदेश गन्ना संघ निदेशक पद के लिए गन्ना सहकारी समिति में निर्वाचन अधिकारी के समक्ष अपना नामांकन-पत्र दाखिल कर माता जी के चरण छूकर आशीर्वाद लिया। और अग्रिम चुनावी प्रक्रिया शुरू करते हुए सभी कृषक भाइयों से सफल बनाने की अपील की।

मनरेगा ठेकेदार के साथ मारपीट करने वाले दबंग प्रधान और उसके दो भाइयों के विरुद्ध हुआ मुकदमा दर्ज पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी

संस्कार उजाला

गढ़मुक्तेश्वर/सिंभावली ब्लॉक के अंतर्गत आने वाले ग्राम मुरादपुर के दबंग प्रधान फराहीम और उसके भाइयों के द्वारा मनरेगा ठेकेदार के साथ कमीशन को लेकर की गई। मारपीट को लेकर सोशल मीडिया पर हुई वीडियो वायरल पर तत्काल प्रभाव से संज्ञान लेते हुए सिंभावली पुलिस ने मुकदमा पंजीकृत कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। बता दें कि सिंभावली ब्लॉक के ग्राम मुरादपुर के प्रधान फराहीम, इरफान मारूफ पुत्र उस्मान के द्वारा मनरेगा ठेकेदार इतकाद पुत्र शमशाद निवासी फुलडी थाना गढ़मुक्तेश्वर के साथ 2 दिन पूर्व सिंभावली ब्लॉक परिसर में तीनों भाइयों ने मिलकर उसके समय अपने कमीशन को लेकर मारपीट कर दी थी ।जब वह ग्राम सचिव से अपने पैसों के लिए तगादा करने आया था। जिसमें पीड़ित मनरेगा ठेकेदार के द्वारा थाने में तहरीर देकर कानूनी कार्रवाई की मांग की गई थी। साथ ही इस मामले की वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होते ही पुलिस ने तत्काल प्रभाव से संज्ञान लेते हुए ग्राम प्रधान फराहीम और उसके दो भाइयों के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

बाल श्रम किसी भी हाल में नहीं किया जाएगा बर्दाश्त/श्रम प्रवर्तन अधिकारी उषा वर्मा

संस्कार उजाला

हापुड़। उत्तर प्रदेश सरकार के द्वारा बाल श्रम पर रोक लगाने को लेकर चलाए जा रहे ।अभियान के तहत बाल श्रम प्रवर्तन अधिकारी के नेतृत्व में बाल श्रम एवं एएचटी यू की संयुक्त टीम के द्वारा बाल श्रम को लेकर स्वर्ग आश्रम रोड देवलोक कॉलोनी राज नगर कॉलोनी हापुड़ में एएचटीयू टीम के एस आई विजय पाल सोनकर के द्वारा अपनी पुलिस टीम के साथ प्रतिष्ठानों पर रेस्क्यू करते हुए दो बाल श्रमिकों को मुक्त कराया। और उनके परिजनों को चेतावनी देते हुए बाल श्रम कराने वालों के विरुद्ध जमाने के साथ विधिक वैधानिक कार्यवाही की गई। वही इस मामले को लेकर बाल श्रम प्रवर्तन अधिकारी उषा वर्मा का कहना है कि जिले में बाल श्रम किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बाल श्रम कराने वालों के विरुद्ध जुमार्ना लगाते हुए विधिक वैधानिक कार्यवाही की जाएगी।

बहादुरगढ़ पुलिस ने पांच जुआरी/सटोरियों को एक ताश की गड्डी नगदी सहित किया गिरफ्तार

संस्कार उजाला

गढ़मुक्तेश्वर/ एसपी कुंवर ज्ञानेंजय सिंह के कुशल निर्देश पर हापुड़ पुलिस के द्वारा जुआरियों/सटोरियों एवं नशीले मादक पदार्थों की तस्करी में लिप्त लोगों के विरुद्ध घर पकड़ को लेकर चलाए जा रहे। अभियान के तहत बहादुरगढ़ पुलिस ने जुआ सट्टा खेलते हुए पांच लोगों को मौके से गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 2080 रुपए की नगदी एवं 52 पत्ते ताश की गड्डी बरामद कर विधिक वैधानिक कार्यवाही करते हुए माननीय न्यायालय में किया पेश। वही इस मामले को लेकर थाना प्रभारी अरविंद चौधरी का कहना है कि क्षेत्र में नशीले मादक पदार्थों की तस्करी जुआ सट्टा किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। ऐसे लोगों के विरुद्ध विधिक वैधानिक कार्रवाई कर जेल भेजा जाएगा।

धूमधाम से मनाई गई महर्षि वाल्मीकी की जयंती

संस्कार उजाला

हापुड़। शासनादेश के क्रम में जिलाधिकारी महोदया श्रीमती प्रेरणा शर्मा के निर्देशन एवं समाजसेवियों, राजनैतिक पार्टियों, संस्थाओं एवं वाल्मीकी समाज के गणमान्य लोगों द्वारा महर्षि वाल्मीकि जयंती धूमधाम से मनाई गयी। इस अवसर पर जनपद की तीनों तहसीलों में स्कूलों, मंदिरों, पार्कों पर महर्षि वाल्मीकी की जयंती पर कार्यक्रम आयोजित करते हुए उनकी मूर्तियों पर पुष्प माला पहनाकर और चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित की गयी एवं अनेक स्थानों पर भण्डारें एवं अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रमों के दौरान गणमान्य अतिथियों, शिक्षकों के द्वारा महर्षि वाल्मीकी जी के बारे में विशेष एवं ज्ञानपूर्ण जानकारी प्रदान की गयी। महर्षि वाल्मीकी जी की जयंती सभी समाज के लोगों द्वारा सद्भाव, प्रेम, सौहार्द एवं भाईचारे के साथ मनाई गयी।

गढ़मुक्तेश्वर पुलिस ने पोक्सो एक्ट में वांछित अभियुक्त को किया गिरफ्तार

संस्कार उजाला

गढ़मुक्तेश्वर/एसपी कुंवर ज्ञानेंजय सिंह के कुशल आदेश अनुपालन हापुड़ पुलिस के द्वारा अपराधिक घटनाओं में वांछित/न्यायालय से गैर हाजिर चल रहे अपराधियों की धर पकड़ को लेकर चलाए जा रहे। अभियान के तहत गढ़मुक्तेश्वर पुलिस ने मु०अ०स०549/24/ 123,74,351(3)65 (1)/353,351(2)बी एन एस,5छ/6 पोक्सो एक्ट में वांछित चल रहे। अपराधी चंकी पुत्र जितेंद्र निवासी झडीना कोतवाली गढ़मुक्तेश्वर को दौताई नहर पुल के पास से गिरफ्तार पर विधिक वैधानिक कार्यवाही करते हुए भेजा जेल। वही इस मामले को लेकर थाना प्रभारी निरीक्षक नीरज कुमार का कहना है कि आपराधिक मामलों में वांछित एवं न्यायालय से गैर हाजिर चल रहे। किसी भी अपराधी को नहीं बख्शा जाएगा गिरफ्तार कर विधिक वैधानिक कार्यवाही कर जेल भेजा जाएगा।

देव मैमोरियल पब्लिक स्कूल में भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा 2024 का हुआ आयोजन

संस्कार उजाला

रिपोर्टर भूपेंद्र वर्मा

गढ़मुक्तेश्वर/जनपद की तहसील गढ़ मुक्तेश्वर क्षेत्र के शाहपुर रोड पर स्थित देव मैमोरियल पब्लिक स्कूल में 17 अक्टूबर को अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार द्वारा भारतीय संस्कृति ज्ञान परीक्षा-2024 का आयोजन हुआ। बता दे कि देव मेमोरियल पब्लिक स्कूल में मूलतः इस परीक्षा का उद्देश्य स्कूली बच्चों को भारतीय संस्कृति के तथ्यों से अवगत कराना और उसमें मौजूद महान तत्वों को आत्मसात कराना है। इस परीक्षा के द्वारा छात्रों को भारतीय मूल्यों, के रीति-रिवाजों,और नैतिक शिक्षाओं के बारे में जानकारी मिलती है। आयोजित परीक्षा में कक्षा 6से लेकर कक्षा 12 तक के 322 विद्यार्थीयों ने भाग लिया। प्रत्येक वर्ग में प्रथम तीन स्थानों पर रहने वाले प्रतिभागियों को तहसील, जिला एवं प्रदेश स्तर पर मोमेंटो, साहित्य, नगद राशि तथा प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर विद्यालय प्रधानाचार्य श्रीमती मंजु चौधरी ने कहा कि नई पीढ़ी पुरानी परंपरा एवं विचारों से जुड़ी रहे। इस उद्देश्य को ध्यान में रखकर विद्यालय विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन छात्रों को सामान्य जीवन में तैयार करने के लिए कराता है। विद्यालय प्रबंधक राजेंद्र चौधरी ने कहा कि आज वैश्विक संस्था के रूप में गायत्री परिवार भारतीय ज्ञान तथा संस्कृति का प्रचार विश्वव्यापी रूप से कर रहा है ऐसे में भारत की युवा पीढ़ी भी अपने संस्कारों से जुड़े तथा अपने गौरवमयी इतिहास के बारे में जाने इसके लिए विद्यालय सदैव तत्परता के साथ सहयोग में खड़ा हुआ है ।जिससे राष्ट्र का वैभव बड़ा हो तथा भारत विश्व गुरु की ओर पुनः अग्रसर हो जाए। उन्होंनेस्कूल प्रबन्ध राजेंद्र सिंह, प्रिंसिपल मंजु चौधरी ने सभी आयोजकों को आयोजन के लिए शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर उप प्रधानाचार्य युधिष्ठिर यादव,स्कूल कोऑर्डिनेटर योगेंद्र सिंह ,अशोक चौधरी,ब्रज सिंह,अब्दुल रउफ, अरुण कुमार त्यागी, इमरान, ओंबीर सिंह, आदि उपस्थित रहे।

सपाईयों के द्वारा महर्षि बाल्मिकी जयंती पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर दी गई भावभीनी श्रद्धांजलि

महर्षि वाल्मीकि जी का जीवन प्रेरणा दायक /पुरुषोत्तम वर्मा

संस्कार उजाला

हापुड़/ जिला कार्यालय समाजवादी पार्टी हापुड पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मजदूर सभा के नेतृत्व में महर्षि बाल्मिकी जयंती के अवसर पर उनके छाया चित्र पर माल्यार्पण कर नमन करते हुए भावभीनी श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर पुरुषोत्तम वर्मा एडवोकेट राष्ट्रीय उपाध्यक्ष समाजवादी मजदूर सभा ने कहा कि महर्षि बाल्मिकी का जीवन हमे सदकर्म करने की प्रेरणा देता है! ऐसा वर्णन मिलता है कि रत्नाकर नामक व्यक्ति लोगो को लूट कर अपने परिवार का पालन पोषण करता था।आने जाने वाले राहगीर को तंग करता था ।जिसकी भनक नारद मुनि जी को लगी तो साधू के भेष में डाकू रत्नाकर के सामने चले गए ।तथा उन्हें सद्कर्म पर चलने का रास्ता दिखाया। तथा अच्छे बुरे का जान दिया तथा कहा कि आप लूट पाट करके अपने परिवार का पालन पोषण करते हो क्या वो लोग आपके पाप के भागीदार हैं ! रत्नाकर ने तब बात अपने घर वालों से जाकर पूछी तो सबने पॉपकॉम के भागीदार बनने से मन कर दिया ! तब रत्नाकर का हृदय परिवर्तन हो गया। और उन्होंने साधु के रूप में नारद मुनि जी से माफी मांग कर अपने बुरे कर्म से मुक्ति का मार्ग पूछा तो उन्होंने राम नाम जपने का मंत्र दिया तब रत्नाकर ने कहा कि मैं तो अनपढ़ हूं ! तब उन्होंने मरा मरा का जाप करने के लिए बोला रत्नाकर ने मरा मरा का जाप किया। और इतने लीन हो गए कि उन्हें अपने शरीर का भी ध्यान नहीं रहा उन्हें इस रास्ते पर चलकर ज्ञान की प्राप्ति हुई। और वो आगे चलकर महर्षि बाल्मिकी कहलाए ! इसलिए हम सबको उनके इस प्रेरणा नायक जीवन से सीख लेनी चाहिए। इस अवसर पर अख्तर मलिक बक्सर वाले ,प्रीति रानी , यूसुफ राजा, इमामुद्दीन, नईम , उम्रदराज आदि मौजूद रहे।

ब्राह्मण समाज महासंघ (रजि),ने बहराइम हिन्दू हत्या पर जताया आक्रोश

संस्कार उजाला

हिन्दू धार्मिक आयोजनों में अकारण पत्थरबाजी, योजनाबद्ध तरीके से हमले, धार्मिक कार्यक्रमों में अवरोध उत्पन्न करना एवं हथियारों से लैस होकर जान लेना,हत्या करना यह कौन सा धर्म है। अभी हाल में ही 13 अक्टूबर को उत्तर प्रदेश के बहराइच जिले में दुर्गा मूर्ति विसर्जन के आयोजन में विशेष समुदाय द्वारा हमला कर एक 26 वर्षीय हिन्दू ब्राह्मण को घर के अन्दर वीभत्स तरीके से हत्या कर दी। जिसके कारण समस्त हिन्दुओं में भारी आक्रोश व्याप्त है। ब्राह्मण समाज महासंघ ने सामाजिक आक्रोश से अवगत कराते हुए सिटी मजिस्ट्रेट नोएडा के द्वारा ज्ञापन के माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ जी से पीड़ित को आर्थिक सहायता के साथ न्याय दिलाने की अपील की एवं इस प्रकार की सुनियोजित हमलों की गहराई से जाँच कराकर स्थाई समाधान सुनिश्चित करने का अनुरोध किया है। साथ ही माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी को ज्ञापन दिया कि देश में बेतहाशा बढ़ती आबादी, अनियंत्रित जनसंख्या, संसाधनो का दोहन,देश के विकास में बहुत बड़ी बाधा है ।यदि समय रहते इस पर रोक न लगाई गई तो परिणाम अच्छा नहीं होगा। इसलिए जनसंख्या नियंत्रण पर केंदीय कानून बनाने की अति आवश्यकता है। ब्राह्मण समाज महासंघ (रजि) के राष्ट्रीय अध्यक्ष गिरीश मिश्रा के साथ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष के. के. मिश्रा,राष्ट्रीय महासचिव लोकेश त्रिपाठी, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अरुण मिश्रा,सचिव राजेश शुक्ला,सचिव प्रभाकर खँ,रामनारायण पाण्डेय,विशिष्ट पाण्डेय आदि ।

आबकारी निरीक्षक के द्वारा गढ़ के खादर क्षेत्र में धधकने वाली कच्ची शराब की भट्ठियों पर की गई कार्यवाही से शराब माफियाओं में मचा हड़कंप

संस्कार उजाला

गढ़मुक्तेश्वर/जनपद की तीर्थ नगरी गढ़मुक्तेश्वर के खादर क्षेत्र के रेतीले मैदान में लगने वाले कार्तिक पूर्णिमा गंगा स्नान मेल को लेकर उत्तर प्रदेश आबकारी आयुक्त के आदेश अनुपालन में जिलाधिकारी प्रेरणा शर्मा के निर्देश पर जिला आबकारी अधिकारी प्रकाश सिंह के पर्यवेक्षण में गढ़मुक्तेश्वर आबकारी निरीक्षक प्रियंका गुप्ता के नेतृत्व में आबकारी विभाग की टीम के द्वारा गंगा के खादर क्षेत्र में धधकने वाली कच्ची शराब की भट्ठियों पर की गई। कार्यवाही से शराब तस्करों में हड़कंप मचा हुआ है। बता दें कि उत्तर प्रदेश आबकारी आयुक्त के आदेश अनुपालन में जिला अधिकारी प्रेरणा शर्मा के निर्देश पर जिला आबकारी अधिकारी प्रकाश सिंह के पर्यवेक्षण में अवैध शराब की बिक्री एवं कच्ची शराब पर प्रतिबंध लगाने को लेकर चलाए जा रहे। अभियान के तहत आबकारी निरीक्षक गढ़मुक्तेश्वर क्षेत्र -2 प्रियंका गुप्ता के द्वारा मुखबिर की सूचना पर अपनी आबकारी टीम के साथ गढ़मुक्तेश्वर कोतवाली क्षेत्र के गांव इनायतपुर भगवंतपुर चकलठीरा के जंगल में छापामार कार्रवाई की गई ।जिसके चलते शराब बनाने की दो भट्टीया एवं उपकरणों सहित 140 लीटर कच्ची शराब एवं 1500 लीटर लहन बरामद कर मौके पर नष्ट कराया गया। वही इस मामले को लेकर आबकारी निरीक्षक प्रियंका गुप्ता का कहना है कि क्षेत्र में अवैध कच्ची शराब बनाने वाले माफियाओं के विरुद्ध अभियान चलाया जा रहा है। और यह अभियान आगे भी जारी रहेगा। कच्ची अपमिश्रित शराब की बिक्री नहीं होने दी जाएगी। कच्ची अवैध शराब माफियाओं पर विधिक वैधानिक कार्रवाई कर जेल भेजा जाएगा।

संस्कार उजाला
सच की हुंकार

संस्कार उजाला समाचार एवं विज्ञापन संपर्क करें जिला प्रभारी अमित शर्मा 8445987618 ,भूपेंद्र वर्मा संवाददाता 9756144404

जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी बांदा ने दी आवश्यक जानकारी

संस्कार उजाला ब्यूरो बांदा

जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी बांदा अभिषेक चौधरी ने बताया है कि पिछड़ा वर्ग कल्याण की छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत जनपद की समस्त शिक्षण संस्थाओं के प्राचार्य / प्रधानाचार्य / छात्रवृत्ति नोडल अधिकारियों को सूचित किया जाता है कि पूर्वदशम छात्रवृत्ति एवं दशमोत्तर छात्रवृत्ति / शुल्क प्रतिपूर्ति योजनान्तर्गत ओ०बी०सी० के समस्त पात्र छात्र/छात्राओं को छात्रवृत्ति योजना के क्रियान्वयन के सम्बन्ध में महत्वपूर्ण जानकारी से अवगत करायें। 1- दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत छात्र/छात्राओं द्वारा आनलाइन आवेदन किये जाने की अंतिम तिथि 20 नवम्बर, 2024 निर्धारित है। 2- पूर्वदशम छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत छात्र/छात्राओं द्वारा आनलाइन आवेदन किये जाने की अंतिम तिथि 20 अक्टूबर, 2024 निर्धारित है। वित्तीय वर्ष 2024-25 में पूर्वदशम छात्रवृत्ति एवं दशमोत्तर छात्रवृत्ति / शुल्क प्रतिपूर्ति योजनान्तर्गत ओ०बी०सी० के समस्त पात्र छात्र / छात्राओं को छात्रवृत्ति / शुल्क प्रतिपूर्ति की धनराशि उपलब्ध बजट की सीमा तक आधार पेमेन्ट ब्रिज प्रणाली के माध्यम से छात्र के आधार सीडेड बचत बैंक खा

ते में सीधे आन्तरित की जायेगी। छात्र को बैंक शाखा के माध्यम से बैंक खाते में आधार नम्बर सीडिंग व एन०पी० सी०आई० से मैपिंग कराना अनिवार्य होगा (संबंधित शिक्षण संस्थाएं आधार नम्बर सीडिंग व एन०पी०सी०आई० से मैपिंग की सूचना की अपने विद्यालय के सूचना पट पर अवश्य चस्पा करें)। शिक्षण संस्थाओं के प्राचार्य / प्राधानार्चा अवगत कराये कि छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत छात्रों को आधार सीडिंग व एन०पी०सी०आई० मैपिंग की कार्यवाही समयान्तर्गत पूर्ण करा ली जाये, ताकि भविष्य में छात्रवृत्ति की धनराशि छात्रों के खातों में अंतरित कराये जाने की प्रकिया में फेल्ड ट्रांजेक्शन न हो। समस्त प्राचार्य / प्रधानाचार्य/ छात्रवृत्ति नोडल अधिकारियों को सूचित किया जाता है कि छात्रवृत्ति से सम्बन्धित कार्यवाही को अन्तिम तिथि की प्रतीक्षा किये बिना अग्रिम कार्यवाही कर ली जाये। सभी छात्र/छात्राओं को उपरोक्त सूचना से अवगत कराया जाये। ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने एवं ऑनलाइन अग्रसारित करने में आ रही समस्या से सम्बन्धित सोशल सेक्टर के अधिकारियों को पत्र के माध्यम से अवगत कराये ताकि समस्या का निराकरण कराया जा सकें। निर्धारित तिथि के पश्चात यदि छात्र-छात्राए ऑनलाइन आवेदन पत्र भरने से वंचित होते है तो इसकी सम्पूर्ण उत्तरदायित्व सम्बन्धित शिक्षण संस्थाओं के छात्रवृत्ति नोडल अधिकारियों का होगा।

विशाल मां दुर्गा जवाबी जागरण का किया गया आयोजन

विधायक शशांक त्रिवेदी ने दीप प्रज्वलित एवं पूजन अर्चन कर कार्यक्रम का कराया शुभारम्भ।

संस्कार उजाला

सीतापुर राकेश पाण्डेय।

जिले के विकास खण्ड पिसावां की ग्राम पंचायत नेरी में माँ दुर्गा जागरण समिति द्वारा जवाबी जागरण का आयोजन सिद्धेश्वर नाथ मंदिर पुरानी बाजार में किया गया। कार्यक्रम में चन्द्रभान निडर एंड पार्टी बहराइच व कमलेश्वरी कंचन एंड पार्टी छतरपुर मध्यप्रदेश ने अपना खूब जलवा बिखेरा। जवाबी कीर्तन में श्रोताओं का उत्साह पूरे चरम पर दिखा। देर रात तक भीड़ कार्यक्रम स्थल पर उमड़ी रही। कार्यक्रम का शुभारम्भ महोली विधायक शशांक त्रिवेदी द्वारा दीप प्रज्वलित व पूजन अर्चन कर कराया गया। जिसके बाद सरस्वती वंदना हुई। चन्द्रभाल निडर द्वारा सवाल किया गया, कि रंग महल के दस दरवाजे न जाने कौन से खिड़की खुली थी, सौम्य फंस गए, सिर को झुकाए तो अकेली खड़ी थी दूसरे कड़ी में जीवन साथी छूट गया, जिसके क्रम में कमलेश्वरी कंचन द्वारा जैसे ही सटीक जवाब देना शुरू किया गया,पूरा पंडाल तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। वहां दुख सती का देखा तो बोले लखन, है आया समय तो तुम्हें है बताना तेरे साजन से नाता है पुराना .जैसी पंक्ति ने श्रोताओं को झूमने पर विवश कर दिया। इस अवसर पर पूर्व जिला पंचायत सदस्य मनोज मिश्र ब्लॉक प्रमुख पिसावां मिथिलेश यादव,कुलदीप मिश्र,श्रीकांत मिश्र,राघवेंद्र गुप्त,संजय मिश्र,नूर हसन शाह,अरुण सिंह,अमित मिश्र, विजय मिश्र,टुनटुन गुप्त ,शशिकांत शुक्ला दिनेश राज,सर्वेश गुप्ता, अशोक गुप्ता अशोक मिश्रा तथा मीडिया कर्मियों में शिवचरण त्रिवेदी रविंद्र सक्सेना सर्वेश मिश्रा,अनूप कुमार मिश्रा,सिंकु शुक्ला के बी मिश्र,प्रेम शंकर तिवारी प्रभाकर शुक्ला धर्मेन्द्र पाण्डेय आदि पत्रकारों के अलावा क्षेत्रीय व ग्रामीण लोग मौजूद रहे । सुरक्षा व्यवस्था पुलिस टीम रही मौजूद सुरक्षा व्यवस्था में महोली पुलिस टीम मौजूद रही वहीं सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी करने के लिए कोतवाली प्रभारी विनोद मिश्र ने मौके पर पहुंचकर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया तथा वहां पर उपस्थित श्रद्धालुओं से पंडाल से बाहर निकलकर रोड की तरफ जाने के लिए मना किया। कार्यक्रम के दौरान शांति व्यवस्था बनी रही।

संक्षिप्त डायरी

गन्ने के खेत में मिले आंगनबाड़ी में वितरित होने वाले सोयाबीन तेल के खाली पैकेट।

संस्कार उजाला

शरद मिश्रा

लखीमपुर संवाददाता।

विकासखंड निघासन अंतर्गत ग्राम पंचायत दौलतपुर में बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग से आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों को बच्चों में वितरित किए जाने वाले पुष्टाहार के दर्जनों पैकेट गन्ने के खेत में मिलने से विभाग में हड़कंप मच गया। इस पूरे घटनाक्रम का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल है। ये पैकेट कहां से आए और किस आंगनबाड़ी ने ऐसा किया है जिसकी जांच की जा रही है। गुरुवार को दौलतपुर ग्राम प्रधान दीपक जायसवाल के गन्ने के खेत में आंगनबाड़ी में वितरित किए जाने वाले सोयाबीन तेल की दर्जनों झिल्ली मिलने से हड़कंप मच गया। प्रधान के भाई चीपू जायसवाल ने घटनाक्रम का वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। उधर ग्रामीणों का आरोप है कि दौलतापुर पंचायत में तैनात आंगनबाड़ी कार्यकत्री सुमन तिवारी, विद्यावती व जानकीदेवी बच्चों में वितरित किए जाने वाले पुष्टाहार को वितरित न करके उसे बेच देती है। जिसकी शिकायत भी कई बार संबंधित अधिकारियों से की गई मगर उन पर कोई भी कार्यवाही न होने के चलते हौसले बुलंद है।

इस मामले में सीडीपीओ पूजा त्रिपाठी ने बताया है कि हम मौके पर गए थे सोयाबीन तेल के खाली पैकेट गन्ने के खेत में मिले है। सारे पैकेटों को सील कर डीपीओ ऑफिस भेज दिया गया है। पैकेट पर छपे बारकोड और बैच से यह जानकारी प्राप्त हो जाएगी कि ये पैकेट कहां के और किस ब्लॉक के है। जांच रिपोर्ट आने के बाद दोषियों पर शख्त कार्यवाही की जाएगी।

गन्ना समिति हरगांव का शांतिपूर्ण तरीके से सम्पन्न हुआ निर्वामन।

निर्वाचन प्रक्रिया के तहत शांति मिश्रा पत्नी दिनेश मिश्रा निर्विरोध बनी अध्यक्ष तो नत्था राम बने उपाध्यक्ष।

संस्कार उजाला

सीतापुर राकेश पाण्डेय।

शासन की मंशा अनुसार सहकारी गन्ना विकास समिति लि०,हर गांव की प्रबंध कमेटी का चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया। इस चुनावी प्रक्रिया में ग्राम प्रतिनिधि डेलीगेट चुने जाने के पश्चात अवधेश सिंह पुत्र नरेन्द्र विक्रम सिंह को कचनार संचालक क्षेत्र सरला देवी पत्नी सुरेश चंद्र को कस्ता संचालक क्षेत्र समर बहादुर सिंह पुत्र नागेंद्र सिंह को गुरुधपा संचालक क्षेत्र प्रदीप कुमार सिंह पुत्र फौजदार सिंह को जलालीपुर संचालक क्षेत्र वितेन्द्र सिंह पुत्र बंशी लाल को ढकवा संचालक क्षेत्र मनीष कुमार पुत्र लाल बिहारी को नबीनगर संचालक क्षेत्र शैलेंद्र कुमार पुत्र बालक राम को भूलन पुर संचालक क्षेत्र नथाराम पुत्र छत्रपाल को महादेव अटरा संचालक क्षेत्र राम सेवक सिंह पुत्र परशुराम सिंह को रिखौना संचालक क्षेत्र संगीता देवी पत्नी गणेश दत्त को लालपुर संचालक क्षेत्र एवं शांति मिश्रा पत्नी दिनेश मिश्रा को सकरन संचालक क्षेत्र से निर्विरोध संचालक निर्वाचित किया गया। गुरुवार को प्रतिष्ठापूर्ण अध्यक्ष व उपाध्यक्ष पद के लिए नामांकन हुआ जिसमें अध्यक्ष पद पर सिर्फ शांति मिश्रा पत्नी दिनेश चंद्र मिश्र ने पर्चा भरा तथा उपाध्यक्ष पद पर नत्थाराम पुत्र छत्र पाल ने पर्चा भरा,अन्य किसी दावेदार ने पर्चा दाखिल नहीं किया जिससे दोनों प्रतिष्ठा पूर्ण पदों पर दोनों दावेदार निर्विरोध निर्वाचित हुए। ज्ञात हो संचालक पद के सहकारी गन्ना विकास समिति में ग्यारह पद हैं जो पहले ही निर्विरोध निर्वाचित हो चुके हैं तथा शासन द्वारा अशोक कुमार त्रिवेदी संचालक नामित किए गए। गुरुवार को सहकारी गन्ना विकास समिति का अध्यक्ष पद उपाध्यक्ष सहित पूरा चुनाव, निर्वाचन अधिकारी/उप जिलाधिकारी न्यायिक सिधौली शैलेंद्र कुमार मिश्र के निर्देशन में सम्पन्न हुआ। थाना हरगांव के प्रभारी निरीक्षक अरविन्द कुमार पाण्डेय ने अपनी पूरी टीम के साथ शांति व्यवस्था कायम रखने में सराहनीय भूमिका निभाई। नव निर्वाचित अध्यक्ष शान्ती मिश्रा व अध्यक्ष प्रतिनिधि दिनेश मिश्र ने बताया कि वह किसानों के हित में स्वयं निर्णय लेंगी अध्यक्ष प्रतिनिधि दिनेश मिश्र ने कहा कि उनके कार्यकाल समाप्ति के बाद समिति की ओर से उर्वरक वितरण का कार्य बंद हो गया था। अब समिति की तरफ से खाद व उत्तम क्वालिटी के बीज की व्यवस्था की जाएगी। आपको बताते चलें वर्तमान निर्वाचित किए गए अध्यक्ष शांति मिश्रा के पति दिनेश चन्द्र मिश्रा अध्यक्ष पद पर काबिज थे। उन्होंने शानदार तरीके से अपनी पारी का निर्वहन किया। बातचीत के दौरान अध्यक्ष प्रतिनिधि ने यह भी कहा कि अब क्रय केन्द्र पर किसानों को अनावश्यक रूप से इंतजार नहीं करना पड़ेगा और उसके गन्ने की तौल निर्वाध गति से होती रहेगी। इस दौरान भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ला, महेश मिश्रा, पूर्व संचालक महेंद्र दत्त मिश्र खण्ड विकास अधिकारी परसेंडी धनंजय सिंह,एडीओ कोऑपरेटिव राम निवास राना भाजपा नेता वीरेंद्र मिश्रा बच्चा सुनील त्रिपाठी बल्लू सहित भारी संख्या मे जनसमूह उपस्थित था। नव निर्वाचित अध्यक्ष, उपाध्यक्ष व संचालकों को सचिव आनंद प्रकाश दुबे व लिपिक युनुस खां ने पुष्प गुच्छ देकर सम्मानित किया।

कन्या भोज कार्यक्रम के साथ भागवत कथा का हुआ समापन।

पूर्व प्रधान संघ अध्यक्ष रहें कार्यक्रम के मुख्य अतिथि

संस्कार उजाला

सीतापुर राकेश पाण्डेय।

जिले की मिश्रिख तहसील इलाके के ग्राम इस्लामनगर मे सात दिवसीय श्रीमद्भागवत कथा का कन्या भोज कार्यक्रम के साथ समापन हो गया। कथा वाचक राम जी यादव व ऊषा यादव ने कथा के माध्यम से अलग अलग प्रसंगों का व्याख्यान कर व कलाकरों ने मंच के माध्यम से शानदार प्रस्तुति पेश कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। कथा के अंतिम दिन हवन पूजन और कन्या भोज का कार्यक्रम हुआ। कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि के रुप मे पधारे पूर्व प्रधान संघ अध्यक्ष सैय्यद अली कासिम द्वारा कन्याओं को प्रसाद वितरण किया गया। उन्होंने कथा कमेटी के सदस्यों सहित गांव वासियों को इस कथा के सफल आयोजन को लेकर भरपूर प्रशंसा करते हुए कहा कि ऐसे धार्मिक कार्यों से नवयुवकों मे धर्म के प्रति आस्था का विश्वास और मजबूती प्रदान करता है। ऐसे कार्यक्रम हर वर्ष होते रहना चाहिए। कथा के मुख्य संयोजक राजाराम राठौर व उनकी पत्नी द्वारा कथा वाचकों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। दूर दराज गांवों से आए श्रद्धालुओं ने भी प्रसाद के रुप मे पूरी खीर का सेवन किया।रात्रि मे कथा समापन के बाद कमेटी के लोगों ने हर्ष उल्लास के साथ अबीर-गुलाल एक दूसरे पर डाल कर होली पर्व जैसा माहौल बना दिया। कथा में विशेष रूप से आशीष कुमार,अमरीश राठौर,राजेश पाल,दीपक पाल,राहुल कश्यप,सतीश तिवारी,अंकित,जमुना मौर्य, सुमित सक्सेना सहित ग्रामीणों का योगदान रहा।

एन सी एल टी में सहारा क्यू शॉप यूनिक प्रोडक्ट रेंज लिमिटेड की सुनवाई पूर्ण फैसला सुरक्षित

संस्कार उजाला

सीतापुर राकेश पाण्डेय।

एन सी एल टी में सहारा क्यू शॉप यूनिक प्रोडक्ट रेंज लिमिटेड के बाबत न्यायालय में सुनवाई पूर्ण कर न्यायालय ने फैसला सुरक्षित कर लिया है। जानकारी के अनुसार एनसीएलटी में सहारा क्यू शॉप यूनिक प्रोडक्ट रेन्ज लिमिटेड की सुनवाई विगत कई महीनो से चल रही थी ।कई महीनो से सहारा निवेशक इस सुनवाई का इंतजार कर रहे थे कल सोलह अक्टूबर को जो सुनवाई हुई है उसमें जो जानकारी निकलकर आ रही है उसके अनुसार बताया जा रहा है कि सुनवाई पूर्ण हो चुकी है फैसला सुरक्षित कर दिया गया है। फैसला आने पर आम जमाकताओं को पता चलेगा क्या हुआ है सहारा क्यू शॉप यूनिक प्रोडक्ट रेंज लिमिटेड के जमाकर्ता बहुत ही परेशान एवं हताश चल रहे हैं। कापोर्रेट कार्य मंत्रालय रजिस्ट्रार कंपनी से लगातार गुहार लगा रहे हैं कि जमा कताओं का भुगतान किया जाए परन्तु सहारा इण्डिया व सरकार द्वारा इनका भुगतान वापस नहीं किया जा रहा है।जमाकताओं का पैसा फंसे होने के कारण परिवार में भी उनकी स्थिति बड़ी खराब हो गई है काफी लोग उम्र दराज भी हो चुके हैं जिससे वह दौड़ भाग भी नहीं कर पा रहे हैं जनपद स्तर पर जो न्यायालय या अन्य सरकारी एजेंसियों को अपनी पीड़ा बताकर कानूनी कार्रवाई करते हैं उसे सहारा नजरंदाज करता चला आ रहा है जिससे जमाकताओं को उनका भुगतान वापस नहीं मिल सका है।

दो दिनों तक दिन में पांच घंटे विद्युत आपूर्ति रहेगी बाधित ,पेड़ों की छटाई को लेकर गुल रहेगी परसदा क्षेत्र की बिजली।

संस्कार उजाला

सीतापुर राकेश पाण्डेय।

अनुरक्षण माह के अन्तर्गत पेड़ों की छटाई को लेकर रामकोट पावर सब स्टेशन से परसदा क्षेत्र को सप्लाई होने वाली विद्युत की आपूर्ति दो दिनों तक दिन में पांच घंटे तक ठप रहेगी। विद्युत फीडर के लाइन से लगे पेड़ों की टहनियों को काटा जाएगा। जिससे उपभोक्ताओं को निर्बाध बिजली आपूर्ति की जा सके। कई जगहों पर पेड़ बड़े होने के चलते बिजली के तार टहनियों के बीच से गुजरे हुए हैं।टहनियों के बीच तारों के होने से हल्की हवा चलने पर ब्रेक डाउन की समस्या बनी रहती है। कई बार बिजली के तार भी टूट जाते हैं। जिससे घंटों तक बिजली आपूर्ति बंद रहती है। ऐसे में पेड़ों की वजह से बिजली सप्लाई बाधित न हो इसके लिए पेड़ों की टहनियों की कटाई की जाएगी। जानकारी देते हुए रामकोट विद्युत उपकेन्द्र के अवर अभियंता अश्वनी कुमार वर्मा ने बताया की विद्युत विभाग के द्वारा अनुरक्षण माह के अन्तर्गत आज शुक्रवार से कल शनिवार तक 11 केवी फीडर परसदा पर पेड़ों की छटाई का कार्य किया जाएगा। जिसके चलते विद्युत आपूर्ति दिन में सुबह ग्यारह बजे से लेकर शाम चार बजे तक दो दिनों तक दिन की विद्युत सप्लाई बाधित रहेगी। उन्होंने कहा की विद्युत उपभोक्ताओं को भविष्य में कोई दिक्कत का सामना नहीं करना पड़े इसके लिए पेड़ों की छटाई का कार्य किया जाएगा।इसी के मद्दे नजर रामकोट के सब स्टेशन विद्युत से परसदा क्षेत्र की विद्युत सप्लाई को दिन में बंद रखने का निर्देश जारी किया गया है।

नगर में परम्परागत तरीके से निकाली गई झांकी

संस्कार उजाला

सीतापुर राकेश पाण्डेय।

हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी जिले के प्राचीन एवं ऐतिहासिक धरोहर को संजोये कस्बा मिश्रिख में महर्षि दधीचि आश्रम के महंत देवानंद गिरी द्वारा महर्षि दधीचि स्मृति महोत्सव का आयोजन तेरह अक्टूबर से किया गया था। सत्रह अक्टूबर को विशाल शोभा यात्रा के साथ पंचकोसी परिक्रमा की गयी। इस धार्मिक परिक्रमा में साधू संतों और नगर के सभी लोगों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया।सायं छः बजे तीर्थराज मिश्रिख पर दीप दान व महाआरती के बाद शरद पूर्णिमा का प्रसाद वितरण किया गया। प्रसाद वितरण के बाद आश्रम के महंत देवानंद गिरी ने महोत्सव समापन की घोषणा की। इस मौके पर क्षेत्र के तमाम सम्भ्रांत व्यक्ति और हजारों की संख्या में लोग मौजूद रहे।

कमलापुर थाना अन्तर्गत आम के बाग में एक युवक का मिला शव।

संस्कार उजाला

सीतापुर राकेश पाण्डेय। जिले के कमला पुर थाना इलाके में एक व्यक्ति ने कमलापुर थाने पर फौरी,सूचना दी सूचना देने वाले पिता ने बताया कि मेरे पुत्र को मोटरसाइकिल पर बिठाकर कुछ लोग ले गए हैं। धनीराम,पुत्र छेद्दू निवासी सीता रसोई ने बताया मेरे बड़े बेटे अच्छे लाल पुत्र धनीराम को संजू मिश्र पुत्र राजकुमार मिश्र निवासी सोनारी मजरा सीता रसोई 15 अक्टूबर 2024 को लगभग चार बजे मोटर साइकिल से बैठाकर सिधौली की तरफ लेकर गए थे। देर रात तक जब घर पर अच्छेलाल नहीं पहुंचा तो परिजनों ने उसकी तलाश शुरू की सोलह अक्टूबर 2024 को संजू के घर पर मृतक के परिजन पहुंचे जहां पर उनके भाई पंकज ने बताया थोड़ी देर बाद आना।बाद में पंकज को परिजनों ने मामले से अवगत कराया तो पंकज ने फैक्ट्री के आस पास कहीं पड़ा होने को बताया। इस सम्बन्ध में पुलिस क्षेत्राधिकारी सिधौली कपूर कुमार ने बताया सूचना मिली थी सूचना पाकर में मौके पर पहुंचा,और फारेंसिक टीम को बुलाकर साक्ष्य संकलित किए गए हैं पंचनामा कर शव पोस्ट मार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया गया है परिजनों की तरफ से अभी तक कार्रवाई करने के लिए कोई तहरीर नहीं मिली है तहरीर मिलने पर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी।

सांकरा प्रधानपति के भाई ने रविकांत महाराज को दी जान से मारने की धमकी

संस्कार उजाला

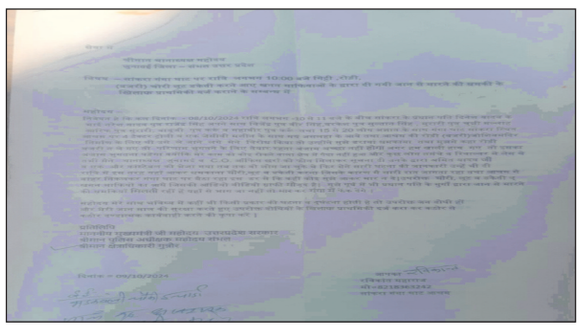

दादों क्षेत्र के सांकरा गंगा घाट पर आश्रम पर एक रविकांत महाराज रहते हैं उस आश्रम पर पूजा साधना करते हैं हवन यज्ञ करते रहते हैं जिसमें क्षेत्रीय लोग बढ़-चढ़कर भाग लेते हैं सांकरा प्रधान दिनेश यादव के भाई नरेश यादव के खिलाफ रविकांत महाराज ने शिकायत दी है पांच लोगों के खिलाफ नाम दर्ज एवं पन्द्रह लोगों के खिलाफ अज्ञात में लिखित शिकायत की है रविकांत महाराज ने बताया कि मुझे जान से मारने की धमकी दी है हथियारों से लेस होकर बालू खनन करने आए थे जो मंदिर के लिए गिट्टी रोड़ी बदरपुट बजरी पड़ी है उसको भरने के लिए ट्रैक्टरों और एक जेसीबी मशीन लेकर आए थे नरेश यादव के हाथ में हथियार थे और अन्य साथियों के हाथ में भी हथियार थे आते ही गाली गलौज करने लगे बदतमीजी करने लगे और मारपीट पर उतारू हो गए नरेश यादव ने कहा आज तक हमको कोई रोक नहीं रोक पाया तेरी क्या औकात है और तू हमको रोकना चाहता है और रविकांत महाराज से कहा अगर तू हमको रोकेगा तो तुझे इस गंगा में मार कर बाह देंगे पता भी नहीं चलने देंगे रविकांत महाराज ने बताया रात को ग्यारह बजे पन्द्रह लोगों का समूह चोरी करने की मंशा से आया था यदि मुझे कुछ होता है तो इस बात की जिम्मेदार ग्राम प्रधान दिनेश यादव के भाई नरेश यादव एव पन्द्रह अज्ञात के खिलाफ जो लिखत शिकायत दी है वह लोग मेरी मौत की जिम्मेदार होंगे मौके पर पुलिस ने पहुंच कर मामले की जांच पड़ताल की मामले को संज्ञान में लेकर कानूनी कार्रवाई की जाएगी इस तरह का सिर्फ अभी आश्वासन दिया है लेकिन अभी पुलिस भी गंभीरता से कार्रवाई नहीं कर रही है पकड़े हुए व्यक्ति को छोड़ दिया गया है

मन्दिरों में हुआ रामायण पाठ/भजन का आयोजन कर मनाई गई महर्षि वाल्मीकि की जयंती

संस्कार उजाला ब्यूरो बांदा

शासन द्वारा दिए गए निदेशों के क्रम में जिलाधिकारी के मार्गदर्शन में महान एवं प्रसिद्ध काव्य रामायण के रचयिता महर्षि वाल्मीकी जी की जयन्ती जनपद में भव्य रूप में मनाई गई। इस अवसर जनपद में कई आयोजन किये गए, मंदिरों में दीप प्रज्वलन तथा माल्यार्पण के साथ ही रामायण का पाठ हुआ। महर्षि वाल्मीकि जयंती पर मंदिरों में रामायण पाठ, भजन और भक्तिमय लोकगीत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। महर्षि बाल्मीकि विश्व के आदि कवि हैं जिनके द्वारा रचित रामायण विश्व के प्रमुख ग्रंथ के रूप में पूज्यनीय है, जो व्यक्ति, समाज एवं राष्ट्रीय मूल्यों के निर्माण में मार्गदर्शन का आधार है। महर्षि वाल्मीकि द्वारा रचित रामायण सामाजिक मूल्यों, मानव मूल्यों एवं राष्ट्र मूल्यों की स्थापना का आदर्श है। बाल्मीकि रामायण में निहित मानव मूल्यों, सामाजिक मूल्यों व राष्ट्र मूल्यों के व्यापक प्रचार- प्रसार व जन सामान्य को इससे जोड़ने के लिए महर्षि वाल्मीकि, श्री राम, हनुमान जी से संबंधित मंदिरों पर दीप प्रज्वलन, के साथ रामायण का पाठ कराया गया है, जिसके क्रम में संकट मोचन मंदिर, तहसील परिसर सदर में सुंदरकांड का पाठ, गौरा बाबा मंदिर एवं डाबर देवता मंदिर में भजन कीर्तन एवं रामायण पाठ का आयोजन किया गया इसके साथ ही सहित अन्य मंदिरों में बाल्मीकि रामायण का पाठ कराया गया।

अधिकारी द्वय के साथ जिला अधिकारी ने थोक खाद गोदाम का किया निरीक्षण।

संस्कार उजाला

सीतापुर राकेश पाण्डेय।

जिलाधिकारी अभिषेक आनंद ने आज जनपद के थोक उर्वरक विक्रेता मैसर्स मूसाराम शिवरामदास विजयलक्ष्मी नगर, सीतापुर के गोदाम का आकस्मिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के समय मौके पर उप कृषि निदेशक, सीतापुर के साथ जिला सूचना अधिकारी उपस्थित रहे। मैसर्स मूसाराम शिवराम दास विजयलक्ष्मी नगर, सीतापुर के प्रतिनिधि अमित शुक्ला द्वारा फर्म से सम्बन्धित अभिलेख स्टाक पंजिका, बिक्री पंजिका प्रस्तुत की गयी, स्टॉक पंजिका के अनुसार डी०ए० पी०बावन बोरी,एम०ओ० पी० चार सौ अस्सी बोरी, एन०पी०के० 20:20:0:13 एक सौ चौहत्तर बोरी, एस०एस० पी०ग्यारह सौ पैंतालिस बोरी पायी गयी तथा गोदाम में भण्डारित उर्वरक का मिलान किया गया। उपलब्ध स्टॉक में से डी०ए०पी० का एक नमूना ग्रहीत कर परीक्षण हेतु प्रयोगशाला प्रेषित किया गया। साथ ही नैनो डी०ए०पी० के सम्बन्ध में जानकारी प्राप्त की गयी तो प्रतिनिधि शुक्ला द्वारा अवगत कराया गया कि तीन सौ बोतल नैनो डी० ए०पी० प्राप्त हुई थी, जिसके सापेक्ष एक सौ चौबिस बोतल का वितरण किया गया है तथा अभी भी एक सौ छिहत्तर बोतल नैनो डी० ए०पी० अवशेष है। कृषकों द्वारा नैनो डी०ए० पी० में विशेष रूचि नहीं दिखायी पड़ रही है,जिस कारण नैनो डी०ए०पी० अवशेष है। जिला अधिकारी ने थोक विक्रेता को अभिलेखों का रख-रखाव सही ढंग से करने के साथ ही निर्देशित किया कि गोदामवार भण्डारित उर्वरकों का अलग - अलग स्टॉक रजिस्टर बनाया जाये तथा स्टॉक बोर्ड प्रदर्शित किया जाये तथा चेतावनी दी कि कृषकों को गुणवत्तायुक्त उर्वरक निर्धारित दर पर ही विक्रय किया जाये। यदि किसी प्रकार की कोई शिकायत प्राप्त होती है तो सम्बन्धित के विरूद्ध उर्वरक नियंत्रण आदेश 1955 एवं आवश्यक वस्तु अधिनियम 1955 के अर्न्तगत विधिक कार्यवाही की जायेगी।

अखिलेश बोले-भाजपा ने हार के डर से चुनाव टाला

मिल्कीपुर में BLO बदले, अब बदनामी के डर से कोर्ट और आयोग के चक्कर लगा रहे

लखनऊ। में सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने भाजपा पर जमकर हमला बोला। मिल्कीपुर उपचुनाव की घोषणा न होने और BLO को हटाने पर कहा- बीजेपी अपनी संभावित हार से बचने के लिए ऐसा कर रही है। अखिलेश यादव ने कहा- भाजपा ने इंटरनाल सर्वे कराया था। मुख्यमंत्री कई बार मिल्कीपुर गए। प्रशासन के लोगों को बुलाकर पूछा। इंटेलिजेंस रिपोर्ट ली। जब पता लग गया कि इतने खेल खेलने के बाद भी हार रहे हैं, तो चुनाव को टालने का निर्णय लिया गया। सपा प्रमुख ने गुरुवार को नूरमंजिल लालबाग में महर्षि वाल्मीकि की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की।दो दिन के अंदर याचिका वापस लेंजो जंग में आने से पहले ही हार गए, वह अब बदनामी से बचने के लिए कोर्ट और चुनाव आयोग के चक्कर लगा रहे हैं, ताकि वहां चुनाव हो जाए। अगर 2 दिन के अंदर यह लोग कुछ नहीं कर पाए तो चुनाव नहीं होगा। हमारी भी अपील है की कम से कम 2 दिन के अंदर कोर्ट से याचिका वापस ले लें। समाज में भेदभाव खत्म करने का लिया संकल्प अखिलेश यादव ने महर्षि वाल्मीकि को नमन करते हुए कहा कि वाल्मीकि जी का समाज में पूजनीय स्थान है। उन्हें भगवान का दर्जा प्राप्त है। उन्होंने रामायण के माध्यम से हमें जो सीख दी, उस प्रेरणा से आज हम संकल्प लेते हैं कि समाज में व्याप्त भेदभाव को समाप्त कर सामाजिक न्याय के मार्ग पर चलेंगे। शासन-प्रशासन की मिलीभगत से हो रहा अन्याय प्रशासन और शासन मिलकर अन्याय कर कर रहा है। जिस तरह से समाजवादी पार्टी ने वाल्मीकि जयंती पर छुट्टी घोषित की थी, उसी प्रकार जब हम फिर से सत्ता में आएंगे, तो वाल्मीकि समाज को वह सम्मान और सुविधाएं देंगे, जो उन्हें मिलनी चाहिए।इनका पूरा कार्यकाल तोड़फोड़, बुलडोजर चलाने वाला जेपीएलआईसी के जवाब में योगी सरकार नए कन्वेंशन केंद्र की बात कर रही है, लेकिन बीजेपी को समाज में नफरत फैलाने से फुरसत नहीं है। इनका पूरा कार्यकाल तोड़फोड़ और बुलडोजर चलाकर पुलिस प्रशासन से अन्याय करने का है। अब तो इनके जाने का समय आ गया है। जाते समय पता नहीं क्या नया काम करना चाहते हैं। अब सरकार के पास काम करने के लिए समय नहीं है। बहराइच में प्रशासन-पुलिस मिलकर कर रहा अन्याय बहराइच की घटना में प्रशासन और शासन का फेल रहा। जो लोग जीरो टॉलरेंस की बात करते थे, इस बात को कभी नहीं कहा- हर आयोजन को शांतिपूर्ण करते हैं। जहां इतना बड़ा आयोजन हो रहा था वहां पुलिस सुरक्षा क्यों नहीं थी। प्रशासन और पुलिस मिलकर वहां अन्याय कर रहा है। जहां थे दो विधायक, वहां ज्यादा सीट मिलने की उम्मीद अखिलेश यादव ने कहा- मैं कल महाराष्ट्र जा रहा हूं। हमारी कोशिश है कि इंडिया गठबंधन जीते। हमें उम्मीद है जहां हमारे दो विधायक थे, वहां हमें ज्यादा सीट मिलेगी। हम मजबूती के साथ इंडिया गठबंधन के साथ खड़े होंगे। यूपी में भी सीट बंटवारा बहुत जल्दी तय हो जाएगा।

समाज में भेदभाव खत्म करने का लिया संकल्प

अखिलेश यादव ने महर्षि वाल्मीकि को नमन करते हुए कहा कि वाल्मीकि जी का समाज में पूजनीय स्थान है। उन्हें भगवान का दर्जा प्राप्त है। उन्होंने रामायण के माध्यम से हमें जो सीख दी, उस प्रेरणा से आज हम संकल्प लेते हैं कि समाज में व्याप्त भेदभाव को समाप्त कर सामाजिक न्याय के मार्ग पर चलेंगे।

संक्षिप्त डायरी

अभियोजन कार्यों की बैठक में अपर जिलाधिकारी ने किया निर्देशित

संस्कार उजाला ब्यूरो बांदा

बांदा में गुरुवार को अपर जिलाधिकारी न्यायिक अमिताभ यादव की उपस्थिति में अभियोजन कार्यों की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में उन्होंने जेयष्ठ एवं सहायक अभियोजन अधिकारियों एवं शासकीय अधिवक्ताओं को ई प्रासीक्यूशन पोर्टल पर सभी संबंधित वादों की फीडिंग कराये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने जिला शासकीय अधिवक्ताओं एवं अभियोजन अधिकारियों को अधिक से अधिक मुकदमों में प्रभावी पैरवी करते हुए मुकदमों का निस्तारण अपराधियों को सजा दिलाते हुए कराये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने निर्देश दिये कि वादों की सुनवाई के समय सम्बन्धित गवाहों व साक्ष्यों को प्रस्तुत करें एवं गवाह वापस नही होने पायें। उन्होंने जनपद के विभिन्न न्यायालयों में संचालित वादों के सम्बन्ध में जानकरी लेते हुए पास्को प्रकरणों के मामले में बेहतर कार्य किये जाने पर प्रशंसा की गयी। बैठक में उन्होंने अधिक से अधिक वादों के निस्तारण कराये जाने हेतु पैरवी समय से करने के निर्देश दिये।बैठक में अपर पुलिस अधीक्षक शिवराज, संयुक्त निदेशक अभियोजन अजय कुमार तिवारी, जिला शासकीय अधिवक्त फौजदारी विजय बहादुर सिंह सहित डीजी संवर्ग के शासकीय अधिवक्ता एवं सहायक अभियोजन अधिकारी उपस्थित रहे।

शहीदों के गांव में नहीं बनी सड़क, ग्रामीण कर रहे अनशन

संस्कार उजाला ब्यूरो बांदा

बांदा में शहीदों के गांव मे सड़क नहीं होने के कारण ग्रामीण अनशन पर बैठ गए। ग्रामीणों का कहना है कि पूर्व में दो जवान शहीद हुए थे। तत्कालीन भाजपा सांसद व विधायक ने मौके पर पहुंचकर सान्त्वना व्यक्त थी और विकास कराने के बड़े बड़े दावे किए थे, जो सभी खोखले निकले। यह सारी जानकारी अनशन कर रहे लोगों द्वारा दी गई। यह पूरा मामला नरैनी क्षेत्र के तेरा व महुटा गांव का है जहां पूर्व में रामबहोरी व चिन्तामणि बार्डर में ड्यूटी के दौरान शहीद हो गए थे। जिसके बाद सांसद व विधायक ने गाँव पहुंचकर हर संभव मदद का भरोसा दिलाया परन्तु आज तक गांव में सड़क तक का निर्माण नहीं कराया गया है। जिससे आजिज आकर ग्रामीणों ने अशोक लॉट स्थल के बाहर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया। धरने के तीसरे दिन जनता दल यूनाइटेड की महिला प्रदेशाध्यक्ष शालिनी सिंह पटेल ने पहुंचकर समर्थन किया और अधिकारियों को चेतावनी देते हुए कहा कि समस्या का समाधान नहीं हुआ तो क्रमिक अनशन शुरू किया जाएगा।

कृषि अधिकारी की तानाशाही से किसान खा रहे हैं लाठी : शालिनी पटेल

केंद्रीय कृषि मंत्री से शिकायत की कही गई बात

संस्कार उजाला ब्यूरो बांदा

बाँदा में विगत सप्ताह से नरैनी की खाद्य सोसाइटी में किसानों को खाद नहीं मिल रही है, खाद की किल्लत के कारण किसान भारी संख्या में बैठे हुए हैं जबकि पूर्व में ही जिलाधिकारी बांदा के द्वारा आदेश दिए गए थे कि फसल की बुआई आने के पहले ही उपयोगी खाद बीज की समुचित/पर्याप्त व्यवस्था कर ली जाए। निर्गत आदेशों के विपरीत जिला कृषि अधिकारी के द्वारा पर्याप्त खाद की व्यवस्था न करना, आवंटन प्रक्रिया को दोष पूर्ण बनाना, निश्चित रूप से कालाबाजारी को बढ़ावा देना, लाभ अर्जित करने की सोची समझी रणनीति बनाई गई है। उक्त वक्तव्य कहते हुए जेडीयू नेत्री शालिनी सिंह पटेल ने कहा कि जिसके चलते विगत दिवसों में पीड़ित किसानों के साथ खाद आवंटन के समय समिति के कर्मचारियों के द्वारा मात्र एक बोरी खाद देने पर बढ़ती भीड़ के चलते पुलिस कर्मियों के द्वारा किसानों के साथ मारपीट भी की गई। जनता दल यूनाइटेड की महिला मंच की प्रदेश अध्यक्ष शालिनी पटेल ने जानकारी दी है कि अधिकारियों से बात की गई तो समिति के अधिकारियों ने बताया कि 3 किलोमीटर में प्राइवेट खाद की दुकान नहीं होना चाहिए। जबकि नरैनी कस्बे में 10 से अधिक दुकानें प्राइवेट खाद की खुली हुई है। ये गणित विभागीय अधिकारियों की मिली जुली साजिश का परिणाम है। खाद की पर्याप्त मात्रा सहकारी समिति में न देकर प्राइवेट लाइसेंस धारकों को जरूरत से ज्यादा उर्वरक खाद का आवंटन , निजी लाभ उठाने की सोची समझी रणनीति है। वहीं किसानों का कहना है कि समय से खाद न मिलने के कारण अन्नदाता की बुवाई रह जाएगी। अन्नदाताओं ने कहा कि प्रदेश सरकार की गाइडलाइन का पालन भी नहीं कर रहे। समिति के अधिकारी और कर्मचारियों द्वारा अन्नदाताओं के ऊपर पुलिस द्वारा लाठी चार्ज करवा दिया गया। बीते रोज वहीं किसानों का कहना है कि अन्नदाताओं को खाद न देकर अन्नदाताओं के ऊपर लाठी चार्ज करवा रहे हैं। किसानों ने क्रोध में कहा कि हम किसानों को खाद बीज समय से सरकार मुहैया कराकर समस्याओं का निस्तारण कर सकते हैं। उसकी जगह में अन्नदाताओं को लाठी चार्ज मुहैया करवा रहे हैं ।कालाबाजारी के चलते 1350 की खाद 1750 में बेची जा रही है। खाद की कालाबाजारी के चलते यदि किसान अपनी फसल की बुआई ही नहीं कर पाएगा तो निश्चित रूप से यह कहा जा सकता है कि वह अजीज और परेशान होकर आत्महत्या के लिए मजबूर होगा। शायद यह कहना गलत भी नहीं होगा कि बुंदेलखंड में किसानों की आत्महत्या का प्रतिशत बढ़ाने का यह भी एक कारण है। जनता दल यूनाइटेड की शालिनी पटेल ने भी इस विभीषिका के बारे में संज्ञान लेते हुए जिला प्रशासन से अपनी मुहिम जारी रखने का किसानों को आश्वासन दिया।

ब्रह्मज्ञान से ही होता है आध्यात्म का प्रारंभ:साध्वी सुबुद्धा भारती

संवाददाता

कुशीनगर। दिव्य ज्योति जाग्रती संस्थान के द्वारा पावानगर महावीर इंटर कॉलेज फाजिलनगर के प्रांगण में चल रहे पांच दिवसीय श्री हरि कथामृत के दूसरे दिन कथा का वाचन करते हुए साध्वी सुबुद्धा भारती ने कहा मनुष्य के अंतःकरण में परमात्मा स्वयं विराजमान है। परंतु जब तक पूर्ण गुरु के सानिध्य में वह ब्रह्म ज्ञान नहीं प्राप्त करता तब तक यह भेद प्रायोगिक रूप में नहीं जान सकता है, और परमात्मा के विषय में अनेक धारणा को त्याग कर सत्य को नहीं जान सकता। अगर मनुष्य को शांति आनंद के साथ परमात्मा की प्रत्यक्ष अनुभूति करनी है तो श्री आशुतोष महाराज जी आज के समय में उपयुक्त माध्यम हो सकते हैं। इस दौरान साध्वी सुषमा भारती, स्वामी प्रबुद्धानंद,स्वामी यशवीर, नंदलाल सिंह, दुर्गेश सिंह मुकुल तिवारी, शेष मुनि गुप्ता, कुसुम जायसवाल आदि मौजूद रहे।

महर्षि बाल्मीकि ने प्रभु श्रीराम की कृपा से की पवित्र ग्रंथ की रचना: पुरन्दर यादव

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। नगरपालिका परिषद कुशीनगर अन्तर्गत केश्वर इंटरमीडिएट कालेज बनवारी टोला में महर्षि बाल्मीकि जयंती पर विधिवत कार्यक्रम का आयोजन किया गया और श्रीराम नाम का संकीर्तन सामूहिक रूप से किया गया। गुरुवार को महर्षि बाल्मीकि की जयंती पर आयोजित कार्यक्रम में प्रधानाचार्य पुरन्दर प्रताप यादव के नेतृत्व में शिक्षकों व छात्र छात्राओं ने महर्षि के चित्र पर पुष्पार्चन किया। प्रधानाचार्य श्री यादव ने कहा कि महर्षि बाल्मीकि ने मयार्दा पुरुषोत्तम श्रीराम के जीवन पर बाल्मीकि रामायण की रचना की। अपने जीवन के शुरूआती समय में महर्षि बाल्मीकि एक डाकू थे लेकिन उनका हृदय परिवर्तन हो गया और उन्होंने राम नाम का जाप किया। प्रभु श्रीराम की कृपा से पवित्र ग्रंथ की रचना की। इस अवसर पर विद्यालय के प्रभारी देवेंद्र प्रताप यादव, कन्हैया कुशवाहा, कमलेश कुमार भारती, अमरजीत यादव, जयसिंह प्रसाद गोंड़ सतवीर कुशवाहा, शेषनाथ यादव, शशिमा पटेल, अम्बालिका यादव, मोनिका प्रसाद, गुड्डी मद्धेशिया, मुन्नी देवी सहित छात्र - छात्राएं मौजूद रहीं।

सरकार द्वारा पढ़ने वाले बच्चों को दी जा रही सभी सुविधाएं: चन्द्रशेखर

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। हाटा बिकास खण्ड के सिविलियन विधालय महादेव छपरा में पढ़ने वाले छात्र छात्राओं को शिक्षण सामग्री और आइ कार्ड एक कार्यक्रम आयोजित गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि डायट मेंटर चन्द्रशेखर व एआरएपी बिनोद कुमार शर्मा द्वारा छात्र छात्राओं को पढ़ने लिखने के लिए शिक्षण सामग्री और आइकार्ड वितरण किया गया। मुख्यअतिथि डायट मेंटर चन्द्रशेखर ने कहा कि बच्चों को पढ़ने में कोई कठिनाइया न हो इसके लिए सरकार द्वारा विभिन्न प्रकार की योजना चला रही है। बच्चों को गर्मागर्म स्वादिष्ट एमडीएम के द्वारा भोजन और सभी बच्चों के खाते में जूता यूनिफॉर्म के लिए पैसा भेजा जा रहा है जिससे सरकारी स्कूलों में अधिक से अधिक बच्चों का दाखिला ले सके कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एआरएपी बिनोद कुमार शर्मा ने कहा कि बच्चों को शिक्षण सामग्री और आइकार्ड विद्यालय परिवार के लोगों ने देकर एक सराहनीय कार्य किया है इसके लिए सभी विधालय परिवार के सदस्य बधाई के पात्र हैं। इस अवसर पर प्रधानाध्यापक प्रमोद कुमार राव द्वारा आये सभी अतिथियों को आभार और सभी छात्र छात्राओं को उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर प्रकाश चौहान, संगीता सिंह, विनीता सिंह, राजेश सिंह, आनंद किशोर वर्मा आदि लोग उपस्थित थे।

शरद पूर्णिमा पर विश्व कल्याण की कामना के साथ भिक्षुओं को दिया दान

संवाददाता

कसया, कुशीनगर। शरदे पूर्णिमा, वषार्वास के समापन अवसर पर बौद्ध भिक्षुओं ने मुख्यमहापरिनिर्वाण मन्दिर में तथागत बुद्ध का विशेष पूजन अर्चन कर चीवर चढ़ाया और विश्वशांति व कल्याण की कामना की। गुरुवार की सुबह भिक्षु संघ के अध्यक्ष अग्ग महापंडित भदन्त ज्ञानेश्वर के निर्देशन में बुद्ध बिहारों के भिक्षुओं ने मुख्य मन्दिर में बुद्ध की लेटी प्रतिमा का धम्म पाठ के साथ पूजन किया और परिक्रमा की।वषार्वासे बौद्ध धर्मावलंबियों के लिये खास महत्व रखता है। तीन माह तक बौद्ध भिक्षु एक स्थान पर प्रवासे करते हैं और तथागत बुद्ध के पंचशील के सिद्धांतों के अनुरूप उनके उपदेशों का पालन करते हैं। बौद्ध भिक्षुओं को यात्रा करना वर्जित है। भिक्षु चाहे विश्व के किसी भी कोने में रहे, उन्हें वहीं रहकर बुद्ध के करुणा, शील और त्याग के सिद्धांतों का पूर्णरूपेण पालन करना होता है। अपना सारा समय लोगों की भलाई और तपस्या में लगाना होता है। इस मौके पर भिक्षुओ ने भिक्षाटन किया। जहां आशीष बरुआ, टिके राय, अम्बिकेश त्रिपाठी, विवेक गोंड़, ओमप्रकाश कुशवाहा, गोपाल मद्धेशिया, धर्मन्द्र गुप्ता, गौतम शर्मा, सूरज यादव, विकास शुक्ला, नीना राय, योगेन्द्र चौरसिया, कृष्ण मोहन गुप्ता, राम नगीना, मौसम, राजा चौरसिया, अवनेंद्र कुमार विश्वकर्मा व उपासकों ने सपरिवार भिक्षुओं को दान दिया। इस अवसर पर भिक्षु डॉ पी सोमपोंग, भन्ते पी दम, पी पविन, पी नरोंग, भन्ते एटी छाई, भन्ते पी वथना फोंग, फ्रा अनुवत, भन्ते पी आट, भन्ते पी जुट, माता जी सू, नन्दीका, शीलवासा, भन्ते उपाली, अशोक, भन्ते नंदिका, भन्ते शील प्रकाश, धम्म नैना, भन्ते विनय कीर्ति, भन्ते मायी बीक मौजूद रहे।

मिशन शक्ति-5.ड अभियान के क्रम में पुलिस उपमहानिरीक्षक चित्रकूटधाम परिक्षेत्र की अध्यक्षता में पुलिस लाइन में शक्ति कार्यशाला का किया गया आयोजन

मिशन शक्ति अभियान के तहत जागरुकता अभियान के बढ़ावा देने हेतु महिला पुलिसकर्मियों को विभिन्न कानूनी प्रावाधानों एवं योजनाओं के बारे में दिया गया प्रशिक्षण

☛प्रशिक्षण कार्यशाला के उपरांत पुलिस उपमहानिरीक्षक व पुलिस अधीक्षक बांदा द्वारा मिशन शक्ति जागरुकता रैली को हरी झण्डी दिखाकर किया रवाना । स्कूलों, कॉलेजों, ग्रामों, कस्बों, बाजारों एवं धार्मिक स्थलों पर जागकर महिलाओं/बालिकाओं को किया जायेगा जागरुक

संस्कार उजाला ब्यूरो बांदा

मुख्यमंत्री उ0प्र0 शासन योगी आदित्यनाथ द्वारा महिला सुरक्षा एवं सशक्तीकरण हेतु चलाए जा रहे मिशन शक्ति- 5.ड अभियान के क्रम में आज दिनांक 17.10.2024 को पुलिस लाइन बांदा में पुलिस उपमहानिरीक्षक चित्रकूटधाम परिक्षेत्र अजय कुमार सिंह की अध्यक्षता में ₹शक्ति कार्यशाला₹ का आयोजन किया गया । गौरतलब हो कि जनपद में पुलिस अधीक्षक बांदा अंकुर अग्रवाल के निर्देशन में व्यापक मिशन शक्ति जागरुकता अभियान चलाया जा रहा है जिसमें महिला पुलिसकर्मियों विशेषकर महिला बीट आरक्षियों की भूमिका सर्वाधिक महत्वपूर्ण है इसी को देखते हुए प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया । इस कार्यशाला में महिला पुलिसकर्मियों को कानूनी प्रावधानों, सरकारी योजनाओं और आपातकालीन हेल्पलाइन सेवाओं के बारे में जानकारी प्रदान की गई । इस कार्यक्रम का उद्देश्य महिला पुलिस कर्मियों को आवश्यक ज्ञान और संसाधनों से सशक्त बनाना है, ताकि वे अपने-अपने क्षेत्रों में महिलाओं और बालिकाओं को उनके अधिकारों एवं सुरक्षा उपायों के प्रति बेहतर ढंग से जागरूक कर सकें । कार्यशाला में घरेलू हिंसा से सुरक्षा अधिनियम, यौन उत्पीड़न से सुरक्षा अधिनियम, तथा महिला अधिकार संरक्षण अधिनियम, कार्यस्थल पर महिलाओं का उत्पीड़न प्रतिषेध अधिनियम (ढडरत्न अ़ूइ) जैसे कई महत्वपूर्ण कानूनों के प्रावधानों के बारे में

प्रशिक्षण दिया गया । प्रशिक्षण के दौरान महिला पुलिस कर्मियों को विभिन्न सरकारी योजनाओं के बारे में भी जानकारी दी गई, जिनका उद्देश्य महिलाओं और बालिकाओं को आर्थिक, सामाजिक और शैक्षिक दृष्टि से सशक्त बनाना है । इसके अलावा, महिला पुलिस कर्मियों को विभिन्न आपातकालीन हेल्पलाइन सेवाओं, जैसे 1090 (वीमेन पावर लाइन), 181 (महिला हेल्पलाइन) और 112 (आपातकालीन सेवा) के उपयोग के बारे में भी प्रशिक्षित किया गया । ये हेल्पलाइन सेवाएं संकट के समय में त्वरित सहायता प्रदान करने का एक महत्वपूर्ण साधन हैं, जिनकी जानकारी महिला पुलिस कर्मियों को देकर यह सुनिश्चित किया गया कि जागरुकता अभियान के माध्यम से वे इसे अपने कार्यक्षेत्र में महिलाओं/बालिकाओं तक प्रभावी ढंग से पहुंचा सकें । कार्यशाला के दौरान महिला पुलिसकर्मियों को एस0के0 ताइकाण्डो स्पोर्ट्स एकेडमी के प्रशिक्षकों सुमन, मधु और अमित द्वारा आत्मरक्षा के विभिन्न साधनों जूडो, कराटे आदि का भी प्रशिक्षण दिया गया । प्रशिक्षित महिला पुलिसकर्मी स्थानीय स्तर पर महिलाओं और बालिकाओं को उनके अधिकारों, सुरक्षा उपायों, और विभिन्न सरकारी सहायता सेवाओं के बारे में जागरूक करेंगी साथ ही उन्हे आत्मरक्षा का प्रशिक्षण भी देंगी । इस प्रकार के कार्यक्रमों के माध्यम से समाज में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर जागरूकता और आत्मविश्वास बढ़ाने का प्रयास किया जा रहा है । इस दौरान मिशन शक्ति जागरुकता अभियान को प्रभावी ढंग से संचालन करने वाली 12 महिला पुलिसकर्मियों को पुलिस उपमहानिरीक्षक चित्रकूटधाम परिक्षेत्र व पुलिस अधीक्षक बांदा द्वारा सम्मानित किया गया । कार्यशाला के उपरांत पुलिस उपमहानिरीक्षक चित्रकूटधाम परिक्षेत्र व पुलिस अधीक्षक बांदा द्वारा मिशन शक्ति जागरुकता रैली को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया गया । रैली स्कूलों, कॉलेजों, ग्रामों, कस्बों, बाजारों एवं धार्मिक स्थलों पर जाकर महिलाओं/बालिकाओं को जागरुक करेगी । बांदा पुलिस द्वारा पूर्व से ही शक्ति दीदी अभियान चलाया जा रहा है जिसमें बालिकाओं/छात्राओं द्वारा अपने बीट की महिला पुलिसकर्मियों के साथ सेल्फी लेकर अपने सोशल मीडिया एकांट्स में लगाया जा रहा है, इसी अभियान को आगे बढ़ाते हुए शहर के विभिन्न स्थानों पर मिशन शक्ति सेल्फी प्वाइंट्स लगाए जा रहे हैं । शक्ति कार्यशाला में अपर पुलिस अधीक्षक बांदा शिवराज, क्षेत्राधिकारी नरैनी/नोडल अधिकारी मिशन शक्ति अंबुजा त्रिवेदी, क्षेत्राधिकारी यातायात राजवीर सिंह गौर, प्रतिसार निरीक्षक पुलिस लाइन वेदमणि मिश्र आदि उपस्थित रहे ।

संक्षिप्त समाचार

घाना में हैजा के नौ मामले सामने आए

अकरा, एजेंसी। घाना के दक्षिण-पूर्वी ग्रेटर अकरा क्षेत्र में हैजा के नौ मामले सामने आए हैं। घाना स्वास्थ्य सेवा (जीएचएस) ने बताया है कि उसे अडा ईस्ट और अडा वेस्ट जिलों से यह पुष्टि प्राप्त हुई है कि रोगियों के नमूने हैजा के लिए सकारात्मक पाए गए हैं। हैजा का पहला मामला अडा ईस्ट डिस्ट्रिक्ट में एक अंतिम संस्कार में भाग लेने के कुछ दिनों बाद उल्टी, दस्त और पेट दर्द जैसे लक्षणों के साथ सामने आया और उसको एक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया था। शिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, 11 अक्टूबर तक, अडा ईस्ट और वेस्ट जिलों में ऐसे 9 मामलों की पुष्टि हो चुकी थी। महामारी को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक उपाय किए गए हैं। इसमें कहा गया है कि संपर्क पहचान, ट्रेसिंग और फॉलो-अप के सभी कार्य चल रहे हैं, जिसमें दैनिक सक्रिय सामुदायिक मामलों की खोज भी शामिल है। जीएचएस ने लोगों से स्वच्छता प्रोटोकॉल का पालन करने और संक्रमण से बचने के लिए अच्छे से पके हुए भोजन का सेवन करने की सलाह दी है।

कनाडा को आरएसएस और भारतीय राजनयिकों से बढ़ा खतरा, जल्द लगे बैन- कनाडाई सिख नेता जगमीत सिंह

ओटावा, एजेंसी। कनाडा के राष्ट्रीय पुलिस बल 'रॉयल कैनेडियन माउंटेड पुलिस द्वारा भारतीय राजनयिकों पर एक सिख अलगाववादी की हत्या में शामिल होने का आरोप लगाए जाने के एक दिन बाद मंगलवार को कनाडा के सिख नेता जगमीत सिंह ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और भारतीय राजनयिकों पर प्रतिबंध लगाने की मांग की। सिंह 'न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी (एनडीपी) के नेता हैं, जिसने कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो की सत्तारूढ़ सरकार का पूर्व में समर्थन किया था। भारत ने सिख अलगाववादी नेता की हत्या के मामले में कनाडा के आरोपों से इनकार किया है और कहा है कि कनाडा आतंकवादी समूहों को पनाह दे रहा है तथा अलगाववादी गतिविधियों को बढ़ावा दे रहा है। एनडीपी नेता जगमीत सिंह खालिस्तान समर्थक रुख के लिए जाने जाते हैं। सिंह ने ओटावा में एक संवाददाता सम्मेलन में सार्वजनिक सुरक्षा समिति के साथ आपातकालीन बैठक का अनुरोध किया ताकि यह बेहतर ढंग से समझा जा सके कि क्या वे कनाडाई लोगों की सुरक्षा के लिए कोई और कदम उठा सकते हैं। सिंह ने कहा, ''हम मांग करते हैं कि 'लिबरल पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार भारतीय राजनयिकों पर कड़े प्रतिबंध लगाए और भारत के हिंसक, उग्रवादी, आतंकवादी भारतीय संगठन आरएसएस को बाहर निकाले, जो कनाडा और अन्य देशों में भी सक्रिय है। उन्होंने कहा, ''ये बहुत गंभीर आरोप हैं। यही बात सामने आई है कि भारत सरकार, विशेष कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की सरकार कनाडा में राजनयिकों के माध्यम से आपराधिक तत्वों से जुड़ी हुई है जिन्होंने कनाडावासियों के घरों पर गोलीबारी की, कनाडाई लोगों के कारोबारी प्रतिष्ठानों पर गोलीबारी की, कनाडाई लोगों की हत्या की। यह बहुत गंभीर है।

हैरिस ने चुनाव प्रचार के दौरान अश्वेत लोगों से भेदभाव का मुद्दा उठाया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति पद का चुनाव करीब आने के मद्देनजर हैरिस ने अश्वेत पुरुषों में जोश भरने का काम किया जबकि ट्रंप ने जॉर्जिया में 'फॉक्स न्यूज' के एक कार्यक्रम में महिलाओं पर ध्यान केंद्रित किया। डेमोक्रेटिक पार्टी की राष्ट्रपति पद की उम्मीदवार कमला हैरिस ने भेदभावपूर्ण प्रवर्तन नीतियों से निपटने के लिए कानून लाने पर जोर देते हुए मंगलवार को आगाह किया कि रिपब्लिकन पार्टी के प्रत्याशी डोनाल्ड ट्रंप कठोर पुलिसिंग हथकंडों को ''संस्थागत'' बनाने की कोशिश करेंगे जिसका देशभर में अश्वेत पुरुषों पर प्रतिकूल असर पड़ेगा। रेडियो कार्यक्रम 'द ब्रेकफास्ट क्लब' के मेजबान चार्लामेगने से बातचीत में हैरिस ने कहा कि वह मारिजुआना को अपराध की श्रेणी से बाहर करने के लिए काम करेंगे जिसके कारण सबसे ज्यादा अश्वेत लोगों की गिरफ्तारियां होती हैं। साथ ही उन्होंने माना कि अश्वेत लोगों से रोजमर्रा की जिंदगी में नस्लीय भेदभाव किया जाता है। अमेरिकी राष्ट्रपति पद का चुनाव करीब आने के मद्देनजर हैरिस ने अश्वेत पुरुषों में जोश भरने का काम किया जबकि ट्रंप ने जॉर्जिया में 'फॉक्स न्यूज' के एक कार्यक्रम में महिलाओं पर ध्यान केंद्रित किया। इस साल राष्ट्रपति पद के चुनाव में अंतिम वोट डाले जाने से ठीक 21 दिन पहले, हैरिस और ट्रंप उन प्रमुख निर्वाचन क्षेत्रों में मतदाताओं में जोश भरने की कोशिश कर रहे हैं जहां मुकाबला कड़ा लग रहा है। वह महिलाओं को लुभाने की कोशिश कर रही हैं जबकि ट्रंप अश्वेत पुरुषों के मुद्दों पर नरमी दिखा रहे हैं जिन्होंने अतीत में डेमोक्रेटिक पार्टी का भारी समर्थन किया है।

भारत-कनाडा विवाद में अमेरिका बोला- भारत सहयोग नहीं कर रहा, जांच में मदद करे

वाशिंगटन, एजेंसी। सिख अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या के मुद्दे को लेकर भारत और कनाडा के बीच कूटनीतिक विवाद मंगलवार को और गहरा गया। कनाडा ने भारत के खिलाफ संभावित प्रतिबंधों का संकेत दिया वहीं, भारत ने कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। इस पूरे विवाद में अब अमेरिका भी कूद गया है। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कनाडा के आरोपों को गंभीर बताया और कहा कि भारत को कनाडा के साथ इसकी जांच में सहयोग करना चाहिए।

अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने संवाददाताओं से कहा, जहां तक कनाडा के आरोपों की बात है, तो हमने स्पष्ट कर दिया है कि आरोप बेहद गंभीर हैं और उन्हें गंभीरता से लेने की जरूरत है। हम चाहते हैं कि भारत सरकार कनाडा के साथ इसकी जांच में सहयोग करे। उन्होंने आगे कहा भारत ने इस मसले में एक वैकल्पिक रास्ता चुना है। गौरतलब है कि हरदीप सिंह निज्जर हत्याकांड को लेकर कनाडा के गंभीर आरोपों के बाद भारत ने सोमवार को कनाडाई राजदूतों को 19 अक्टूबर तक देश छोड़ने के आदेश दिए। साथ ही निज्जर की हत्या की जांच से अपने राजनयिक को जोड़ने के कनाडा के आरोपों को खारिज करते हुए वहां से अपने उच्चायुक्त को वापस बुलाने की घोषणा की।

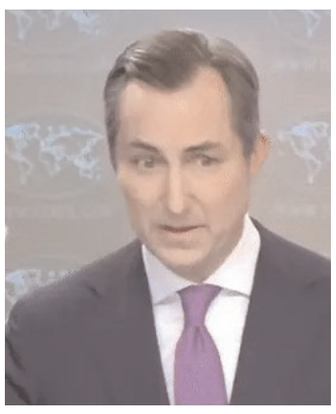

भारत ने कनाडा में आपराधिक गिरोहों से भारतीय एजेंटों को जोड़ने के कनाडाई अधिकारियों के प्रयासों को पुरजोर तरीके से खारिज किया। आधिकारिक सूत्रों ने कहा है कि कनाडा का यह दावा सच नहीं है कि उसने निज्जर मामले में भारत के साथ साक्ष्य साझा किए थे। वहीं, दोनों देशों में तनाव बढ़ने के बीच कनाडा की विदेश मंत्री मेलानी जोली ने कहा कि भारत के खिलाफ पाबंदी लगाने की संभावना बनी हुई है और हमारे पास ''सभी विकल्प विचाराधीन हैं।

3 दिन में भारत-कनाडा के बीच क्या-क्या हुआ : 13 अक्टूबर- कनाडा ने भारत को एक चिट्ठी भेजी। इसमें कहा कि भारतीय हाई-कमिश्नर संजय कुमार वर्मा और दूसरे डिप्लोमैट्स एक मामले में संदिग्ध हैं। कनाडा ने मामले की जानकारी नहीं दी, पर इसे निज्जर मामले से जोड़कर देखा गया। 14 अक्टूबर- भारत ने अपने डिप्लोटमैट्स को संदिग्ध बताए जाने पर विरोध जताया और कनाडा के राजदूत को तलब किया। कुछ ही घंटों बाद भारत ने संजय कुमार वर्मा और दूसरे डिप्लोमेट्स को वापस बुला लिया। देर रात खबर आई की कनाडा ने भी भारत से अपने 6 राजदूतों को वापस आने का आदेश दिया है। 15 अक्टूबर- कनाडा के प्रधानमंत्री ने निज्जर की हत्या में भारतीय एजेंट्स के सीधे तौर पर शामिल होने का आरोप लगाया। दावा- अमित शाह के इशारे पर खालिस्तानियों पर हमला हुआ अमेरिकी मीडिया हाउस वॉशिंगटन पोस्ट ने दावा किया है कि गृह मंत्री अमित शाह और रॉ एजेंसी ने मिलकर कनाडा में खुफिया जानकारी इकट्ठा करने और खालिस्तानी आतंकियों पर हमले की इजाजत दी थी। वॉशिंगटन पोस्ट ने एक कनाडाई अधिकारी के हवाले से बताया कि भारतीय डिप्लोमैट्स कई लोगों पर कनाडा जाने की इजाजत के बदले खुफिया जानकारी देने का दबाव बनाते थे। इस काम का नेतृत्व कनाडा में भारत के हाई कमिश्नर संजय वर्मा करते थे। रिपोर्ट के मुताबिक 12 अक्टूबर को कनाडा के एनएसए ने भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल को एक मीटिंग में इसकी जानकारी भी दी थी।

यूक्रेनी सेना में भर्ती के लिए छापेमारी-बार, रेस्टोरेंट से लेकर शादी समारोह तक में रेड

कीव, एजेंसी। सैनिकों की कमी से जूझ रही यूक्रेनी सेना अब शादी समारोह, नाइट क्लब, बार, रेस्टोरेंट और कॉन्सर्ट हॉल जैसी जगहों पर छापे मार रही है। दरअसल, यूक्रेन ने जंग की शुरुआत के बाद से ही पुरुषों के लिए सेना में शामिल होना अनिवार्य कर दिया था। इसके लिए इस साल अप्रैल में युवाओं से पंजीयन कराने के लिए कहा गया था। इस आदेश के बाद से यूक्रेन के युवा सेना में शामिल होने से बचने की कोशिशों में लगे हुए हैं। यूक्रेन फरवरी 2022 से रूस के साथ जंग लड़ रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इस जंग में यूक्रेन करीब 80 हजार सैनिकों की मौत हो चुकी है। इस वजह से सैनिकों की कमी हो गई, जिसके चलते यूक्रेन नए सैनिकों की भर्ती कर रहा है। यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की का कहना है कि सेना में कम से कम 5 लाख युवाओं की भर्ती करने की जरूरत है। राजधानी कीव में सेना के लिए पंजीयन नहीं कराने वाले युवाओं की पहचान के लिए सेना के छापे आम हो गए है। स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार सेना का ये अभियान मुख्य रूप से युवाओं के सैन्य पंजीकरण दस्तावेजों की जांच और नियमों का उल्लंघन करने वालों को गिरफ्तार करने के लिए है।

गाजा में पोलियो टीकाकरण अभियान का दूसरा दौर शुरू, करीब 6 लाख बच्चों को दी जाएगी खुराक, संयुक्त राष्ट्र

वाशिंगटन, एजेंसी। इजरायली हमलों में तबाह हो चुके गाजा में पोलियो टीकाकरण अभियान का दूसरा चरण शुरू हो गया है। संयुक्त राष्ट्र के मानवीय कार्यकर्ताओं ने बताया कि अभियान गाजा पट्टी के मध्य क्षेत्र में शुरू हुआ। समाचार एजेंसी सिन्हुआ के अनुसार, मानवीय मामलों के समन्वय के लिए संयुक्त राष्ट्र कार्यालय (ओसीएचए) ने सोमवार को कहा कि दो सप्ताह से भी कम समय में, यूएनआरडब्ल्यूए (फिलिस्तीनियों के लिए संयुक्त राष्ट्र राहत एजेंसी), विश्व स्वास्थ्य संगठन और संयुक्त राष्ट्र बाल कोष का लक्ष्य 10 वर्ष से कम आयु के लगभग 5,90,000 बच्चों को नोवल ओरल पोलियो वैक्सीनेशन की दूसरी खुराक देना है। टीकाकरण का पहला चरण 1 से 12 सितंबर तक लागू किया गया था, जिसमें 5,59,000 से अधिक बच्चों तक पहुंचा गया। पहले दौर की तरह, दूसरे दौर में भी तीन चरण होंगे, जिनमें से प्रत्येक में तीन अभियान दिवस और एक कैच-अप दिवस शामिल होगा। गाजा में अल अक्सा अस्पताल के पास विस्थापित लोगों के टेंटों पर रविवार रात को इजरायली हमले पर प्रतिक्रिया देते हुए, संयुक्त राष्ट्र के कार्यवाहक अवर महासचिव जॉयस मसूया ने कहा कि फिलिस्तीनियों को जो परेशानियां झेलनी पड़ रही है, उसका कोई अंत नहीं है। एक बयान में, मसूया ने कहा कि गाजा में लोगों के लिए वास्तव में कोई सुरक्षित स्थान नहीं है। उन्होंने अत्याचारों को समाप्त करने, नागरिकों और सिविलियन इंफ्रास्ट्रक्चर की सुरक्षा की मांग की। बता दें इस हमले में कई लोगों की जलकर मौत हो गई, जबकि महिलाओं और बच्चों सहित कई अन्य लोग गंभीर रूप से झुलस गए। इससे कुछ घंटे पहले नुसेरात में एक स्कूल में बने शेल्टर पर हमला हुआ था, जिसमें कथित तौर पर 20 से अधिक लोगों की मौत हो गई थी और कई अन्य घायल हो गए थे।

ऑस्ट्रेलियाई सरकार की ट्रेवल एडवाइजरी - छोड़ दें इजरायल

कैनबरा, एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया सरकार ने इजरायल और फिलिस्तीन के लिए अपनी ट्रेवल एडवाइजरी को अपग्रेड किया है। लोगों से कहा गया कि वे इस क्षेत्र की यात्रा न करें। इसके साथ ही इजरायल में मौजूद ऑस्ट्रेलियाई नागरिकों से देश छोड़ने अपील की गई। समाचार एजेंसी सिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार, विदेश मामलों और व्यापार विभाग ने सोमवार रात को इजरायल और कब्जे वाले फिलिस्तीनी क्षेत्रों के लिए आधिकारिक ट्रेवल एडवाइजरी में बदलाव कर उसे उच्चतम चेतावनी स्तर पर पहुंचा दिया। सरकार की स्मार्टट्रैवलर सर्विस के जरिए भेजे गए अपडेट में, विभाग ने कहा कि अब वह ऑस्ट्रेलिया के लोगों को अस्थिर सुरक्षा स्थिति, सशस्त्र संघर्ष, नागरिक अशांति और आतंकवाद के कारण दोनों क्षेत्रों में यात्रा न करने की सलाह देता है। अपडेट में कहा गया, यदि आप इजरायल में हैं, तो आपको कमर्शियल फ्लाइट्स उपलब्ध रहने, सीमा पार करने के रास्ते खुले रहने और ऐसा करना सुरक्षित होने तक वहां से चले जाना चाहिए। सोशल मीडिया पर पोस्ट किए गए एक बयान में, विदेश मंत्री पेनी वोंग ने कहा कि सरकार को इस बात की गंभीर चिंता है कि इजरायल और कब्जे वाले फिलिस्तीनी क्षेत्रों में सुरक्षा की स्थिति तेजी से बिगड़ सकती है। विभाग ने ऑस्ट्रेलियाई नागरिकों और क्षेत्र में स्थायी निवासियों को क्राइसिस रजिस्टर्ड पोर्टल पर रजिट्रेशन करने की सलाह दी।

अमेरिका का दुश्मनों से ज्यादा सहयोगियों ने फायदा उठाया, चुनाव से पहले यूरोपीय संघ पर ट्रंप ने कसा तंज

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में अगले महीने राष्ट्रपति चुनाव होने वाला है। इस चुनाव को लेकर रिपब्लिकन उम्मीदवार डोनाल्ड ट्रंप और डेमोक्रेटिक पार्टी की कमला हैरिस के बीच कांटे की टक्कर है। इस बीच ट्रंप ने ट्रंप ने अमेरिका के सहयोगी देशों को लेकर एक टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि अमेरिका के दुश्मनों से ज्यादा उसके सहयोगियों ने इसका फायदा उठाया है। सहयोगी से उनका मतलब यूरोपीय संघ से है।

ट्रंप ने कहा, हमारे दुश्मनों से ज्यादा सहयोगियों ने हमारा फायदा उठाया। हमारे सहयोगी यूरोपीय संघ है। यूरोपीय संघ के साथ हमारा व्यापार घाटा 300 अरब अमेरिकी डॉलर का है। उन्होंने आगे कहा, हमारे बीच व्यापार सौदे इतने खराब थे कि मैंने पूछा कि वे कौन हैं, जो ऐसा कर रहे हैं। या तो वे बहुत मूर्ख है या फिर उन्हें इसके लिए भुगतान मिल रहा है। ट्रंप ने कहा, मैंने चीन पर 27.5 प्रतिशत का टैरिफ लगाया। अगर ऐसा नहीं करता तो हम चीनी कारों से भर जाते। हमारी सभी फैक्टरियां बंद हो जाती। ऑटो इंडस्ट्री में हमारे पास नौकरी नहीं होती। यह बिजली पर निर्भर करती है, जैसा कि मैंने समझाया। मैंने दक्षिण कोरिया पर टैरिफ लगाया, क्योंकि वे ट्रक से इसे भेज रहे थे। रिपब्लिकन पार्टी के उम्मीदवार ने आगे कहा, क्या आप जानते हैं कि हमारी कार कंपनियां छोटे ट्रक और एसयूवी से पैसा कमाती है। अगर मैंने टैरिफ हटा दिए तो आप परेशान हो जाएंगे। प्रत्येक कार कंपनी व्यवसाय से बाहर हो जाएगी। पुतिन के साथ अपने संबंधों का किया

बचाव रूस को लेकर सवाल किए जाने पर डोनाल्ड ट्रंप ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को लेकर अपने संबंधों का बचाव किया। टैरिफ पर उन्होंने कहा कि भारत एक मजबूत देश है। ट्रंप ने कहा, भारत एक मजबूत देश है। यह केवल चीन नहीं है। मैं कहना चाहूंगा कि चीन बहुत मजबूत देश है। क्या आपको मालूम है कि सबसे कठिन क्या है? यूरोपीय संघ, हमारे खूबसूरत और अद्भुत यूरोपीय देश। अगर आप इन्हें एकसाथ कर लें तो यह बिलकुल हमारे आकार के हैं। वे हमारे साथ बहुत बुरा व्यवहार करते हैं। ट्रंप ने कहा, हम कंपनियों को वापस लाएंगे। हम उन कंपनियों के लिए टैक्स को और कम करने जा रहे हैं जो अमेरिका में अपना उत्पाद बनाने जा रही है। उन्होंने आगे कहा कि वे इन कंपनियों को मजबूत टैरिफ से बचाने जा रहे हैं, क्योंकि वे टैरिफ में विश्वास रखते हैं।

रूस को मदद का आरोप, यूरोप जाने वाली ईरान की इकलौती फ्लाइट पर लगा ब्रेक : मास्को, एजेंसी। ईरान के इजराइल पर हमला करने के बाद से पश्चिमी देश भड़के हुए हैं. इस हमले के बाद अमेरिका और यूरोपीय यूनियन ने ईरान पर लगे प्रतिबंधों का दायरा और बढ़ा दिया है. जिसके बाद ईरान बाहरी दुनिया से और ज्यादा कट गया है. इसके अलावा ये प्रतिबंध यूक्रेन के खिलाफ रूस को मिसाइल देने के आरोप में भी लगाए जा रहे हैं. ईरानी अधिकारियों ने मंगलवार को जानकारी दी कि यूरोपीय संघ के देशों को जाने वाली एकमात्र ईरानी एयरलाइन 'ईरान एयर' ने यूरोपीय संघ की ओर से लगाए गए नए प्रतिबंधों के बाद यूरोप के लिए अपनी सेवाएं निलंबित कर दी हैं. ईरानी एयरलाइंस एसोसिएशन के डायरेक्टर मकसूद असादी समानी ने कहा, ईरान एयर हमारे देश की एकमात्र एयरलाइन थी जो यूरोप के लिए उड़ान भरती थी और ईरान एयर के खिलाफ यूरोपीय संघ के नए प्रतिबंधों को देखते हुए, अब एक भी ईरानी फ्लाइट यूरोप नहीं जा पाएगी।

भारत से लौटते ही मुइज्जू ने बदल डाली सरकार ! 7 मंत्रियों-43 उपमंत्रियों को हटाया

माले, एजेंसी। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने भारत से लौटने के बाद अपनी सरकार में बड़ा फेरबदल किया है। भारत से आर्थिक पैकेज लेकर लौटते ही मुइज्जू ने अपनी सरकार के सात राज्य मंत्री, 43 उपमंत्री, 109 वरिष्ठ राजनीतिक निदेशक और 69 राजनीतिक निदेशकों को बाहर का रास्ता दिखा दिया। उनका मानना है कि इससे सरकारी खजाने में बड़ी बचत होगी। इसके पीछे मकसद सरकारी खर्च कम करना है। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने मंगलवार को राजकोषीय और बाहरी असंतुलन को दूर करने, निवेशकों का विश्वास बनाने और मध्यम अवधि में ऋण को कम करने के लिए प्रमुख लागत-कटौती सुधार की घोषणा की। राष्ट्रपति के आधिकारिक एक्स अकाउंट के माध्यम से इस निर्णय को जनता के साथ साझा किया। मुइज्जू ने एक्स पर लिखा, आर्थिक सुधार एजेंडे के भाग के रूप में,

प्रत्यक्ष लागत-कटौती उपाय के रूप में मैंने आज अगले 15 दिनों के भीतर विभिन्न सरकारी मंत्रालयों से 228 राजनीतिक नियुक्तियों को हटाने का निर्देश दिया है। इसमें 7 राज्य मंत्री, 43 उप मंत्री, 109 वरिष्ठ राजनीतिक निदेशक और 69 राजनीतिक निदेशक शामिल हैं। इससे सरकारी बजट से प्रति माह 5।714 मिलियन आरएफ की बचत होगी। तब भारत ने दिया था बड़ा पैकेज वर्ल्ड बैंक ने हाल ही में कहा था कि मालदीव की आर्थिक हालत काफी तेजी से खराब हो रही है। वहां की अर्थव्यवस्था कई तरह की चुनौतियों का सामना कर रही है। ऐसे में मालदीव को तुरंत आर्थिक सुधारों की जरूरत है। इसी के बाद मुइज्जू भारत आए और आर्थिक पैकेज की मांग की। भारत ने उन्हें 400 मिलियन डॉलर का पैकेज दिया है। भारत से लौटने के बाद मुइज्जू आर्थिक हालात को सुधारने के लिए लगातार कड़े फैसले ले रहे हैं। सरकारी मंत्रालयों, राष्ट्रपति कार्यालय, राष्ट्रपति और उपराष्ट्रपति निवास में काम करने वालों की संख्या में कटौती की गई है। कर्ज के बोझ तले डूबा मालदीव मालदीव बजट घाटे और कर्ज के बोझ से जूझ रहा है। विदेशी मुद्रा भंडार 440 मिलियन डॉलर तक गिर जाने के कारण उसे कर्ज चुकाने में दिक्कत हो रही है। पूर्व राष्ट्रपति अब्दुल्ला यामीन के कार्यकाल के दौरान मालदीव ने चीन से भारी उधार लिया था। अभी भी चीन का मालदीव पर 1।37 बिलियन डॉलर बकाया है। मालदीव को पता है कि उसे सिर्फ भारत ही इस मामले में मदद कर सकता है।

हिजबुल्ला ने इस्राइल पर दागे 50 से ज्यादा रॉकेट; अमेरिका ने दी हथियारों की सप्लाई रोकने की धमकी

तेल अवीव, एजेंसी। इस्राइली सेना ने कहा है कि लेबनान की तरफ से बीती रात उनके साफेद इलाके में 50 से ज्यादा रॉकेट्स दागे। हालांकि इन हमलों में किसी बड़े नुकसान की खबर नहीं है। इस्राइली सेना ने बताया कि देर रात करीब 1.40 बजे के करीब लेबनान की तरफ से हमला हुआ। हालांकि अधिकतर रॉकेट को इस्राइल की हवाई सुरक्षा द्वारा हवा में ही तबाह कर दिया गया। कुछ रॉकेट रिहायशी इलाकों में गिरे, लेकिन उनसे भी कुछ खास नुकसान नहीं हुआ। हिजबुल्ला ने एक बयान जारी कर इस हमले की जिम्मेदारी ली है।

आतंकी हमले में एक पुलिसकर्मी की मौत : इस्राइल के तटीय शहर अशोद में मंगलवार को हुए एक आतंकी हमले में एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई और चार अन्य लोग घायल हो गए। दरअसल मंगलवार को एक आतंकी ने लोगों पर अचानक गोलीबारी शुरू कर दी। इस गोलीबारी में फर्स्ट सार्जेंट आदिर कदोश (33) गंभीर रूप से घायल हो गए और अस्पताल ले जाते हुए उनकी मौत हो गई। आतंकी की पहचान 28 साल के मोहम्मद दारदौना के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि आतंकी गाजा के जाबालिया का निवासी था और फिलहाल वेस्ट बैंक में रह रहा था। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, आरोपी पैदल ही इस्राइली इलाके में दाखिल हुआ और जब पुलिस ने उसे देखकर रुकने का इशारा किया तो उसने पुलिस पर फायरिंग कर दी।

एक एंबुलेंस ड्राइवर ने आतंकी को गोली मार दी।

अमेरिका ने इस्राइल को दी चेतावनी : व्हाइट हाउस ने इस्राइल को चेतावनी दी है कि अगर एक महीने में गाजा में मानवीय मदद को बेहतर नहीं किया गया तो वह इस्राइल को हथियारों की सप्लाई रोक देंगे। अमेरिका ने कहा कि हाल के महीनों में गाजा में भेजी जा रही मानवीय मदद में कमी आई है। इस्राइली मीडिया के अनुसार, अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन और रक्षा मंत्री लॉयड ऑस्टिन ने इस्राइल की सरकार को एक चिट्ठी लिखी है, जिसमें बीते कुछ महीनों में गाजा पट्टी में भेजी जा रही राहत सामग्री में कमी को लेकर नाराजगी जताई गई है।

बिलावल भुट्टो ने की भारत-पाकिस्तान वार्ता की वकालत

इस्लामाबाद, एजेंसी। विदेश मंत्री एस जयशंकर शंघाई आयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए इन दिनों पाकिस्तान की यात्रा पर हैं। इस बीच पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने भारत के साथ द्विपक्षीय वार्ता की वकालत की है। भारत ने इस्लामाबाद में चल रहे एससीओ शिखर सम्मेलन के दौरान ऐसी किसी संभावना से इनकार किया है। एआरवाई न्यूज को दिए एक इंटरव्यू में पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) के अध्यक्ष ने दोनों देशों से एससीओ बैठक के दौरान बातचीत करने का आग्रह किया है।

उन्होंने सवाल किया, इतना कठोर क्यों होना चाहिए? दोनों देशों को शिखर सम्मेलन के दौरान द्विपक्षीय वार्ता करने के बारे में सोचना चाहिए। आज हो या कल, दोनों देशों को जल्द द्विपक्षीय वार्ता फिर से शुरू करनी होगी। आपको बता दें कि भारत ने पाकिस्तान द्वारा सीमा पार आतंकवाद की समस्या को हल किए बिना किसी भी तरह की वार्ता से साफ इनकार कर दिया है।

मंगलवार को पाकिस्तान के पूर्व अंतरिम प्रधानमंत्री अनवार-उल-हक काकर ने कहा कि भारत के साथ अपने संबंधों में सुधार देखने के लिए पाकिस्तान में गहरी इच्छा है। काकर ने कहा कि पाकिस्तान की सेना, राजनीतिक दल और देश के कई अन्य वर्ग नई दिल्ली और इस्लामाबाद के बीच संबंधों में आगे की गति चाहते हैं। हालांकि, इसकी जमीनी हकीकत का एहसास भी जरूरी है। भारतीय मीडिया के द्वारा पूछे गए एक सवाल

का जवाब देते हुए उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि द्विपक्षीय संबंधों में कोई सफलता मिलने की कोई उम्मीद है।

उनसे पूछा गया कि अगर पाकिस्तान द्विपक्षीय संबंधों को बेहतर बनाना चाहता है तो उसने दोनों देशों के विदेश मंत्रियों के बीच बैठक का प्रस्ताव क्यों नहीं रखा। इसके जवाब में काकर ने कहा कि अगर ऐसा कोई कदम उठाया जाता है तो पाकिस्तान के विपक्षी दलों की आलोचना का सामना करने से भी आशंकित है। उन्होंने कहा कि अगर वर्तमान राजनीतिक माहौल में कोई भी एक इंच भी पीछे हटता है, तो उसका खामियाजा भुगतना पड़ सकता है। काकर ने पाकिस्तान और भारत के बीच संबंधों में सुधार की जोरदार वकालत करते हुए कहा कि दोनों पक्षों को इसके लिए तरीके खोजने चाहिए। आपको बता दें कि विदेश मंत्री एस जयशंकर बुधवार को एससीओ काउंसिल ऑफ हेड्स ऑफ गवर्नमेंट (सीएचजी) शिखर सम्मेलन में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व करेंगे।

भारत-पाकिस्तान के संबंध : भारत और पाकिस्तान के बीच संबंध तब गंभीर तनाव में आ गए थे जब फरवरी 2019 में पुलवामा आतंकी हमले के जवाब में भारत के लड़ाकू विमानों ने पाकिस्तान के बालाकोट में जैश-ए-मोहम्मद के आतंकवादी प्रशिक्षण शिविर पर हमला किया था। 5 अगस्त 2019 को भारत द्वारा जम्मू-कश्मीर की विशेष शक्तियों को वापस लेने और राज्य को दो केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित करने की घोषणा के बाद संबंध और भी खराब हो गए।

संक्षिप्त डायरी

रीडिंग स्कूल 2024 का अवार्ड ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल उकलाना मंडी के नाम

संस्कार उजाला
हरियाणा/हिसार(गरिमा) : दौलतपुर रोड स्थित ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल उकलाना मंडी को प्राइमरी प्लस फाउंडेशन दिल्ली ने रीडिंग स्कूल अवार्ड से सम्मानित किया ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल को स्कूल की पढ़ाई की गुणवत्ता एवं बच्चों को किताबों को पढ़ने के बारे में जागरूक करने के लिए उनकी काल्पनिक सोच को किताबों के माध्यम से बच्चों की सोच को बढ़ावा देने के लिए, प्राइमरी प्लस दिल्ली की संस्था ने ₹2024 रीडिंग स्कूल के अवार्ड₹ से सम्मानित किया जिसमें यह सम्मान चिन्ह इस संस्था की तरफ से श्रीमान दीपक धीमान हिसार से ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल को देने आए रीडिंग टॉर्च के नाम से यह अवार्ड कार्यक्रम 4 सितंबर 2024 को इंडिया हैबिटेट सेंटर दिल्ली में संपन्न किया गया था ऑक्सफोर्ड स्कूल के अध्यक्ष डॉक्टर सतीश भारती जी ने प्राइमरी प्लस का धन्यवाद किया\

शपथ समारोह में पंचकूला पहुंचेंगे हजारों समर्थक

संस्कार उजाला
हरियाणा/हिसार (गरिमा) : भाजपा जिला मीडिया प्रभारी कृष्ण खटाणा ने कहा है कि कल भाजपा सरकार मंत्री मंडल शपथ ग्रहण भव्य समारोह पंचकूला में होगा। जिसमें हिसार जिला से भारी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता व समर्थक अपनी भागीदारी करेंगे। उन्होंने बताया कि इस समारोह में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी गृह मंत्री अमित शाह अन्य प्रदेशों के भाजपा मुख्य मंत्री व राष्ट्रीय व प्रदेश स्तरीय वरिष्ठ नेता भाग लेंगे। मीडिया प्रभारी ने बताया कि शपथ समारोह में पहुंचने के लिए लोगो में भारी उत्साह है। तीसरी बार भाजपा सरकार बनने की खुशी भाजपा कार्यकताओं में विशेष ऊर्जा का संचार कर रही है। उन्होंने हिसार जिले की जनता से आह्वान करते हुए कहा कि भारी संख्या में शपथ समारोह में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करे।

गेहूं व सरसों सहित छह रबी फसलों का समर्थन मूल्य बढ़ाना स्वागत योग्य : अशोक सैनी

केन्द्र सरकार ने देश के अन्नदाताओं के हित में उठाया बड़ा कदम, लाखों किसान होंगे लाभांवित

संस्कार उजाला
हरियाणा/हिसार(गरिमा) : भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष अशोक सैनी ने केन्द्र सरकार द्वारा गेहूं, सरसों सहित छह रबी फसलों का समर्थन मूल्य बढ़ाए जाने का स्वागत किया है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार ने फसलों का समर्थन मूल्य बढ़ाकर किसानों के लिए राहत भरा बड़ा कदम उठाया है। जिला अध्यक्ष अशोक सैनी ने कहा कि जब से केन्द्र में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा सरकार बनी है, तब से लगातार किसानों के हित में फैसले लिए जा रहे हैं। उन्होंने केन्द्र के फैसले का हवाला देते हुए बताया कि वर्ष 2025-26 के लिए गेहूं का समर्थन मूल्य 150 रुपये बढ़ाकर 2425 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है। इसी तरह जौ के समर्थन मूल्य में 130 रुपये बढ़ाकर 1980 रुपये, चना का समर्थन मूल्य 250 रुपये बढ़ाकर 5650 रुपये, सरसों का समर्थन मूल्य 300 रुपये बढ़ाकर 5950 रुपये, मसूर का समर्थन मूल्य 275 रुपये बढ़ाकर 6700 रुपये व कुसुम का समर्थन मूल्य 140 रुपये बढ़ाकर 5940 रुपये कर दिया गया है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार के इस फैसले से देशभर के किसानों को भारी आर्थिक लाभ होगा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी कहा है कि इस फैसले के बाद किसानों का जीवन और आसान होगा। किसानों वर्ग के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी लगातार बड़े फैसले लेने में लगे हैं। उन्होंने गेहूं व सरसों सहित छह रबी फसलों का समर्थन मूल्य बढ़ाए जाने का स्वागत करते हुए इसके लिए किसान वर्ग को बधाई दी और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का आभार जताया। भाजपा विधानसभा चुनाव मीडिया इंचार्ज राजेन्द्र सपड़ा एवं अन्य पदाधिकारियों ने भी रबी फसलों का समर्थन मूल्य बढ़ाए जाने का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि देश के अन्नदाताओं के हित में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने यह ऐतिहासिक फैसला लिया है, जो सराहनीय है।

अनिल विज ने लगाई मंत्री पद की हैट्रिक, बैंक की नौकरी छोड़ सुषमा स्वराज की सीट से लड़े थे पहले चुनाव...

चंडीगढ़ । नायब सिंह सैनी गुरुवार को लगातार दूसरी बार हरियाणा के मुख्यमंत्री बन गए हैं। सैनी के साथ उनके कैबिनेट मंत्रियों ने भी शपथ ली। अपनी दबंग और गब्बर की छवि के रूप में जाने और पहचाने जाने वाले प्रदेश के पूर्व गृह मंत्री अनिल विज ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह समेत बीजेपी और एनडीए के प्रमुख नेताओं की मौजूदगी में मुख्यमंत्री नायब सैनी के बाद दूसरे नंबर पर शपथ ली।

हालांकि किस मंत्री को इस बार कौन सा विभाग दिया जाएगा, इसका फैसला बाद में होगा, लेकिन अनिल विज एक ऐसा नाम है, जिसे हरियाणा का हर शख्स जानता और पहचानता है। अंबाला से लगातार सातवीं बार विधायक चुने गए अनिल विज अपनी बेबाकी के लिए जाने जाते हैं। पंचकूला के सेक्टर 5 के परेड ग्राउंड में हुए शपथ ग्रहण से पहले ही अनिल विज ने बताया दिया था कि उन्हें मंत्री पद के लिए फोन आया है। एक दिन पहले उन्होंने कहा था कि पार्टी जो दायित्व देगी उसको निष्ठा के साथ निभाएंगे।

छात्र राजनीति से जुड़े

गुरुवार को शपथ ग्रहण समारोह में अनिल विज अपने परिवार के साथ पहुंचे। अनिल विज का जन्म 15 मार्च 1953 को हरियाणा में हुआ। वह पहले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की छात्र शाखा में थे। अनिल विज ने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के जरिए छात्र राजनीति में कदम रखा। वह एसडी कॉलेज, अंबाला कैंट में पढ़ते हुए राजनीति में एक्टिव रहे। 1970 में एबीवीपी ने अनिल विज को महासचिव बनाया।

बैंक में की नौकरी

अनिल विज ने विश्व हिंदू परिषद, भारत विकास परिषद बीएमएस और ऐसे अन्य संगठनों के साथ सक्रिय रूप से काम किया। अनिल विज विज 1974 में भारतीय स्टेट बैंक में नौकरी करने लगे लेकिन बीजेपी से जुड़े रहे।

सुषमा स्वराज की जगह लड़े उपचुनाव

1990 में जब सुषमा स्वराज राज्यसभा के लिए चुनी गईं तो अंबाला छावनी की सीट खाली हो गई। अनिल विज ने बैंक की नौकरी से इस्तीफा दे दिया और सुषमा स्वराज की सीट से उपचुनाव लड़े। अनिल विज यह उपचुनाव जीत गए।

करीब 34 साल पहले 27 मई 1990 को तत्कालीन सातवीं हरियाणा विधानसभा में दो रिक्त हुई सीटों पर उपचुनाव हुए थे। उस समय ओम प्रकाश चौटाला मुख्यमंत्री हुआ करते थे। तब दडवा कला हलके से जनता दल की टिकट पर पूर्व मुख्यमंत्री ओम प्रकाश चौटाला और अंबाला कैंट से अनिल कुमार विज विधायक निर्वाचित हुए थे। तब अनिल विज की आयु 37 वर्ष की थी। बैंक की नौकरी छोड़कर राजनीति में आए अनिल विज 2019 में हुए 14वीं विधानसभा के चुनाव में लगातार तीसरी बार और कुल छठी बार अंबाला छावनी से चुनाव जीते थे।

अगर अंबाला छावनी का इतिहास जाना जाए तो करीब 57 वर्ष पूर्व ज्वाइंट पंजाब से अलग होने के बाद एक नवंबर 1966 को हरियाणा नया राज्य बना था। 13 विधानसभा चुनावों और एक उपचुनाव में अंबाला छावनी से सात बार भारतीय जनसंघ, जनता पार्टी, वर्तमान भाजपा और पांच बार कांग्रेस ने विजयश्री हासिल की। दो बार यहां से निर्दलीय उम्मीदवार के रुप में अनिल विज भी जीते हैं। सर्व प्रथम 1967 में हुए चुनाव में यहां से देवराज आनंद भारतीय जनसंघ के पी नाथ को हराकर अंबाला छावनी से पहले विधायक बने थे।

उल्लेखनीय है कि भाजपा की तेज तर्रार और राष्ट्रीय नेता के रूप में छवि रखने वाली सुषमा स्वराज हरियाणा से संबंधित है तथा 1987 में विधानसभा के आम चुनाव में अंबाला छावनी से ही विधायक और मंत्री बनी थी। अप्रैल 1990 में सुषमा स्वराज को राज्यसभा के लिए निर्वाचित किया गया था, जिसके चलते उन्हें विधायक के पद से इस्तीफा देना पड़ा था। भाजपा की इस दिवंगत नेत्री ने 1977 व 1987 में पहले जनसंघ और फिर भाजपा की टिकट पर अंबाला से चुनाव लड़ा और जीत हासिल की। जनसंघ को अंबाला छावनी की सीट सबसे पहले 1968 में मिली, जब जनसंघ में उम्मीदवार रहे भगवान दास सहगल ने देव राज आनंद को पराजित किया था। अनिल विज को 1991 में सातवीं हरियाणा विधानसभा समय से पूर्व भंग हो जाने पर फिर से चुनाव लड़ना पड़ा और जून 1991 में अनिल विज भाजपा की टिकट पर यहां विजय रहे थे।

बदलती राजनीतिक परिस्थितियों में उस समय के हालात के अनुसार अनिल विज को भाजपा से किनारा करना पड़ा और एक अप्रैल 1996 तथा फरवरी 2000 में हुए दो विधानसभा चुनावों में निर्दलीय के रूप में अंबाला कैंट से विधायक बने। 2005 में विधानसभा के आम चुनाव में अनिल विज 615 वोट से अपनी हैट्रिक बनाने से चूक गए। 2007 में उन्होंने विकास परिषद के नाम से अपनी एक अलग राजनीतिक पार्टी भारतीय चुनाव आयोग से पंजीकृत करवाई। 2009 में हरियाणा विधानसभा के आम चुनाव से पहले भाजपा के राष्ट्रीय नेतृत्व द्वारा उन पर फिर से भरोसा जताया गया और उन्हें भाजपा की टिकट दी गई। विज 2009, 2014, 2019 में लगातार तीन बार विधायक बने और अपनी हैट्रिक लगाई। अब 2024 में विज ने अंबाला कैंट से लगातार चौथी बार और कुल सातवीं बार जीत दर्ज की है।

सीएम सैनी के शपथ लेने के बाद पर दुष्यंत चौटाला का बयान, कर दी ये मांग...बोले- मुझे पूरा भरोसा है कि आप...

चंडीगढ़। पूर्व डिप्टी सीएम दुष्यंत चौटाला ने नायब सिंह सैनी को सीएम के रूप में शपथ लेने पर बधाई दी है। दुष्यंत ने सीएम सैनी के कैबिनेट सहयोगियों को भी बधाई दी है। दुष्यंत पूर्ववर्ती मनोहर लाल खट्टर सरकार में डिप्टी सीएम रहे हैं। हालांकि चुनावी साल में जेजेपी का बीजेपी से गठबंधन टूट गया था।

माननीय श्री नायब सिंह सैनी @NayabSainiBJP जी को हरियाणा के मुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण करने पर हार्दिक शुभकामनाएँ। मुझे पूरा भरोसा है कि आप प्रदेश में एक समान विकास एवं प्रगति बनाये रखेंगे तथा सभी वर्गों को साथ लेकर चलेंगे।

दुष्यंत चौटाला ने 'एक्स' पर लिखा, 'माननीय श्री नायब सिंह सैनी जी को हरियाणा के मुख्यमंत्री पद की शपथ ग्रहण करने पर हार्दिक शुभकामनाएं. मुझे पूरा भरोसा है कि आप प्रदेश में एक समान विकास एवं प्रगति बनाये रखेंगे तथा सभी वर्गों को साथ लेकर चलेंगे।

उन्होंने आगे लिखा, 'हरियाणा विधानसभा में मेरे साथी रहे, श्री अनिल विज जी, श्री महिपाल ढांडा जी, श्री रणबीर सिंह गंगवा जी को मंत्रिपद की शपथ ग्रहण करने पर हार्दिक शुभकामनाएं। मुझे उम्मीद है कि आपके अनुभव एवं योग्यता से प्रदेश की उन्नति एवं प्रगति को गति मिलेगी। दुष्यंत चौटाला की पार्टी ने चंद्रशेखर आजाद की पार्टी के साथ गठबंधन कर विधानसभा का चुनाव लड़ा था लेकिन दोनों पार्टियां अपना खाता भी नहीं खोल पाईं. यहां तक कि दुष्यंत चौटाला भी उचाना कलां से चुनाव हार गए। दुष्यंत के भाई को भी हार का मुंह देखना पड़ा। पिछले चुनाव में जेजेपी ने 10 सीटें जीती थीं।

घरौंडा से इस विधायक ने खोला राज, जानिए किस दम पर बीजेपी ने लगाई हैट्रिक ?

चंडीघढ़। हरियाणा में पहली बार लगातार तीसरी बार सरकार बनाकर बीजेपी ने एक रिकॉर्ड बना डाला है। ऐसे में बीजेपी और एनडीए के सहयोगी दलों में खुशी का माहौल है। वहीं, भारतीय जनता पार्टी के नेता और चुने गए विधायक इसे पार्टी की नीतियों की जीत बता रहे हैं। बीजेपी की तरह ही घरोंडा से लगातार तीसरी बार जीत की हैट्रिक लगाने वाले हरविंद्र कल्याण से हमने खास बातचीत की।

सवाल :-हरविंद्र कल्याण अपनी हैट्रिक का श्रेय किसे देंगे ?

जवाब :-भारतीय जनता पार्टी की नीतियों को। भारतीय जनता पार्टी की सरकार ने 10 सालों में जिस प्रकार से पूरे देश को मजबूत करने का काम किया है। हरियाणा प्रदेश में जो 10 वर्षों में बदलाव आए है। चाहे वह व्यवस्था परिवर्तन हो, चाहे पारदर्शिता हो और गरीब को पैरों पर खड़ा करने के लिए अंत्योदय को लेकर जो समर्पण है। मैं कहूंगा एक तरफ विकास और एक तरफ समाज की भलाई के काम यह बीजेपी ने पिछले 10 सालों में जो बदलाव किए हैं। निश्चित रूप से समाज के हर वर्ग में एक विश्वास पैदा हुआ है। बीजेपी के प्रति और उसी का परिणाम है कि तीसरी बार स्पष्ट बहुमत की सरकार हरियाणा में बनी।

सवाल :-जनता ने जो बहुमत का संदेश दिया, इसके क्या कारण रहें ?

जवाब :-देखिए, बीजेपी के प्रति विश्वास और एक आमजन की एक सोच कि जितने भी भलाई और विकास के कार्य है। यभी कार्य आगे बढ़ने चाहिए, क्योंकि 10 साल में हर वर्ग के लिए बीजेपी सरकार ने किए है, उनसे कहीं ना कहीं जनता को लाभ पहुंचा है। लोगों को योजनाएं बहुत सरलता से मिल रही है। पारदर्शिता बढ़ी है। बिना पर्ची-बिना खर्ची नौकरियों को योग्यता के आधार पर बढ़ावा देने का काम किया गया है। समाज चाहता है कि ये काम आगे बढ़ने चाहिए और बेहतरी की ओर प्रदेश आगे बढ़े।

सोनीपत के अस्पताल में फर्जीवाड़ा-फेक साइन व मुहर के दुरुपयोग का आरोप, आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग

सोनीपत । सोनीपत जिले में निजी अस्पताल के पूर्व चिकित्सक ने अस्पताल संचालक पर गंभीर आरोप लगाते हुए पुलिस आयुक्त को शिकायत दी थी। जिस पर अब बहालगढ़ थाना पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। अस्पताल संचालक पर चिकित्सक ने फर्जी हस्ताक्षर करने व मुहर का दुरुपयोग करने का आरोप लगाया है।

मिली जानकारी के अनुसार ओमेक्स सिटी निवासी डॉक्टर संदीप बिजारणिया ने बताया कि उन्होंने 14 अप्रैल, 2022 बतौर हड्डी रोग विशेषज्ञ बहालगढ़ थाना के निजी अस्पताल में नियुक्ति प्राप्त की थी। वह 3 जून, 2022 से 30 जून 2022 के दौरान अपनी शादी के लिए छुट्टियों पर गए थे। उन्होंने इसके लिए गन्नौर निवासी अस्पताल संचालक को सूचना दे दी थी। बाद में 4 जून, 2022 को उन्हें आपात स्थिति में मरीज को देखने के लिए अस्पताल में बुलाया था। उन्होंने मरीज की जांच की थी और मरीज की हालत सही थी। बाद में एक माह की छुट्टी पर रहे। 1 जुलाई, 2022 को वापस आए और 30 सितंबर, 2022 को अस्पताल से त्यागपत्र दे दिया था।

डॉ. संदीप बिजारणिया ने आरोप लगाया है कि छुट्टी के दौरान अस्पताल में रखी उनकी मुहर का प्रयोग करने के साथ ही फर्जी हस्ताक्षर किए गए। मरीज के लैब टेस्ट एवं बिल को ऑथेंटिकेट (प्रमाणिक) करते हुए मरीज की डिस्चार्ज समरी पर भी उनकी मुहर लगाई गई। बिलों पर फर्जी हस्ताक्षर किए गए। बाद में उनके पास सोनीपत न्यायालय से एक समन आया था। तब उन्हें मामले का पता लगा। वह अधिवक्ता को लेकर कोर्ट में पेश हुए तो पता लगा कि उनका नाम आयुष्मान भारत के तहत हड्डी रोग विशेषज्ञ में रूप में दर्ज कराया गया था। उन्होंने ऐसा कोई आवेदन नहीं किया था। उन्होंने पुलिस आयुक्त को शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की है। जिस पर मुकदमा दर्ज कर लिया है।

वहीं मामले में जानकारी देते हुए बहालगढ़ थाना प्रभारी मदन सिंह ने बताया कि डॉ संदीप ने शिकायत दी थी कि छुट्टी पर जाने के बाद मुहर और हस्ताक्षर का गलत इस्तेमाल किया गया है। शिकायत सीपी ऑफिस में दी गई थी। जांच के बाद मामला दर्ज कर लिया गया है।

बहादुरगढ़ में एक साथ 3 फैक्ट्रियों में लगी भीषण आग

बहादुरगढ़ । बहादुरगढ़ में एक कैमिकल फैक्ट्री में अचानक भीषण आग लग गई। आग इतनी भयानक थी कि देखते-देखते साथ लगती 2 अन्य फैक्ट्रियों में भी आग फैल गई। केमिकल फैक्ट्री के अलावा एक गत्ता फैक्ट्री और एक जूता फैक्ट्री में भी भीषण आग लग गई। मामला बहादुरगढ़ के एचएसआईआईडीसी सेक्टर 16 में स्थित प्लॉट नंबर 152 का है। इस फैक्ट्री में विभिन्न प्रकार का केमिकल बनाया जाता है। दोपहर के समय करीब 12:00 बजे इस फैक्ट्री में अचानक आग लग गई। केमिकल अत्यंत ज्वलनशील होने के कारण देखते-देखते आग ने पूरी फैक्ट्री को अपनी चपेट में ले लिया। आग की लपटें इतनी भयानक थी कि साथ लगती दो फैक्ट्री में भी आग फैल गई।

मौके पर पहुंची फायर ब्रिगेड की आधा दर्जन गाड़ियां

घटना की सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की करीब आधा दर्जन गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाने के प्रयास शुरू किए गए, लेकिन केमिकल अत्यंत चलनशील होने के कारण फायर ब्रिगेड कर्मचारियों को आग पर काबू पाने के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है। इस आग के कारण फैक्ट्री के बाहर खड़े कई दो पहिया वाहन भी जलकर राख हो गए। फैक्ट्री के बाहर बिजली की तारों और खम्बों को भी आग की वजह से भारी नुकसान हुआ है। फुटवियर एसोसिएशन बहादुरगढ़ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष नरेंद्र छिकारा ने बताया

कि आग पहले केमिकल फैक्ट्री से शुरू हुई थी और बाद में अन्य दो फैक्ट्रियों में भी फैल गई। अब भी आग अपना विकराल रूप धारण करे हुए हैं। आग लगने के कारणों का फिलहाल कोई पता चल सका है। बहादुरगढ़ के अलावा रोहतक, झज्जर और दिल्ली से भी फायर ब्रिगेड की गाड़ियां मौके पर पहुंच चुकी हैं। फायर ब्रिगेड के कर्मचारी आग पर काबू पाने का पूरा प्रयास कर रही है।

हरियाणा में ष्श्वद्बद्दह्लद्बह्यह्य को नतीजों के बाद बड़ा झटका, इस दिग्गज ने छोड़ी पार्टी...बताई ये वजह

चंडीगढ़। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता कैप्टन अजय सिंह यादव ने हरियाणा में पार्टी को बड़ा झटका दिया है। उन्होंने गुरुवार (17 अक्टूबर) को कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया। आज सुबह ही अजय यादव ने राहुल गांधी से मुलाकात की थी, वो बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और आरजेडी के प्रमुख लालू यादव के समधी भी हैं। अजय यादव ने एक्स पर लिखा कि मैंने AICC OBC विभाग के अध्यक्ष और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से अपना त्यागपत्र कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे को भेज दिया है। अपने इस पोस्ट में उन्होंने मल्लिकार्जुन खरगे और राहुल गांधी को टैग किया। उन्होंने कहा, 'इस्तीफा देने का यह निर्णय वास्तव में कठिन था, क्योंकि मेरे परिवार का 70 वर्षों से जुड़ाव था. मेरे पिता स्वर्गीय राव अभय सिंह 1952 में विधायक बने और उसके बाद मैंने पारिवारिक परंपरा को जारी रखा, लेकिन सोनिया गांधी के कांग्रेस अध्यक्ष पद से हटने के बाद मेरे साथ खराब व्यवहार होने से पार्टी हाईकमान से मोहभंग हो गया है।'

आखिर कब कम होगी मुश्किल? धान की धीमी खरीद से अटीं मंडियां...व्यापारी और किसान दोनों परेशान

फतेहाबाद। धान की बंपर आवक के साथ ही फतेहाबाद की मंडियां पूरी तरह से भर चुकी हैं। हालात यह है कि मंडी में अब पैर रखने तक की जगह नहीं बची। ऐसे में मंडी में अपनी फसल को लेकर आ रहे किसानों को मंडी के बाहर सड़क किनारे ट्रेक्टर ट्राली लगाकर अपनी बारी का इंतजार करना पड़ रहा है। धान की तेज आवक और धीमे उठान के कारण मंडी पूरी तरह से सीज हो चुकी है। धीमे उठान के कारण एक ओर व्यापारी परेशान हैं तो वहीं किसान भी परेशान हो रहा है, क्योंकि जब तक उसकी बिकी हुई फसल का उठान नहीं होता तब तक उसके खाते में उसकी मेहनत के पैसे नहीं आएंगे। बहुत से ऐसे किसान हैं जो पिछले एक सप्ताह से मंडी में इस इंतजार में बैठे है कि कब उनकी फसल बिकेगी। अब जब उनकी फसल बिकी तो उठान का इंतजार कर रहे हैं।

मंडी में अपनी फसल को लेकर पहुंचे किसानों का कहना था कि सरकार के दावे और वादों में बहुत फर्क है। उन्होंने कहा कि शासन और प्रशासन दावे तो करता है किसान को उसकी फसल बेचने में कोई परेशानी नहीं आने दी जाएगी, मगर जब वे अपनी फसल को लेकर मंडी में पहुंचते हैं तो उनकी परेशानी उसी वक्त से शुरु हो जाती है। मंडी में आए किसानों का कहना था कि वे पिछले 8 दिनों से अपनी फसल लेकर मंडी में आए हुए हैं। अब जाकर उनकी फसल तो बिक गई, मगर उठान नहीं हुआ।

वहीं मंडी व्यापारियों और आढ़तियों का कहना है कि एजेंसियां माल उठान करवाने में ढिलाई बरत रही हैं, धीमे उठान के कारण मंडी धान से भरी पड़ी है। बार-बार अधिकारियों और एजेंसियों के चक्कर लगाने के बावजूद भी उनकी कहीं सुनवाई नहीं हो रही। अनाज मंडी व्यापार मंडल के प्रधान जगदीश भादू ने बताया कि वे इस समस्या को लेकर प्रशासनिक अधिकारियों और खरीद एजेंसियों के अधिकारियों से कई बार मिल चुके हैं, मगर आश्वासन के अलावा उन्हें कुछ हासिल नहीं हुआ।

गाजियाबाद पूर्व केंद्रीय मंत्री और पूर्व जनरल वीके सिंह की बेटी ने कारोबारी पर 3.48 करोड़ रुपए हड़पने का आरोप लगाते हुए केस दर्ज

संस्कार उजाला

गाजियाबाद (आशा चौधरी)

पूर्व केंद्रीय मंत्री और पूर्व जनरल वीके सिंह की बेटी ने कारोबारी पर 3.48 करोड़ रुपए हड़पने का आरोप लगाते हुए केस दर्ज कराया है। पूर्व केंद्रीय मंत्री की बेटी योगजा सिंह ने कारोबारी पर मकान का सौदा कर रकम हड़पने का आरोप लगाते हुए कविनगर थाने में मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस को दी गई तहरीर में केंद्रीय मंत्री वीके सिंह की पुत्री योगजा सिंह ने बताया कि कारोबारी आनंद प्रकाश की

कोठी 2 /27 राजनगर के विक्रय का सौदा 5.50 करोड रुपए में मौखिक रूप से 14 जून 2014 को हुआ था । उन्होंने बताया कि बतौर बयाना 10 लाख रुपए दिए गए। शेष धनराशि धीरे-धीरे अदा करना तय हुआ। उन्होंने बताया कि 4:50 लाख रुपया रिनोवेशन में खर्च हुआ जिसके बारे में आनंद प्रकाश को बताया गया। भवन का कब्जा 15 जुलाई 2014 को दिया गया जो आज भी कायम है। उन्होंने बताया कि 13 फरवरी 2014 15 फरवरी को 33 लाख 50000 रुपए आनंद प्रकाश के खाते में ट्रांसफर किया। जबकि 14 अक्टूबर 2018 को संदीप तंवर के मार्फत नारायण से उधार लेकर एक करोड रुपए दिए। उसके बाद 15 नवंबर 2018 और 12 अक्टूबर 2023 को भी एक-एक करोड रुपए दिए। 21 अक्टूबर 2023 को 2 करोड रुपए का लोन सैंक्शन हो गया । जिसकी जानकारी विक्रेता को दी और रजिस्ट्री करने के लिए कहा। लेकिन उन्होंने रजिस्ट्री नहीं की। 30 अगस्त 2024 को उन्होंने अधिवक्ता के माध्यम से नोटिस भिजवाया जो विपक्षी ने प्राप्त किया बार-बार कहने के बावजूद मकान का बैनामा नहीं किया 3:50 करोड़ की रकम हड़पने के उद्देश्य से आनंद प्रकाश ने बीते दिनों उनके पिता के खिलाफ अनर्गल आरोप लगाते हुए छवि धूमिल करने की कोशिश की योगजा सिंह के द्वारा दी गई तहरीर के आधार पर कवि नगर पुलिस ने धोखाधड़ी का मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है

प्रेम, सौहार्द, सद्भाव एवं भाईचारे के साथ मनाई की महर्षि वाल्मीकी की जयंती

संस्कार उजाला

गाजियाबाद (आशा चौधरी)

शासनादेश के क्रम में जिलाधिकारी श्री इन्द्र विक्रम सिंह के निर्देशन एवं समाजसेवियों, राजनैतिक पार्टियों, संस्थाओं एवं वाल्मीकी समाज के गणमान्य लोगों द्वारा आश्विन माह की पूर्णिमा के दिन महर्षि वाल्मीकि जयंती धूमधाम से मनाई गयी। इस अवसर पर जनपद गाजियाबाद की पांचों विधानसभाओं लोनी, साहिबाबाद, गाजियाबाद, मुरादनगर एवं मोदीनगर में स्कूलों, मंदिरों, पार्कों, सार्वजनिक स्थलों पर महर्षि वाल्मीकी की जयंती पर कार्यक्रम आयोजित करते हुए उनकी मूर्तियों पर पुष्प माला पहनाकर और चित्रों पर पुष्पांजलि अर्पित की गयी एवं अनेक स्थानों पर भण्डारें एवं अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन भी किया गया। कार्यक्रमों के दौरान गणमान्य अतिथियों, शिक्षकों के द्वारा महर्षि वाल्मीकी जी के बारे में विशेष एवं ज्ञानपूर्ण जानकारी प्रदान की गयी। महर्षि वाल्मीकी जी की जयंती सभी समाज के लोगों द्वारा सद्भाव, प्रेम, सौहार्द एवं भाईचारे के साथ मनाई गयी।

गाजियाबाद सरस्वती कॉलेज में एंटरप्रन्योरशिप पर कार्यशाला एवं महाविद्यालय एडूलिंक जर्नल का विमोचन

संस्कार उजाला

गाजियाबाद (आशा चौधरी)

सरस्वती कॉलेज ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज गाजियाबाद में दिनांक 16-10-2024 को एंटरप्रेन्योरशिप पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला को आयोजित करने का उद्देश्य बी० कॉम के छात्रों को मैनेजमेंट स्किल, इनोवेशन, क्रिएटर, न्यू स्टार्टअप, विभिन्न कौशलों को सीख कर मार्केट के अनुकूल स्वयं को बनाना तथा देश के सामाजिक आर्थिक विकास में योगदान देना रहा। सर्वप्रथम महाविद्यालय सचिव निर्मल सिंह ने स्वागत संबोधन किया। तत्पश्चात बी०एड० प्रथम वर्ष की छात्रा खुशबू शर्मा ने मुख्य वक्ता का परिचय मंच को दिया। कार्यशाला में मुख्य

वक्ता डॉ शैलेश मिश्रा पर्यावरणविद् एवं डायरेक्टर ओट्रीनि इंडिया प्राइवेट लिमिटेड रहे। सर्वप्रथम उन्होंने छात्रों को सर्वप्रथम गुड सेमिरीटन लॉ के बारे में बताया। इस नियम के अंतर्गत रोड एक्सीडेंट विक्टिम की सहायता किस प्रकार की जाती है। इस बारे में छात्रों को जागरुक किया। तथा सड़क पर दुर्घटनाग्रस्त लोगों की सहायता करने के लिए अभिप्रेरित किया। डॉ शैलेश मिश्रा ने एंटरप्रेन्योर के लिए आवश्यक दक्षता, स्वयं की क्षमताओं को पहचाना, एंटरप्रेन्योर्स की विशेषताएं, एंटरप्रेन्योरशिप का महत्व के बारे में विस्तार से बताया। कार्यक्रम में विभिन्न शैक्षिक गतिविधियों के सर्टिफिकेटस भी छात्रों को प्रदान किए गए। साथ ही महाविद्यालय के जर्नल एडुलिंक मार्च 2024 का विमोचन डॉ गोपाल कृष्ण ठाकुर डीन, स्कूल ऑफ एजूकेशन महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा महाराष्ट्र द्वारा किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सचिव निर्मल सिंह, डॉ शैलेश मिश्रा, प्राचार्य डॉक्टर संजय कुमार, डॉ अनीता सिंह, डॉ अलका कटारिया, डॉ कामना चतुर्वेदी तथा शिक्षा एवं वाणिज्य विभाग के समस्त प्रवक्तागण एवं छात्र उपस्थित रहे।

दिनांक 16,10,24 से 18,10,24 तक तीन दिवसीय कोर्स, वामपंथी अलगाववाद,,left wing extermisnt,एवं नए अपराधिक कानून,साइबर क्राइम एवं फोरेंसिक एविडेंस एकत्रित किए जाने के विषय में सीडीटीआई गाजियाबाद में चल रहा है 42 अधिकारी ऑफलाइन हैं। कोर्स

संस्कार उजाला

गाजियाबाद (आशा चौधरी)

सी आई एस एफ,बीएसएफ, आरपीएफ,एसएसबी एवं अलग-अलग राज्यों के पुलिस अधिकारी हैं जिसमे उत्तर प्रदेश, दिल्ली, बिहार, राजस्थान, मध्य प्रदेश ,उड़ीसा ,महाराष्ट्र, आदि से है। कोर्स कोआर्डिनेटर ब्रह्मपाल सिंह बालियान पुलिस उपाधीक्षक सीडीटीआई गाजियाबाद है। इसके अलावा एक पांच दिवसीय कोर्स दिनांक 14,10,2024 से 18,10,2024 तक नए अपराधिक कानून को लेकर चल रहा है जिसमें पुलिस और अर्ध सैनिक बल 25 अधिकारी हैं कोर्स कोआर्डिनेटर शीला चौधरी पुलिस उप अधीक्षक सीडीटी आई गाजियाबाद है

अन्तर्गत धारा 82 CRPC की उद्घोषणा

संस्कार उजाला

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि थाना-सैक्टर-63 पर पंजीकृत मु० अ० सं० 133/24 धारा 302, 201, 34 IPC व 3(2), 5 SC/ST एक्ट में नामजद अभियुक्त बिलोरी उर्फ आकाश उर्फ सागर पुत्र सुखवीर निवासी चैना डेयरी के सामने उमेरा का मकान चोटपुर कालोनी थाना सैक्टर-63 नोएडा फरार चल रहा है। जिसमें मा० - यायालय द्वारा धारा 82 CRPC की उद्घोषणा जारी कर दी गई है। अतिशीघ्र कुर्की कर ली जायेगी।

सैनिकों का अपमान , नहीं सहेगा हिंदुस्तान राष्ट्रीय सैनिक संस्था की हिमाचल इकाई

संस्कार उजाला

गाजियाबाद (आशा चौधरी)

सैनिक सामुदायिक भवन समीप पुराना बस अड्डा ,नालागढ़ , हिमाचल प्रदेश आज यहाँ राष्ट्रीय सैनिक संस्था की हिमाचल प्रदेश की युवा इकाई के प्रदेश अध्यक्ष योगेश शर्मा के द्वारा एक देश भक्ति कार्यक्रम आयोजित किया गया । कार्यक्रम मे स्थानीय एवं बाहरी देश भक्त नागरिक और पूर्व सैनिकों ने भाग लिया ।कार्यक्रम के मुख्य अतिथि आंध्रा प्रदेश सरकार के सलाहकार एवं स्कोडा ग्रुप के सलाहकार राजन छिब्बर ने कहा की इस देश मे सैनिकों से बड़ा दानी ,बलिदानी , धरोहर , त्यागी कोई दूसरा नहीं है। उन्होंने कहा की 16 हजार किलोमीटर लंबे समुन्द्र तट और जमीनी सरहद की रक्षा सैनिक करते है ।इतना ही नहीं जब भी कभी देश मे कोई प्राकृतिक अथवा कृत्रिम आपदा आती है तो फौज को बुला

लिया जाता है और स्थिति नियंत्रण मे आ जाती है।144 करोड़ के हिंदुस्तान मे सैनिकों की संख्या केवल 14 लाख है । इसका कारण है की प्रत्येक सैनिक कर्तव्यनिष्ठा , प्रशिक्षण , अनुशासन और ईमानदारी का प्रतीक है। इसलिए सैनिकों के बारे मे किसी राजनैतिक नेता का यह कहना की वो तवांग मे पीटकर आ गए या किसी अन्य नेता का यह कहना की भारतीय सैनिक पाकिस्तानी आतंकियों से मिले हुए है ,सहन नहीं किया जाएगा ।ऐसी अभिव्यक्ति की आजादी का जवाब सामूहिक और सामाजिक बहिष्कार करके दिया जाएगा ।राष्ट्रीय सैनिक संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष वीर चक्र प्राप्त कर्नल तेजेंद्र पाल त्यागी ने कहा की हमे चीन और पाकिस्तान से कोई खतरा नहीं है ।हमे खतरा है भारत के अंदर ही सनातन और सैनिकों का विरोध करने वाले गद्दारों से` हमारे पूर्व चीफ आफ डिफेंस स्टाफ जनरल बिपिन रावत इसे हाफ फ्रंट कहते थे` ये ही लोग है जो कहते है की चीन की हुकूमत अगर हिंदुस्तान मे आ जाए तो अच्छा है` ये ही लोग है जो कहते है की पाकिस्तान ने चूड़िया नहीं पहन रखी` हो सकता है। की संवेधानिक कारणों से ऐसे लोगों के खिलाफ कार्यवाही न की जा रही हो परंतु हम देश भक्त नागरिकों और सैनिकों का आवाहन करते है की ऐसे लोगों का सामाजिक , सामूहिक और सार्वजनिक बहिष्कार किया जाना चाहिए। राष्ट्रीय सैनिक संस्था की हिमाचल प्रदेश इकाई के युवा विंग के प्रदेश अध्यक्ष योगेश शर्मा ने आज के कार्यक्रम का आयोजन किया` उन्होंने धन्यवाद प्रस्ताव करते हुए बताया की राष्ट्रीय सैनिक संस्था एक 24 वर्ष पुराना , पंजीकृत , अराजनैतिक और ऐसा राष्ट्रीय संगठन है जिसमे पूर्व सैनिक और देश भक्त नागरिक दोनों ही शामिल है` इस संगठन का एक महिला विंग और एक युवा विंग है` उन्होंने कहा की हिमाचल प्रदेश के प्रत्येक जिले मे राष्ट्रीय एकीकरण और चरित्र निर्माण के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे इन कार्यक्रमों मे संविधान की धारा 51 ए मे बताए गए 11 कर्तव्यों की जानकारी भी दी जाएगी ताकि कोई व्यक्ति सरकारी संपत्ति का नुकसान न करे और न ही सांप्रदायिक हिंसा मे भाग ले । राष्ट्रीय सैनिक संस्था की राजस्थान इकाई के संयोजक गौरव सेनानी रेख राज ने कहा की पिछले कुछ समय मे पुलिस के द्वारा फौजियों के खिलाफ दूरव्यवहार के मामले सामने आए है` यह अत्यंत दुर्भाग्य पूर्ण है` जिन पुलिस कर्मियों ने कहीं भी और किसी भी सेवा निवृत या सेवारत सैनिक का अपमान किया है उन्हे निलंबित नहीं बल्कि सेवा से बाहर किया जाना चाहिए ।उड़ीसा वाले प्रकरण मे तो पुलिस कर्मियों को सजा होनी चाहिए ।इस अवसर पर नालागढ़ म्युनिसिपल कमेटी की चैयरमेन वंदना जी , पूर्व विधायक के एल ठाकुर जी , यति नरसिंघा नन्द के शिष्य , मोनी बाबा , आर पी जोशी , महिला विंग की प्रदेश अध्यक्षा गीता कुमारी , गौरव सेनानी कुलवन्त सिंह पटियाल , गौरव सेनानी जगरनाथ शर्मा , गौरव सेनानी बच्चन सिंह , गौरव सेनानी सुभाष चंद , गौरव सेनानी सागर सिंह , गौरव सेनानी मनोज कुमार , गौरव सेनानी राज कुमार , गौरव सेनानी सुरजीत सिंह , गौरव सेनानी राज कुमार , गौरव सेनानी नानक चंद ,गौरव सेनानी रंजीत सिंह , गौरव सेनानी गिरी वर्मा सहित बहुत बड़ी संख्या मे पूर्व सैनिकों और देश भक्त नागरिकों ने शहीद स्थल पर सेल्यूट किया और जन सभा मे भाग लिया

जिला निर्वाचन अधिकारी ने किया स्ट्रांग रूम नवीन मण्डी स्थल का स्थलीय निरीक्षण, दिये आवश्यक दिशा,निर्देश

संस्कार उजाला

गाजियाबाद (आशा चौधरी)

उप निर्वाचन 2024 के मतगणना सम्बन्धी कार्यों की तैयारी के सम्बंध में जिला निर्वाचन अधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह द्वारा स्ट्रांग रूम नवीन मण्डी स्थल, हापुड रोड, गोविन्दपुरम, गाजियाबाद का स्थलीय निरीक्षण किया गया। इस मौके पर उन्होने सम्बंधित अधिकारियों को सड़क एवं स्ट्रांग रूम की मरम्मत, टैटें ंज, विद्युत, वातावरण की अनुकूल प्रतिस्थितियों से सम्बंधित मूलभूत सुविधाएं, पेय जल, टॉयलेट, शौचालयों से सम्बंधित तैयारियों के बारे में विस्तार से निर्देशित किया। उन्होने पुलिस विभाग के अधिकारियों को निर्देशि किया कि सुरक्षा सम्बंधित सभी तैयारियों को रूट चार्ट तैयार किया जाये और सुरक्षा सम्बंधित पुख्ते इंतेजाम रखे जाएं। उन्होने कहा कि अपने अधीनस्थ अधिकारियों ,सह प्रभारियों,कर्मचारियों को उनसे सम्बंधित सभी कार्यों को समझाकर या उनकी तैयारियां कराकर पूर्ण किया जाएं अंत समय में यह नहीं होना चाहिए कि हमें..इस बात की जानकारी नहीं थी। निर्वाचन कार्यों में किसी भी प्रकार की कोताही बर्दाश्त नहीं की जायेगी। इस मौके पर एडीएम ई रणविजय सिंह, सिटी मजिस्ट्रेट डॉ.सन्तोष कुमार उपाध्याय, एसीपी अभिषेक श्रीवास्तव, पीडब्लूडी अधिशासी अभियंता रामराजा सहित अन्य अधिकारी कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक राजकुमार शर्मा ने वैकुंठ मीडिया प्राइवेट लिमिटेड सी -285, सेक्टर-11, विजय नगर, गाजियाबाद से छपवाकर कार्यालय 178 राहुल विहार विजय नगर,गाजियाबाद से प्रकाशित किया है। किसी खबर या लेख से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।

सभी विवादों का निस्तारण जिला न्यायालय गाजियाबाद में होगा। प्रबंध संपादक-महेश कुमार - 9911733939, कानूनी सलाह- नरेंद्र सिंह रणोत एडवोकेट, सलाहकार कुशल सिंह, RNI No-UPHIN/2013/50466, Editor R.K. Sharma : 09456278011